धनबाद
गुरूवार 23.07.2026
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-32 अंक-151 पृष्ठ- 12
आषाढ़ शुक्ल पक्ष-9
संवत 2083

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑबजर्वर

अवैध कोयले का काला साम्राज्य केन्द्र और राज्य सरकार के आदेश पर ध्वस्त किया जा रहा है : प्रभात कुमार

कोयला चोरी रोकना बीसीसीएल की संपत्ति को बचाना सीआईएसएफ का दायित्व हैं

धनबाद (कासं): कोयलांचल के न्यायप्रिय आईपीएस अधिकारी प्रभात कुमार जो कि धनबाद के वरीय पुलिस अधीक्षक के पद पर पदस्थापित हुए तब से धनबाद कोयलांचल की लाखों जनता गैंगस्टरों और

एसएसपी से कोयलांचल के कई मुद्दों पर सम्पादक गणेश मिश्रा की खास बातचीत

रंगदारों के आतंक से मुक्त होकर चैन की नींद सोता है। रात में घंटियां नहीं बजती नींद उड़ाने वाले अपराधियों की।

कोयलांचल धनबाद में कई एसएसपी और एसपी आये सभी ने अपनी छाप छोड़ी लेकिन एक वर्षो के कार्यकाल में आईपीएस अधिकारी प्रभात कुमार ने धनबाद कोयलांचल और झारखण्ड में एक अलग आईपीएस अधिकारी के रूप में पहचान बनाते हुए लोगों के बीच चर्चित हो रहे हैं। कहा जाता है कि अच्छे अधिकारी और सच बोलने के मित्र कम दुश्मन अधिक होते हैं।

कोयलांचल धनबाद के आतंक राज को ध्वस्त करने के कारण उन्हें बधाईयां कम मिली लेकिन उनकी पुलिसिया कार्रवाई से पीड़ित गैंगस्टरों और माफियाओं ने सोशल मीडिया का सहारा लेकर एसएसपी के विरूद्ध विषवमन करवाया गया लेकिन जनता जनती है कि सुर्य पर थुकने से खुद व्यक्ति गंदा हो जाता है। आपराधिक कांडों का उद्‌भेदन में भी अव्वल रहे धनबाद एसएसपी प्रभात कुमार से विशेष भेंट वरिष्ठ पत्रकार बिहार ऑबजर्वर अखबार के सम्पादक गणेश मिश्रा से हुई इस बीच एसएसपी प्रभात कुमार से कई मुद्दों पर जमकर चर्चा हुई।

यह पूछे जाने पर कि धनबाद कोयलांचल में अपराध की कमी और अविलंब कार्रवाई से जनता में क्या संदेश गया है। इस पर एसएसपी प्रभात कुमार ने कहा कि मीडिया समाज का आईना है लेकिन कई लोग पत्रकारिता का उद्देश्य छोड़कर अपनी काली कमाई के लिए ढाल बनाया है। ऐसे लोगों का पर्दाफाश सच्चे पत्रकार करें। उन्होंने कहा कि सरकार हो पुलिस सबकी उपलब्धियों को और समस्याओं को मीडिया जनता के सामने लाती है। यह पूछे जाने पर कि बीसीसीएल में कोयला चोरी को लेकर केन्द्रीय गृह मंत्री से लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और डीजीपी तदाशा मिश्रा और खुद आप भी कोयला तस्करों और चोरों के विरूद्ध कार्रवाई कर कोयला चोरी और अवैध खनन पर रोक लगाया है। इस पर एसएसपी प्रभात कुमार ने सम्पादक गणेश मिश्रा से बातचीत करते हुए कहा कि केन्द्र सरकार और राज्य सरकार, पुलिस और सीआईएसएफ सभी का प्रयास से कोयले के काले धंधे पर लगाम लगा है।

उन्होंने कहा कि पुलिस को अपराध रोकने और संविधान की धाराओं को पालन करवाने, विधि व्यवस्था संभालने का दायित्व है। इसके बाद भी अवैध कोयले की जानकारी मिलने पर पुलिस कार्रवाई करती है। जबकि कोयला चोरी रोकने का काम सीआईएसएफ का है। यह पूछे जाने पर कि कोयलो चोरी और तस्करी के पीछे आखिर कौन। उन्होंने हंसते हुए कहा कि यह सरकार, जनता और मीडिया जानती है कि कुछ आउटसोर्सिंग कंपनियां कोयले के काले खेल में लगी हुई है। जिसकी जांच पुलिस कर रही है। जिस दिन साक्ष्य मिल जाएगा उस दिन बख्शे नहीं जाएंगे।

युवाओं को मिलेगा फिल्म और ओटीटी में करियर का नया मंच, एसआरएफटीआई के साथ सरकार ने किया एमओयू

रांची (एजेंसी): झारखंड के होनहार और क्रिएटिव युवाओं के लिए राज्य सरकार ने एक बेहतर प्लेटफार्म तैयार किया है। बुधवार को विधिवत रूप से झारखंड सरकार का एक अंग झारखंड फिल्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड और सत्यजीत रे फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट, कोलकाता के सहयोग से स्थापित किया जा रहा है। हालांकि, इस संदर्भ में मार्गदर्शन के लिए राज्य सरकार सत्यजीत रे फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट, कोलकाता का सहयोग ले रही है। अब झारखंड में फिल्म और ओटीटी इंडस्ट्री को बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बुधवार को झारखंड मंत्रालय सभागार में आयोजित चेण हस्ताक्षर समारोह में कहा कि झारखंड फिल्म डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड और सत्यजीत रे फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट, कोलकाता के बीच एमओयू हस्ताक्षर होना एक नई यात्रा की शुरूआत है। एक ऐसी यात्रा जो झारखंड के प्रतिभावान फिल्मकारों और कलाकारों को नई तकनीक, विश्वस्तरीय सुविधाएं और एक नया राष्ट्रीय मंच प्रदान ▸▸ 8

हजारों टन अवैध कोयला छोड़कर क्यों सीआईएसएफ की छापामार टीम वापस आ गई

आउटसोर्सिंग और सीआईएसएफ एवं बीसीसीएल के एक भ्रष्ट अधिकारी का भंडाफोड़

झरिया (ससे): सीआईएसएफ के डीआईजी राजीव मिश्रा के पदभार ग्रहण के बाद सीआईएसएफ के ईमानदार अधिकारियों में हिम्मत आ गई है और कार्रवाई कर रहे हैं लेकिन कुछ बीसीसीएल के कुछ भ्रष्ट अधिकारी और सीआईएसएफ के कुछ भ्रष्ट जवानें की मिलीभगत से आउटसोर्सिंग कंपनी द्वारा बीसीसीएल के लिए निकाले गए हजारों टन कोयले को एक गड्ढे में छुपा दिया गया ▸▸ 8

टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी लोकसभा से सस्पेंड

नई दिल्ली (ईएमएस): लोकसभा ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद कल्याण बनर्जी को मानसून सत्र के बाकी समय के लिए सस्पेंड कर दिया। उन पर आरोप था कि उन्होंने निचले सदन में एनसीपीआई सदस्यों के साथ तीखी बहस के दौरान महिला सदस्यों के बारे में अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया। बता दें कि मानसून सत्र १३ अगस्त को खत्म हो रहा है। दिन में दूसरी बार सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद जब दोपहर २ बजे सदन फिर से शुरू हुआ तो कार्यवाही की अध्यक्षता कर रहे कृष्णा प्रसाद ▸▸ 8

छात्रों पर लाठीचार्ज मामले में सुप्रीम कोर्ट का सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली (ईएमएस): सुप्रीम कोर्ट ने कॉकरोच जनता पार्टी समर्थकों पर हुए लाठीचार्ज के खिलाफ दायर याचिका पर तुरंत सुनवाई से इनकार कर दिया है। बुधवार को एक वकील ने सीजेआई की अगुआई वाली ३ जजों की बेंच के सामने जनहित याचिका लगाई थी। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि हमें वीडियो देखने में कोई रुचि नहीं है। हमारे पास उन्हें देखने का समय नहीं है। जब वकील ने छात्रों के साथ मारपीट के वीडियो देखने का दूसरी बार अनुरोध किया तो सीजेआई ने कहा कि हमारा और अपना समय बर्बाद मत कीजिए। वहीं सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने छात्र प्रदर्शन के दौरान निर्दोष छात्रों पर हुए लाठीचार्ज की कड़ी निंदा की है। एसोसिएशन ने कहा कि इस कार्रवाई में कई छात्रों को गंभीर चोटें आई हैं।

संपादकीय | रिश्तों की मर्यादा का ध्यान रखना जरूरी

अक्सर सुना जाता है कि अधिकतर बेटे समय के साथ बदल जाते हैं. मां-बाप की सेवा नहीं करते, उन्हें अंतिम समय में तंग करते हैं या प्रॉपर्टी के लिए झगड़ा करते हैं परंतु आज जब पिछले लगभग 24 सालों से मैं बुजुर्गों के लिए काम कर रही हूं तो जहां बेटियां अच्छे कार्यों में बेटों से कम नहीं, वहां कुछ बेटियां बुरे कामों में भी कुछ बुरे बेटों से कम नहीं. मुझे बड़ी हैरानी होती है कि बेटियां तो कभी ऐसी नहीं होती थीं, क्योंकि बेटियां तो हमारे देश में पूजी जाती हैं.

कन्या को देवी का रूप माना जाता है, जहां गार्गी, मैत्रेयी, रानी लक्ष्मीबाई, अहिल्याबाई होल्कर और कल्पना चावला जैसी महान बेटियां हुई हैं. लेकिन अब समाचारों में सुनती हूं कि कहीं कोई बेटी अपने माता-पिता के साथ क्रूरता करती है, कहीं रिश्तों को लालच और स्वार्थ के लिए तोड़ा जा रहा है. कहीं गलत संगत और क्षणिक क्रोध में अपराध हो रहे हैं. अभी-अभी सुना कि एक बेटी ने अपनी मां को मार दिया. कुछ दिनों पहले एक बेटी ने अपने मंगेतर को विवाह से पहले मार दिया. कई नई विवाहित महिलाओं ने अपने पति को मौत के घाट उतार दिया.

मैं सभी बेटियों को दोष नहीं देती. आज भी हमारी लाखों-करोड़ों बेटियां अपने माता-पिता की समर्पित भाव से सेवा कर रही हैं. विभिन्न क्षेत्रों में देश का नाम रोशन कर रही हैं. लेकिन जो बेटियां गलत रास्ते पर जा रही हैं उनसे मैं हाथ जोड़कर कहना चाहती हूं कि कोई भी कदम उठाने से पहले एक बार अपनी मां का चेहरा याद कर लेना. वह बचपन याद कर लेना, जब तुम्हारी एक छोटी-सी चोट पर तुम्हारे माता-पिता की आंखों में आंसू आ जाते थे.

जिस मां ने तुम्हें नौ महीने अपनी कोख में रखा, जिस पिता ने तुम्हारे सपनों के लिए अपनी इच्छाएं त्याग दीं उनका दिल कभी मत दुखाना. आधुनिक बनो, आगे बढ़ो, अपने अधिकारों के लिए खड़ी हो, आसमान छुओ लेकिन अपनी जड़ों और संस्कारों को मत भूलो. आजादी का अर्थ मनमानी नहीं है. आधुनिकता का अर्थ रिश्तों को भूल जाना नहीं है और अधिकारों के साथ हमारे कुछ कर्तव्य भी होते हैं. बेटियों तुम शक्ति हो, तुम ममता हो, तुम संस्कार हो, तुम घर की रौनक हो और समाज का भविष्य हो.

ऐसा कोई भी काम मत करना जिससे तुम्हारे माता-पिता को दुनिया के सामने सिर झुकाना पड़े. ऐसा जीवन जियो कि वे गर्व से कहें 'हां यह हमारी बेटी है.' तुम बेटी हो उड़ो, खूब ऊंचा उड़ो लेकिन अपनी जड़ों को मत भूलो. दुनिया को बदलो, लेकिन अपने संस्कार मत बदलो. आधुनिक बनो, आत्मनिर्भर बनो, शक्तिशाली बनो लेकिन इंसानियत, ममता और रिश्तों की मर्यादा को हमेशा अपने दिल में जीवित रखो. क्योंकि बेटी केवल एक परिवार की पहचान नहीं बेटी समाज का संस्कार और राष्ट्र का भविष्य है. बेटी सशक्त संस्कारवान होगी तो परिवार सशक्त, संस्कारवान होगा, परिवार सशक्त, संस्कारवान होगा तो समाज भी सशक्त होगा, समाज होगा तो देश भी सशक्त और संस्कारवान होगा. क्योंकि एक बेटी किसी भी रूप में परिवार की धुरी होती है.

गरीब मरीजों की अनदेखी कब तक?

चिकित्सा पेशे की सबसे बुनियादी और प्राथमिक शर्त यही होनी चाहिए कि एक चिकित्सक किसी घायल व्यक्ति का बिना किसी औपचारिकता की मांग किए तुरंत इलाज करे और सबसे पहले उसका जीवन बचाने की कोशिश करे। विडंबना यह है कि कई बार अस्पताल और वहां मौजूद डाक्टर घायल मरीज को तुरंत उपचार मुहैया कराने के बजाय टालमटोल करते हैं या फिर मना कर देते हैं। नतीजतन, सिर्फ इलाज न मिलने की वजह से बच सकने वाले व्यक्ति की भी मौत हो जाती है। सवाल है कि ऐसी स्थिति में पीड़ित की मौत के लिए किसकी जिम्मेदारी तय की जाएगी। गौरतलब है कि बीते मार्च में बलात्कार की शिकार हुई महज चार साल की एक बच्ची को बुरी तरह घायल अवस्था में गाजियाबाद के दो निजी अस्पतालों में ले जाया गया, लेकिन वहां उसे भर्ती करने से मना किया गया। आखिरकार इसी वजह से उसकी जान चली गई। सवाल है कि जघन्य

अपराध का शिकार हुई पीड़ित बच्ची को तुरंत उपचार मुहैया कराना डाक्टरों ने जरूरी क्यों नहीं समझा? ऐसे में बच्ची की मौत के लिए आखिर उन अस्पतालों और वहां मौजूद डाक्टरों को भी जिम्मेदार क्यों नहीं माना जाए? इस मामले में बीते शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने अस्पतालों और डाक्टरों को कड़ी फटकार लगाते हुए तल्ख टिप्पणी की कि अगर आप अपनी ड्यूटी नहीं निभा सकते, तो आपको डाक्टर कहलाने का कोई हक नहीं है। अदालत ने यह भी पूछा कि क्या आपने इसलिए नजरअंदाज किया कि पीड़ित बच्ची गरीब थी और आपकी फीस नहीं दे सकती थी? शीर्ष अदालत की यह टिप्पणी इस घटना के बहाने बड़े फलक के सवाल उठाती है। यह शिकायत आम है कि निजी अस्पतालों में किसी मरीज के इलाज के बजाय पैसे को ज्यादा अहमियत दी जाती है और गरीब तबकों के लोगों को वहां उपेक्षा या खराब व्यवहार का सामना करना पड़ता है। मगर बलात्कार जैसे गंभीर अपराध का शिकार और घायल होने की स्थिति के बावजूद अगर बच्ची का इलाज करने से मना किया गया, तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि उन अस्पतालों के प्रबंधक और डाक्टर कितने संवेदनहीन रहे होंगे। चिकित्सा पेशे से जुड़े सभी लोगों और संस्थानों को सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के आलोक में अपनी ड्यूटी और उपयोगिता के बारे में ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ विचार करने की जरूरत है।

आज का कार्टून

बुलेट ट्रेन परियोजना पर जापान के पूर्व मंत्री ने कहा–भारत सरकार को लापरवाह

कर्मयोगी जब सत्ता भोगी बन जाए तो...

धर्म की आड़ में आस्था से विश्वासघात...

राजनीतिक और सामाजिक बहसों में यह तर्क भी दिया जाता है कि जिन्होंने मंदिर बनाने में कोई त्याग नहीं किया, उनको इस मामले में नहीं बोलना चाहिए। फिर एक और मत भी जनता के सामने रखा जाता है कि जिस व्यक्ति ने अपनी पूरी आयु लगा कर मंदिर को संभव बनाया वह ऐसा नहीं हो सकता। अगर उनके सहयोगी दान और चढ़ावे में घपला करते पकड़े जाएं, तो इसमें उनका क्या दोष? जिस व्यक्ति पर ठीकरा फोड़ा गया, वह न्यास के महासचिव का चालक था। विचित्र बात है कि बड़े लोगों पर दोषपूर्ण प्रबंधन और लापरवाही के आरोप लगते हैं, लेकिन पकड़े जाते हैं साधारण लोग। सीसीटीवी फुटेज में साधारण कर्मचारी ही दिखाई देते हैं। आज इस पूरे परिदृश्य को देख कर आम आदमी स्तब्ध है। वह सोच रहा है कि यह कैसा माहौल है, जहां धर्म-कर्म से जुड़े लोग ही अधर्म करते रहे और उनकी आस्था को ठेस पहुंचाते रहे। काजल की कोठरी से प्रमुख चेहरों को बेदाग निकालने की कोशिश भी लोगों को बेचैन करती रही। होना तो यह चाहिए कि जो दोषी हैं उनको कठघरे में लाया जाए। केवल छोटी मछलियां पकड़ कर ही नहीं बैठ जाना चाहिए, हो सकता है कि बड़े मगरमच्छ अब भी कहीं छिपे हुए हों।

सुरेश सेठ

विभिन्न धर्मों और समुदायों के लोगों की आस्था के बीच भारत की छवि विविधतापूर्ण देश की है। यही इसकी खूबसूरती है। इसे आस्था से परिपूर्ण धर्मपरायण देश भी माना जाता है। यहां करोड़ों लोग अपने-अपने धर्म का समर्पित भाव से पालन करते हैं। इससे उन्हें जीवन में नैतिकता से लेकर मर्यादा तक की सीख मिलती है। वे अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए संतुष्ट भाव से जीवन जीते हैं। यह धर्मपरायणता ही है कि जहां बड़ी संख्या में लोग अमरनाथ की दुरूह यात्रा करते हैं और तमाम कष्ट सह कर तथा खतरे का सामने करते हुए भी अपनी आस्था व्यक्त करते हैं।

इसी तरह लाखों लोग कुंभ स्नान के लिए एक स्थान पर जुट जाते हैं। यानी हमारी धार्मिक मान्यताएं इतनी गहरी हैं कि एक विश्वास के सहारे हम पूरा जीवन गुजार देते हैं। मोक्ष और मुक्ति की उम्मीद लिए चलते रहते हैं। हम अपने देश में आस्था के विभिन्न रूप देखते हैं और उनका सम्मान करते हैं। मगर देश को धर्म और धार्मिकता के अंतर को भी समझना होगा। मनुष्य के लिए धर्म महत्त्वपूर्ण है। मगर जिस तरह से पिछले कई वर्षों में धार्मिकता का दोहन किया गया और आस्था को ठेस पहुंचाई गई, यह चिंता का विषय है।

सामूहिक रूप से धर्म के प्रति समर्पित होना कोई गलत नहीं। इसी से हमने अपना सांस्कृतिक इतिहास रचा है और मन की शांति के लिए अपने धर्मस्थलों का निर्माण किया है। इनमें श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या भी है। कारसेवकों के बलिदान और त्याग के बाद मंदिर का निर्माण हुआ। जब इसका उद्घाटन हुआ था, तो देश-विदेश में लाखों लोग पूजा-अर्चना कर रहे थे और अपना जन्म सफल कर रहे थे, लेकिन इस सामूहिक धार्मिकता में आडंबर आ गया। फिर इसी के साथ शुरू हो गया आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला। देखते ही देखते वोटों की राजनीति भी शुरू हो गई।

पिछले दिनों देशवासियों को व्यथित करने वाली जानकारी सामने आई। पता चला कि श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या में चढ़ाई गई राशि में भारी गोलमाल हुआ है। सवाल है कि मंदिर में न्यास होने और पूरी व्यवस्था के बावजूद दान तथा चढ़ावे की चोरी कैसे और क्यों हुई? ताज्जुब है कि लाखों-करोड़ों रुपए इधर से उधर होते रहे और इसकी भनक तक नहीं लगी। जिम्मेदार लोग आंखें मूंदे रहे। इन जिम्मेदार लोगों में न्यास के कर्ताधर्ता-सदस्य, नोट गिनने वाले लोग और गिनवाने वाले बैंक तथा उन पर नजर रखने वाले सीसीटीवी कैमरे के संचालक सब शामिल थे। सवाल यह है कि इन सबके रहते अमानत में खयानत कैसे होती रही। शुरू में तो विश्वास ही नहीं हुआ कि चढ़ावे की राशि भी गायब की जा सकती है। विवाद गहराया और लोगों का आक्रोश बढ़ा, तो सरकार हरकत में आई और एसआइटी गठित कर दी। इसने जो पहली रिपोर्ट दी, उसमें चिंता की बात यही थी कि चोरी हुई है। चढ़ावे को गिनने के स्थान पर लगाए गए सीसीटीवी कैमरे से पता चल रहा था कि मंदिर में चोरी हुई। जिन आरोपियों को संदेह के घेरे में लिया गया, उनकी और परिवारजनों की संपत्ति में बढ़ोतरी देखी गई।

यह बेहद निराशाजनक है कि निगरानी तंत्र में गंभीर खामियां पाई गईं। हर स्तर पर कोताही दिखी। जब इस पर भारी वाद-विवाद होने लगा, तो राजनीतिक खांचों में बंटे लोग आमने-सामने आ गए। इस मुद्दे पर अजीब तस्वीर सामने आने लगी। मंदिर संचालकों में भी कई लोग बंटे नजर आए। जब न्यास की बैठक हुई तो कोषाध्यक्ष ही मुखर दिखाई दिए। वैसे तो कोषाध्यक्ष का दायित्व बड़ा होता है, लेकिन यहां पता चला कि वे तो रुपए और चढ़ावा गिनने के बाद जो रिपोर्ट आती थी, उसी का ही हिसाब-किताब रखते थे।

गौरतलब है कि कुछ लोगों को जिम्मेदार ठहराए जाने के बाद जिस तरह की राजनीति होने लगी, उससे लोगों की आस्था डगमगा गई। इस प्रकरण के बाद बद्रीनाथ मंदिर में भी अनियमितता की खबरें आने लगीं। इस मामले में जांच हुई, तो समिति के अध्यक्ष के निजी सहायक को निलंबित कर दिया गया और बाद में उसकी गिरफ्तारी भी हुई। यह मामला तब सुर्खियों में आया, जब सोशल मीडिया पर मंदिर में चढ़ावे की गिनती के दौरान कथित गड़बड़ी के वीडियो और आरोप सामने आए। एक संगठन ने शिकायत दर्ज कर निष्पक्ष जांच और प्राथमिकी की मांग की थी। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उत्तराखंड सरकार ने पिछले सप्ताह तीन सदस्यीय उच्च स्तरीय जांच समिति बनाई। राम मंदिर के बाद बद्रीनाथ धाम और फिर दूसरे मंदिरों में वित्तीय अनियमितताओं की जिस तरह की खबरें आ रही हैं, इससे लगता है कि धर्म की आड़ में आस्था से विश्वासघात किया जा रहा है। इस तरह धर्म के नाम पर आडंबर और राजनीति में देश उलझ गया है।

राजनीतिक और सामाजिक बहसों में यह तर्क भी दिया जाता है कि जिन्होंने मंदिर बनाने में कोई त्याग नहीं किया, उनको इस मामले में नहीं बोलना चाहिए। फिर एक और मत भी जनता के सामने रखा जाता है कि जिस व्यक्ति ने अपनी पूरी आयु लगा कर मंदिर को संभव बनाया वह ऐसा नहीं हो सकता। अगर उनके सहयोगी दान और चढ़ावे में घपला करते पकड़े जाएं, तो इसमें उनका क्या दोष? जिस व्यक्ति पर ठीकरा फोड़ा गया, वह न्यास के महासचिव का चालक था। विचित्र बात है कि बड़े लोगों पर दोषपूर्ण प्रबंधन और लापरवाही के आरोप लगते हैं, लेकिन पकड़े जाते हैं साधारण लोग। सीसीटीवी फुटेज में साधारण कर्मचारी ही दिखाई देते हैं। आज इस पूरे परिदृश्य को देख कर आम आदमी स्तब्ध है। वह सोच रहा है कि यह कैसा माहौल है, जहां धर्म-कर्म से जुड़े लोग ही अधर्म करते रहे और उनकी आस्था को ठेस पहुंचाते रहे। काजल की कोठरी से प्रमुख चेहरों को बेदाग निकालने की कोशिश भी लोगों को बेचैन करती रही। होना तो यह चाहिए कि जो दोषी हैं उनको कठघरे में लाया जाए। केवल छोटी मछलियां पकड़ कर ही नहीं बैठ जाना चाहिए, हो सकता है कि बड़े मगरमच्छ अब भी कहीं छिपे हुए हों। उन्हें पकड़ना आवश्यक है, क्योंकि अगर उनको पकड़ा नहीं गया, तो आरोपों और कुप्रबंधन का यह सिलसिला चलता रहेगा। भविष्य में भी चढ़ावे सुरक्षित नहीं रहेंगे।

असल में आज धार्मिक स्थलों की व्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव लाने की जरूरत है। इन स्थानों पर पर जो करोड़ों का चढ़ावा चढ़ता है, उसे तहखानों में बंद करके रखने के बजाय उसके वित्तीय प्रबंधन की पुख्ता व्यवस्था हो। धार्मिक स्थल तो आत्मशुद्धि और आत्म परिष्कार का स्थान है। वहां लोगों ने अपने गाढ़े पसीने की जो कमाई चढ़ावे में दी है, उसका इस्तेमाल वंचित वर्ग की बेहतरी के लिए होना चाहिए। इससे शिक्षा संस्थान खोले जाएं। दान राशि से अस्पताल और वृद्धाश्रम भी खोले जा सकते हैं। ये सुझाव किसी को क्रांतिकारी लगते हैं, तो इसे दरकिनार कर सवालों का सामना तो किया जाए। अब यह जरूरी है कि वे सब चोर दरवाजे बंद कर दिए जाएं जिनमें से आरोपी अपने लिए रास्ता बना लेते हैं।

बेटियों की सुरक्षा का संकट...

तकनीक के विकास के साथ-साथ मानवीय मूल्य और संवेदनाएं कमजोर होती जा रही हैं। इससे सामाजिक संबंधों के समक्ष विश्वास का संकट पैदा हो गया है। मानवीय मूल्य वे मूलभूत नैतिक मानक एवं सिद्धांत होते हैं, जो हमारे आचरण को दिशा देते हैं, जबकि संवेदनाएं दूसरों के सुख-दुख को महसूस करने की क्षमता हैं। ये दोनों मिलकर व्यक्ति को सामाजिक रूप से जिम्मेदार इंसान बनाते हैं। मगर जब मनुष्य की सोच से ये दोनों तत्त्व गायब हो जाएं, तो सभ्य समाज का आधार भी निर्बल हो जाता है। महिलाओं के खिलाफ हिंसा और यौन दुर्व्यवहार की बढ़ती घटनाएं भी इसी का नतीजा है।

ज्योति सिडाना

घरेलू हिंसा को तो समाज में कई बार सामान्य घटना के रूप में देखा जाता है। यही वजह है कि सख्त कानून होने के बावजूद इस तरह की घटनाओं पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। कई बार यौन दुर्व्यवहार के मामलों में दोषी को न्याय के कठघरे में लाने के बजाय समाज पीड़िता के पहनावे, रहन-सहन या आचरण को दोषी ठहराने लगता है। इससे ऐसा लगता है कि पितृसत्तात्मक समाज अपराधी को बचाने और महिलाओं को प्रताड़ित करने का समर्थन कर रहा है। स्त्रीवादी कैथरीन मैककिनन का मानना है कि बलात्कार पुरुष शक्ति और प्रभुत्व का एक चरम रूप है। इसके जरिए महिलाओं को डराकर और नियंत्रित करके रखा जाता है।

हाल की कुछ घटनाओं पर नजर डालें तो पता चलता है कि अपराधियों की मानसिकता किस हद तक विकृत होती जा रही है। राजस्थान के श्रीगंगानगर में एक बच्ची का अपहरण कर पांच दिन तक बत्तीस लोगों ने उससे बलात्कार किया। पश्चिम बंगाल के बुरुईपुरा में एक बच्ची से सामूहिक बलात्कार के बाद उसकी हत्या कर दी गई। उत्तर प्रदेश के बरेली में एक लड़की और हरदोई में एक बच्ची से बलात्कार के बाद हत्या कर दी गई। सवाल है कि क्या इन बच्चियों के साथ हुई यौन हिंसा के लिए भी उनके कपड़ों, व्यवहार और चाल-चलन को दोषी ठहराया जाएगा? यह सच है कि पहले की तुलना में महिलाओं को अब अनेक अधिकार प्राप्त हैं, लेकिन इन सबके बावजूद उन्हें अपने अस्तित्व और अस्मिता की सुरक्षा का अधिकार अभी तक नहीं मिल पाया है। आए दिन सड़कों, ट्रेनों, बसों, घरों, खेतों और दफ्तरों में लड़कियों एवं महिलाओं को वह सब झेलना पड़ता है, जो अनैतिक और गैर-कानूनी है। फिर भी यह सब खुलेआम हो रहा है, जैसे उसे सामाजिक वैधता प्राप्त हो। सरकार की ओर से नए कानून बनाए जाते हैं या पहले से बने कानूनों में संशोधन किया जाता है, लेकिन सवाल यह है कि इन्हें सख्ती से लागू करने की जिम्मेदारी किसकी है? जांच प्रक्रिया इतनी धीमी और लापरवाही भरी होती है कि कई मामलों में पीड़िता को न्याय मिल ही नहीं पाता है और अगर कहीं न्याय मिलता भी है, तो उसके लिए वर्षों इंतजार करना पड़ता है।

महिलाओं की सुरक्षा पर केंद्रित कार्यशालाओं और बौद्धिक चर्चाओं में कई तरह की सावधानियां बरतने की सलाह दी जाती रही हैं। जैसे- गाड़ी में बैठने से पहले पिछली सीट पर देख लें, मोबाइल फोन में हेल्पलाइन नंबर रखें, रात में बाहर न निकलें, सोते समय सभी खिड़कियां बंद कर लें, अनजान लोगों से खाने-पीने की कोई वस्तु न लें, मिर्च स्प्रे साथ रखें, काम से घर जाते समय अपना रास्ता बदलते रहें और कोई संदेह होने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें। सवाल है कि ये सावधानियां बच्चों और किशोरियों को कैसे सिखाई जाएं। और क्या संभावित समस्याओं का हल केवल यही है कि लड़कियों एवं महिलाओं को ही सावधान रहना होगा। क्या वास्तव में इन सब सावधानियों से यौन हिंसा की घटनाएं रुक जाएंगी?

देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने कहा प्रति अपने नजरिए को बदल ले, तो समस्या अपने आप समाप्त हो जाएगी।

सवाल है कि क्या बलात्कार को सामूहिक आतंकवाद की संज्ञा दी जा सकती है? आतंकवाद में भी भय उत्पन्न करके दूसरों के व्यवहार पर नियंत्रण स्थापित करने का प्रयास किया जाता है और बलात्कार में भी महिलाओं के व्यवहार को नियंत्रित कर उन पर अपना था कि किसी भी देश की स्थिति वहां की महिलाओं की स्थिति को देखकर ज्ञात की जा सकती है। यदि इस तर्क को सही माना जाए, तो फिर इस दावे के क्या मायने रह जाते हैं कि भारत दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की पंक्ति में खड़ा है। जिस देश की आधी आबादी को यौन शोषण, घरेलू हिंसा, तेजाब हमले और दहेज के लिए हत्या जैसी अमानवीय घटनाओं का दंश झेलना पड़ रहा हो, उस देश की स्थिति क्या होगी, यह बताने की जरूरत नहीं है।

अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर महिला दिवस मनाने या महिला सशक्तीकरण का उद्घोष करने से ही अगर उनकी स्थिति में बदलाव लाया जा सकता, तो अब तक यह सब हो चुका होता। दरअसल, सवाल यहां महिला सशक्तीकरण का है ही नहीं, उन्हें मजबूत या सशक्त बनाने की जरूरत नहीं है, क्योंकि वे पहले से ही मजबूत हैं। जरूरत है समाज में महिलाओं की ताकत का आकलन करने के नजरिए को बदलने की। अगर पुरुष समाज महिलाओं कआधिपत्य स्थापित करने की कोशिश की जाती है। पहले के समय में बलात्कार की अधिकतर घटनाओं के लिए अपरिचित या अजनबी दोषी होता था, लेकिन अब परिवार, दोस्त और रिश्तेदारी के दायरे में भी महिलाएं यौन उत्पीड़न की शिकार हो रही हैं। असल में महिलाओं को समाज में बराबरी का दर्जा तभी मिलेगा, जब उन्हें पुरुषों के समान सारे अधिकार मिलेंगे। लैंगिक समानता आधारित समाज वह होता है, जहां हर कोई जैसा है, वैसा रह सके। इसलिए जरूरत इस बात की है कि देश की न्यायिक और सामाजिक व्यवस्था में आमूल-चूल बदलाव किया जाए तथा महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर स्तर पर गंभीरता से प्रयास किए जाएं।

ट्रेलर व ट्रक के बीच भिड़ंत, ट्रक चालकखलासी की मौत

धनबाद (कासं) : धनबाद के तोपचांची थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे पर सुबह हुए एक भीषण सड़क हादसे में दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। साहूबहियार स्थित राजस्थानी ढाबा के पास तीन वाहनों की टक्कर में ट्रक के चालक और खलासी ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

हादसे के बाद कुछ देर तक हाईवे पर अफरातफरी और लंबा जाम लगा रहा। घटना तोपचांची थाना क्षेत्र के साहूबहियार स्थित राजस्थानी ढाबा के समीप नेशनल हाईवे पर हुई। जानकारी के अनुसार, लोहे से लदा एक तेज रफ्तार ट्रेलर पहले एक अल्टो कार से टकरा गया।

कार में चार लोग सवार थे, जिन्हें हल्की चोटें आई हैं। टक्कर के बाद हाईवे पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। इसी दौरान पीछे से तेज गति से आ रही एक ट्रक अनियंत्रित होकर ट्रेलर से जा भिड़ी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रक का अगला हिस्सा ट्रेलर के भीतर तक घुस गया। हादसे में ट्रक चालक और खलासी की मौके पर ही मौत हो गई।

प्रारंभिक जांच में चालक को नींद की झपकी आने की आशंका जताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही तोपचांची थाना पुलिस और एनएचएआई की टीम मौके पर पहुंची। कड़ी मशक्कत के बाद दोनों शवों को क्षतिग्रस्त वाहन से बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए धनबाद भेजा गया। दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटाकर यातायात सामान्य कराया गया।

फिलहाल पुलिस दुर्घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। शुरुआती जांच में चालक को नींद आने की आशंका जताई जा रही है, हालांकि अंतिम कारण जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

सड़क दुर्घटना में जख्मी दूसरे युवक ने भी तोड़ा दम

बलियापुर (ससे) : पांच दिन पूर्व गुमला में हुई सड़क दुर्घटना में जख्मी बलियापुर के घड़बड़ के एक और युवक २६ वर्षीय राकेश बाउरी की इलाज के दौरान रिम्स रांची में मौत हो गई। मालूम हो कि उक्त दुर्घटना में बुरी तरह घायल घड़बड़ गांव के २३ वर्षीय संजय बाउरी की रविवार को इलाज के दौरान मौत हो गई थी।

राकेश की भी मौत की सूचना मिलने पर गांव का माहौल गमगीन हो गया। परिजनों का रोसे कर बुरा हाल है। मालूम हो कि घड़बड़ गांव के संजय बाउरी, राकेश बाउरी एवं बापी बाउरी एक महीना पूर्व मजदूरी करने गुमला गया हुआ था। वहां एक निर्माणाधीन पानी टंकी में तीनों मजदूरी का काम करता था। बीते शुक्रवार को तीनों एक ही बाइक पर सवार होकर गुमला बाजार जाने के लिए निकला था। इस दौरान किसी चार पहिया वाहन ने बाइक को

मृतक का फाईल फोटो

जोरदार टक्कर मार दिया। घटना में तीनों घायल हो गए थे। बुरी तरह घायल संजय बाउरी एवं राकेश बांउरी को लोगों ने रांची रिम्स में भर्ती करवाया था। मृतक राकेश बांउरी के परिवार में उनकी पत्नी सावित्री देवी, ६ वर्षीय पुत्री एवं चार वर्षीय पुत्र है। वह अपने दो भाइयों में सबसे छोटा था। गुमला में घटी उक्त सड़क दुर्घटना में जख्मी तीसरा युवक बापी बाउरी ठीकठाक बताया जाता है । पंचायत की मुखिया मिठू सरखेल, पूर्व मुखिया दिनेश सरखेल आदि ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

रोजगार मेले में 1976 पदों पर भर्ती, चयनित युवाओं को मिला ऑफर लेटर

धनबाद (कासं) : धनबाद नियोजनालय भवन में श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग की ओर से रोजगार मेले का आयोजन किया गया। मेले में १९ निजी कंपनियों ने अपने स्टॉल लगाए और कुल १९७६ पदों पर सीधी भर्ती की प्रक्रिया शुरू की गई। कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस दौरान चयनित अभ्यर्थियों को मौके पर ही ऑफर लेटर भी सौंपे गए। रोजगार मेले में बड़ी संख्या में युवा नौकरी की उम्मीद लेकर पहुंचे। विभिन्न निजी कंपनियों ने अपनी जरूरत के अनुसार अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया और योग्य उम्मीदवारों का चयन किया। कुल १९७६ रिक्त पदों के लिए भर्ती की प्रक्रिया आयोजित की गई, जिनमें ७६० पद महिलाओं के लिए आरक्षित हैं। कार्यक्रम में जिला नियोजन पदाधिकारी पदमा कुमारी ने अभ्यर्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ऐसे रोजगार मेले युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराते हैं। उन्होंने युवाओं से अपनी योग्यता और कौशल के आधार पर इन अवसरों का लाभ उठाने की अपील की।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला श्रम अधिकारी प्रवीण कुमार भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। रोजगार मेले के माध्यम से युवाओं और निजी कंपनियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हो रहा है, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर लगातार बढ़ रहे हैं।

कोयलांचल के समग्र विकास की मांग को ले धनबाद विकास मंच का महाधरना

धनबाद (कासं) : कोयलांचल के समग्र विकास की मांग को लेकर धनबाद विकास मंच के बैनर तले रणधीर वर्मा चौक पर एक दिवसीय महाधरना आयोजित किया गया।

मूसलाधार बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में लोग धरना स्थल पर डटे रहे। खास बात यह रही कि अलगअलग राजनीतिक दलों के जनप्रतिनिधि और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि दलगत राजनीति से ऊपर उठकर धनबाद के विकास के मुद्दे पर एक मंच पर नजर आए। महाधरना में मुख्य अतिथि जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ने कहा कि धनबाद को अब केवल कोयला आधारित अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं रखा जा सकता।

उन्होंने श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट, कोलकाता के माध्यम से पूर्वी एशियाई देशों से व्यापारिक संबंध मजबूत करने, शहर के आसपास सैटेलाइट टाउनशिप विकसित करने और आईटी व एआई आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने का सुझाव दिया, ताकि स्थानीय युवाओं को जिले में ही रोजगार मिल सके। निरसा विधायक अरूप चटर्जी ने कहा कि यह किसी दल का नहीं बल्कि पूरे धनबाद की जनता के अधिकारों का आंदोलन है। उन्होंने एयरपोर्ट, नई ट्रेनों और अन्य केंद्रीय परियोजनाओं की मांग को संसद तक पहुंचाने का भरोसा दिलाया। साथ ही खनन क्षेत्र में भूधंसान और विस्थापन जैसी समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए सभी पक्षों के साथ व्यापक सेमिनार आयोजित करने की बात कही।

सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो ने कहा कि धनबाद के लोगों को पढ़ाई, दवाई और कमाई के लिए दूसरे राज्यों में जाना पड़ता है। उन्होंने सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, ट्रॉमा सेंटर, एयरपोर्ट और कौशल विकास के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दिया। वहीं मेयर संजीव सिंह ने कहा कि जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के साझा प्रयास से ही धनबाद का समग्र विकास संभव है। उन्होंने बीसीसीएल, रेलवे और जिला प्रशासन के बीच नियमित समन्वय बैठक की जरूरत बताई।

धरना में मौजूद वक्ताओं ने कहा कि देश को सर्वाधिक राजस्व देने वाले जिलों में शामिल होने के बावजूद धनबाद आज भी एयरपोर्ट, आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं, बेहतर रेल संपर्क और मजबूत आधारभूत संरचना जैसी मूलभूत जरूरतों से वंचित है। सभी ने केंद्र और राज्य सरकार से इन लंबित मांगों पर शीघ्र निर्णय लेने की अपील की। मौके पर मेयर संजीव सिंह ने कहा की धनबाद कोल केपीटल का भी समग्र विकास जल्द होना चाहिए। बारिश के बीच भी लोगों का उत्साह इस बात का संकेत था कि अब धनबाद विकास के मुद्दे पर एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद कर रहा है। मौके पर दर्जनों जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

छात्रों की आवाज दबाना केंद्र सरकार की विफलता : विधायक श्वेता

धनबाद (कासं) : बोकारो से कांग्रेस विधायक श्वेता सिंह ने धनबाद परिसदन में प्रेस वार्ता कर केंद्र सरकार पर छात्रों की आवाज दबाने का आरोप

लगाया। उन्होंने कहा कि छात्रों की मांगों की अनदेखी करना और उनके साथ दुर्व्यवहार करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। श्वेता सिंह ने सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के साथ हुए कथित दुर्व्यवहार की भी निंदा की। धनबाद परिसदन में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान कांग्रेस विधायक श्वेता सिंह ने कहा कि देश के युवा ही राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी ताकत हैं। ऐसे में छात्रों की समस्याओं को गंभीरता से सुनना और उनका समाधान करना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार छात्रों की आवाज को दबाने का प्रयास कर रही है, जो लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। श्वेता सिंह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी पूरे देश में छात्रों की आवाज बुलंद करेगी और हर क्षेत्र के विद्यार्थियों की समस्याओं से अवगत होकर उनके समाधान के लिए संघर्ष करेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सड़क से लेकर संसद तक छात्रों और युवाओं के अधिकारों की लड़ाई लड़ती रहेगी तथा युवाओं से जुड़े हर मुद्दे पर उनके साथ मजबूती से खड़ी रहेगी।

जीएनएम कॉलेज के पास शराब बेचते 2 व्यक्ति गिरफ्तार

धनबाद/कतरास (कासं) : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के सख्त निर्देश के आलोक में जिले में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री एवं तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कतरास थाना क्षेत्र अंतर्गत मछली पट्टी में जीएनएम कॉलेज के पास सहायक आयुक्त उत्पाद अजय कुमार गोंड के नेतृत्व में उत्पाद विभाग ने छापेमारी कर देशी, विदेशी व महुआ शराब बरामद की है।

इस संबंध में उपायुक्त ने बताया कि जिला प्रशासन को गुप्त सूचना मिली थी कि कतरास थाना क्षेत्र अंतर्गत मछली पट्टी में जीएनएम कॉलेज के पास शराब का अवैध कारोबार किया जा रहा है। इसके बाद उत्पाद विभाग ने कतरास थाना के सहयोग से मछली पट्टी में छापामारी की। इस दौरान मौके से १८.६ लीटर महुआ शराब, ६.९ लीटर देशी शराब तथा २.५२ लीटर विदेशी शराब बरामद की गई। उपायुक्त ने बताया कि कार्रवाई के दौरान अवैध शराब के कारोबार में लिप्त सुशील कुंडू एवं अनिल कुमार बर्नवाल को अवैध शराब बेचते रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए दोनों अभियुक्तों के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम एवं संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। अवैध शराब कारोबारियों को सख्त चेतावनी देते हुए उपायुक्त ने कहा कि जिले में अवैध शराब, नशीले पदार्थों एवं गैरकानूनी गतिविधि के कारोबारियों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शैक्षणिक संस्थानों, सार्वजनिक स्थलों एवं रिहाइशी इलाकों के आसपास अवैध शराब या नशीली वस्तुओं की बिक्री में शामिल लोगों पर कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी। साथ में उपायुक्त ने जिले के सभी शिक्षण संस्थानों के प्राचार्यों व आम जनता से अपील की कि शिक्षण संस्थानों के निकट किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि, अवैध शराब या नशीले पदार्थों की बिक्री की जानकारी तुरंत प्रशासन को दें। ऐसे तत्वों के विरुद्ध प्रशासन सख्त कार्रवाई करेगा।

मोबाइल लीगल सर्विसेज शिविर आयोजित

राजगंज (ससे) : राजगंज पंचायत सचिवालय में ९० डेज आउटरीच प्रोग्राम के तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा मोबाइल लीगल सर्विसेज शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य ग्रामीणों तक निःशुल्क कानूनी सहायता और सरकारी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पहुँचाना था।

एलएडीसीएस के असिस्टेंट कन्हैया ठाकुर ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि आर्थिक तंगी के कारण जो लोग अदालत तक नहीं पहुँच पाते हैं, उनके घर तक डालसा की सेवाएँ पहुँचाई जाएँगी। उन्होंने निःशुल्क अधिवक्ता प्राप्त करने की प्रक्रिया, कानूनी सलाह तथा विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। अधिकार मित्र लक्ष्मी कुमारी ने उपस्थित लोगों को निःशुल्क विधिक सेवाओं, आपातकालीन सहायता और टोलफ्री हेल्पलाइन नंबरों के बारे में जागरूक किया तथा जरूरत पड़ने पर इन सुविधाओं का लाभ उठाने की अपील की। शिविर का उद्घाटन पंचायत की मुखिया बंदना बारूई ने किया। इस अवसर पर पंचायत सचिव आकाश कुमार, कौशल्या देवी, दीपक प्रमाणिक, बबलु राय, दिपाली दत्ता, संजय राम माहुरी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

लाठीचार्ज के विरोध में एनएसयूआई ने किया पुतला दहन

धनबाद (कासं) : नई दिल्ली के जंतरमंतर पर छात्रों पर हुए कथित लाठीचार्ज तथा नीट पेपर लीक मामले के विरोध में एनएसयूआई धनबाद ने जिला अध्यक्ष साहिल अली के नेतृत्व में जोरदार विरोधप्रदर्शन किया गया। इस दौरान एसएसएलएनटी महिला कॉलेज से रणधीर वर्मा चौक तक आक्रोश मार्च निकाला गया। मार्च में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं एवं एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। रणधीर वर्मा चौक पहुंचकर प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का प्रतीकात्मक पुतला दहन किया तथा केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

प्रदर्शन को संबोधित करते हुए एनएसयूआई के प्रदेश उपाध्यक्ष गोपाल कृष्ण चौधरी एवं जिला अध्यक्ष साहिल अली ने कहा कि जंतरमंतर पर छात्रों के साथ किया गया व्यवहार लोकतंत्र के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार छात्रों की आवाज दबाने का प्रयास कर रही है। नेताओं ने कहा कि छात्र देश का भविष्य हैं, लेकिन सरकार उनके अधिकारों और भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है।

उन्होंने नीट पेपर लीक प्रकरण का उल्लेख करते हुए कहा कि परीक्षा प्रणाली में हुई गड़बड़ियों से लाखों छात्रों का भविष्य प्रभावित हुआ है। उनका आरोप था कि इस मुद्दे पर आवाज उठाने वाले छात्रों के साथ बल प्रयोग किया गया, जो लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है।

एनएसयूआई नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि छात्रों के हित में ठोस निर्णय नहीं लिया गया और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं हुई, तो देशभर में इससे भी बड़ा आंदोलन किया जाएगा। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए एनएसयूआई के प्रदेश उपाध्यक्ष गोपाल कृष्ण चौधरी एवं जिला अध्यक्ष साहिल अली ने कहा कि जंतरमंतर पर छात्रों के साथ किया गया व्यवहार लोकतंत्र के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार छात्रों की आवाज दबाने का प्रयास कर रही है। नेताओं ने कहा कि छात्र देश का भविष्य हैं, लेकिन सरकार उनके अधिकारों और भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है।

हर सहिया फूलोझानो बनकर खत्म करें समाज की कुरीतियां : डीसी

धनबाद (कासं) : जिले की हर सहिया सावित्रीबाई फुले और फुलोझानो बनकर समाज में व्याप्त बाल विवाह, भ्रूण हत्या जैसी कुरीतियां को खत्म करें तथा लोगों को पौधारोपण कर पर्यावरण का संरक्षण करें। यह तब संभव होगा जब सहिया लोगों को इसके लिए जागरूक करेगी।

यह बातें उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने न्यू टाउन हॉल में जिला स्वास्थ्य समिति द्वारा आयोजित जिला स्तरीय सहिया सम्मेलन के दौरान कही। उन्होंने कहा कि हर ग्रामीण सहिया को पहचानता है। उनकी वजह से गांव का हर व्यक्ति स्वस्थ हो पाता है। सभी सहियाओं ने विगत एक साल में उत्कृष्ट काम किया है। जिला प्रशासन को सहिया पर गर्व और भरोसा है। उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन स्वास्थ्य से संबंधित सभी आधारभूत संरचनाओं को बेहतर बना रहा है। सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं हेल्थ सब सेंटर का सुदृढ़ीकरण जारी है।

उपायुक्त ने मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने जिले को ३ सौ से अधिक स्वास्थ्य उप केंद्र दिए हैं। आने वाले सात आठ महीने में सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर प्रसव की सुविधा मिलेगी। इससे शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल तथा सदर अस्पताल पर दबाव कम होगा।

उपायुक्त ने कहा कि सभी सहिया सरकार, स्वास्थ्य विभाग एवं प्रशासन की छवि है। इसलिए सबके साथ अच्छा व्यवहार करें। उनकी उपलब्धता और आमजनों को समय देने से लोगों की बीमारी दूर होती है। उन्होंने जनता का विश्वास जीता है। इस विश्वास को और सशक्त करें। मरीज को सही समय पर स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाएं। प्राथमिकता देकर मरीज का सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में ही इलाज कराएं।

उपायुक्त ने कहा कि सभी सहिया मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री की सोच को धरातल पर उतारने का प्रयास करें। उन्हें जिला प्रशासन द्वारा सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। साथ में उन्होंने सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचने वाले मार्ग में यदि कोई बाधा है तो जिला प्रशासन को बताने का आग्रह किया। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने कहा कि सभी सहिया स्वास्थ्य विभाग के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। वे समाज में व्याप्त विभिन्न प्रकार की भ्रांतियां एवं कुरीतियों को समाप्त कर सकती हैं। इनके बदौलत सभी योजनाएं धरातल पर पहुंचती है। जिसके कारण स्वास्थ्य सेवाओं में धनबाद ने अप्रत्याशित प्रगति की है।

उप विकास आयुक्त ने सभी सहिया से बारिश के मौसम में बरतने वाली सावधानियों के प्रति लोगों को जागरूक करने का अनुरोध किया। साथ में कहा कि हर स्वास्थ्य केंद्र में सर्पदंश एवं एंटी रेबीज वैक्सीन उपलब्ध है। इसकी जानकारी वे निरंतर लोगों तक पहुंचाती रहे। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन ने ५० पुराने स्वास्थ्य केंद्रों को एल १ बनाया है। जहां बहुत जल्दी प्रसव की सुविधा मिलेगी।

कार्यक्रम को राज्य कार्यक्रम समन्वयक अकाई मिंज ने भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि अस्पताल सहिया का दूसरा घर है। समुदाय और स्वास्थ्य विभाग के बीच सहिया सेतु का काम करती है। श्रीमती मिंज ने सहिया के लिए भारत सरकार एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। वहीं सिविल सर्जन डॉ. आलोक विश्वकर्मा ने कहा कि सभी सहिया के कारण स्वास्थ्य विभाग ने आज यह मुकाम हासिल किया है। सहिया ने जिले के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवा पहुंचाई है। गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य केंद्र तक लाना, बच्चों का टीकाकरण, गर्भवती महिलाओं का पंजीकरण, प्रसव पूर्व जांच, संस्थागत प्रसव, नवजात शिशुओं की घरघर जाकर सेवा करना, परिवार नियोजन सहित विभिन्न क्षेत्रों में इन्होंने उल्लेखनीय कार्य किया है।

कार्यक्रम के दौरान भ्रूण हत्या महापाप है पर नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया। साथ में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए २५ सहिया को सम्मानित किया गया। उनके बीच रजिस्टर एवं मेडिकल कीट का वितरण किया गया। साथ में होम बेस्ड न्यू बॉर्न केयर किट एवं होम बेस्ड यंग चाइल्ड केयर किट के बारे में विस्तार से बताया गया।वहीं कार्यक्रम से पूर्व उपायुक्त एवं उप विकास आयुक्त का पारंपरिक रीति रिवाज से न्यू टाउन हॉल में स्वागत किया गया। तत्पश्चात उपायुक्त, उप विकास आयुक्त, सिविल सर्जन एवं सहिया ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया।

मौके पर उपाधीक्षक डॉ संजीव कुमार प्रसाद, जिला आरसीएच पदाधिकारी डॉ रोहित गौतम, आईसी कंसलटेंट अजय शर्मा, डीपीएम प्रतिमा कुमारी, सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, एसटीटी, बीटीटी, स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारी व कर्मी सहित हजारों की संख्या में सहिया उपस्थित थीं।

बीएसएल में महिला अधिकारियों के लिए विशेष नेतृत्व विकास कार्यक्रम तन्मात्रा का शुभारंभ

बोकारो (ससे): बोकारो इस्पात संयंत्र में महिला अधिकारियों के नेतृत्व कौशल के समग्र विकास हेतु विशेष रूप से तैयार किए गए नेतृत्व विकास कार्यक्रम 'तन्मात्रा' का शुभारंभ किया गया। संस्कृत शब्द 'तन्मात्रा' से प्रेरित इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिला अधिकारियों को भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप सक्षम, प्रभावी एवं दूरदर्शी नेतृत्व के लिए तैयार करना है। बोकारो इस्पात संयंत्र के लर्निंग एंड डेवलपमेंट विभाग द्वारा परिकल्पित इस पहल का लक्ष्य महिला अधिकारियों का एक सशक्त, प्रेरक एवं दीर्घकालिक नेतृत्व नेटवर्क विकसित करना है, जिससे भविष्य के नेतृत्व को नई दिशा मिले तथा संयंत्र में समावेशी, नवोन्मेषी एवं भविष्योन्मुख नेतृत्व संस्कृति को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सके।

कार्यक्रम के प्रथम बैच में ई-४ से ई-७ ग्रेड की ३० महिला अधिकारियों का चयन उनके संबंधित विभागाध्यक्षों द्वारा नामांकन के माध्यम से किया गया है। लगभग ९० दिनों की अवधि में संचालित होने वाले इस कार्यक्रम को आठ विषयगत मॉड्यूलों में विभाजित किया गया है। इन मॉड्यूलों में संयंत्र संचालन, वित्तीय एवं वाणिज्यिक प्रबंधन, सामग्री प्रबंधन, कार्य-जीवन संतुलन, विभिन्न संयंत्रों का अध्ययन, गवर्नेंस, डिजिटल परिवर्तन तथा परियोजना प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया है।

कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन (एआईएमए), मैनेजमेंट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (एमटीआई), रांची, आईआईएम रांची तथा बीएसएल के अनुभवी विषय विशेषज्ञ प्रशिक्षण सहयोगी के रूप में अपनी विशेषज्ञता प्रदान करेंगे। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिभागियों का मूल्यांकन दो चरणों में किया जाएगा। प्रथम चरण में प्रत्येक मॉड्यूल के आधार पर सतत मूल्यांकन किया जाएगा, जबकि अंतिम चरण में प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुत केस स्टडी का आकलन अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) की अध्यक्षता में गठित वरिष्ठ मूल्यांकन समिति द्वारा किया जाएगा। कार्यक्रम का समापन 'स्नातक एवं सम्मान समारोह' के साथ होगा, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा।

सावित्री देवी के इलाज को आदिवासी कल्याण ट्रस्ट ने की मदद

नावाडीह (बेरमो) (ससे): आदिवासी जनकल्याण ट्रस्ट शांतिवन भलमारा ने बुधवार को बोकारो में इलाजरत नावाडीह प्रखंड के भलमारा पंचायत के बारीडीह निवासी दर्शन मुर्मू की पत्नी सावित्री देवी को दस हजार रुपये नगद देकर मदद की । ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेन्द्र सोरेन ने बताया कि उनका यह संस्था कृषि के अलावा स्वास्थ्य, शिक्षा के क्षेत्र में भी काम करती है । गरीब व लाचार आदिवासी लोगों को इलाज के लिए संस्था हरसंभव मदद करने का काम करती है । इसी के तहत सावित्री देवी को इलाज के लिए आर्थिक मदद किया गया । सचिव दुखन सोरेन ने बताया कि आदिवासी समुदाय को आत्मनिर्भर बनाने को ले उन्हें आधुनिक खेती करने को प्रशिक्षण के साथ साथ यंत्र व खाद्य बीज उपलब्ध कराया जा रहा है । साथ ही शिक्षा को बढ़ावा देने का हर प्रयास किया जा रहा है ।

महिला समिति, बोकारो द्वारा सावन महोत्सव का आयोजन

बोकारो (ससे): महिला समिति, बोकारो द्वारा बोकारो क्लब में पारंपरिक उत्साह के साथ 'सावन महोत्सव-२०२६' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समिति की मेंबर्स हरे रंग के पारंपरिक परिधानों से सुसज्जित होकर कार्यक्रम में सम्मिलित हुईं। कार्यक्रम का शुभारंभ महिला समिति की अध्यक्ष श्रीमती शुभम रंजन के आगमन एवं स्वागत के साथ हुआ। उपस्थित सदस्यों ने आत्मीयता एवं उत्साहपूर्वक अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया।

कार्यक्रम के दौरान उपाध्यक्ष श्रीमती सुनीता भारद्वाज के नेतृत्व में रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ आयोजित की गईं, जिनमें सावन की थीम पर आधारित कविताएँ, गीत एवं मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किए गए। समारोह में पारंपरिक सावन झूला विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। साथ ही नई सदस्याओं का स्वागत किया गया, सावन के पारंपरिक गीत प्रस्तुत किए गए तथा स्वल्पाहार की भी व्यवस्था की गई। इसके अतिरिक्त विभिन्न प्रकार के मनोरंजक खेलों से कार्यक्रम सुसज्जित रहा।

सावन महोत्सव-२०२६ के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिताओं में श्रीमती अपर्णा को 'सावन क्वीन' चुना गया, जबकि श्रीमती शालिनी प्रथम रनर-अप एवं श्रीमती अमिता झा द्वितीय रनर-अप रहीं। मेहंदी प्रतियोगिता में श्रीमती चंदना ने प्रथम तथा श्रीमती संध्या राज ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। केश-विन्यास के लिए श्रीमती अनिता ठाकुर को सम्मानित किया गया, जबकि श्रीमती रूपाली को 'सावन स्पेशल पुरस्कार' प्रदान किया गया। सभी विजेताओं का चयन महिला समिति की अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन एवं समन्वय महिला समिति की सचिव श्रीमती ऋचा प्रियदर्शिनी ने किया।

इस आयोजन को सफल बनाने में समिति की उपाध्यक्ष श्रीमती अल्का मनवटी, श्रीमती देवजानी मिश्रा एवं श्रीमती आशा दत्त, कोषाध्यक्ष श्रीमती अभिरुचि प्रिया, उप-कोषाध्यक्ष श्रीमती संघमित्रा पात्र, सुरभि प्रभारी श्रीमती अनिशा झा, विद्यालय प्रभारी श्रीमती नीतू सुनीत एवं श्रीमती आशा राज, सिलाई एवं सैनिटरी इकाई प्रभारी श्रीमती प्रीति राजेश तथा श्रीमती आरती कुमार, श्रीमती समिता मोहंती, श्रीमती कल्पना वर्मा, श्रीमती यामिनी श्री एवं श्रीमती रश्मि का उल्लेखनीय सहयोग प्राप्त हुआ।

ईसीएल ने सिक्किम सुरंग बचाव अभियान हेतु विशेषीकृत खान बचाव दल किया तैनात

आसनसोल (ससे): राष्ट्रीय आपदा की इस गंभीर घड़ी में अपनी प्रतिबद्धता का परिचय देते हुए, कोल इंडिया लिमिटेड की अनुषंगी कंपनी ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) ने सिक्किम के नामची जिले स्थित एनएचपीसी की तीस्ता स्टेज-६ जलविद्युत परियोजना में सुरंग ध्वस्त होने की घटना के उपरांत चलाए जा रहे खोज एवं बचाव अभियान में सहयोग के लिए १२ सदस्यीय विशेषीकृत खान बचाव दल तैनात किया है।

राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) तथा एनएचपीसी द्वारा भूमिगत बचाव कार्यों में ईसीएल की विशिष्ट विशेषज्ञता को देखते हुए सहायता का अनुरोध किए जाने के उपरांत इस दल को तैनात किया गया। 'सीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री सतीश झा के निर्देशानुसार, ईसीएल माइंस रेस्क्यू स्टेशन, सीतारामपुर के अधीक्षक (बचाव) श्री अभिजीत कुंडू के नेतृत्व में बचाव दल को तत्काल रवाना किया गया। यह दल भारतीय वायु सेना के विमान से पानागढ़ एयर बेस से बागडोगरा पहुँचा, जिसके पश्चात सड़क मार्ग से नामची जिले स्थित दुर्घटनास्थल के लिए प्रस्थान किया।

बचाव दल विशेषीकृत खान बचाव उपकरणों तथा अत्याधुनिक श्वसन यंत्रों से सुसज्जित है और जटिल भूमिगत आपात स्थितियों से निपटने का व्यापक अनुभव रखता है। ईसीएल की खान बचाव सेवाओं ने वर्षों से देशभर में अनेक खनन एवं औद्योगिक दुर्घटनाओं के दौरान सफल बचाव अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

ईसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री सतीश झा ने कहा कि जब भी राष्ट्र पुकारेगा, ईसीएल अपनी विशिष्ट विशेषज्ञता और अनुभवी मानव संसाधन के साथ सेवा के लिए सदैव तत्पर रहेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ईसीएल का बचाव दल वर्तमान अभियान में पूर्ण समर्पण एवं प्रतिबद्धता के साथ अपना योगदान देगा।

यह तैनाती राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एवं मानवीय सहायता के प्रति ईसीएल की अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। कोयला खनन गतिविधियों से परे जाकर जीवन रक्षा के इस महत्वपूर्ण अभियान में कंपनी अपनी तकनीकी विशेषज्ञता उपलब्ध करा रही है। ईसीएल बचाव कार्य में संलग्न सभी एजेंसियों के साथ निरंतर समन्वय बनाए हुए है तथा अभियान की सफल परिणति के लिए हरसंभव सहयोग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह पहल राष्ट्रीय हित में आवश्यकता पड़ने पर कोल इंडिया लिमिटेड तथा उसकी अनुषंगी कंपनियों द्वारा अपनी विशिष्ट विशेषज्ञता, तकनीकी क्षमता एवं संसाधनों को उपलब्ध कराने की व्यापक प्रतिबद्धता का भी परिचायक है।

बरई व पलामू विद्यालय में प्रबंधन समिति का पुनर्गठन

नावाडीह (बेरमो) (ससे): शिक्षा विभाग के निर्देश पर बुधवार को नावाडीह प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय बरई एवं राजकीय कृत उत्क्रमित+२ उच्च विद्यालय पलामू में विद्यालय प्रबंधन समिति के पुनर्गठन को ले बैठक की गई । बरई में मुखिया विजय कुमार रवि, सांसद प्रतिनिधि दीपू अग्रवाल एवं उप मुखिया जागेश्वर महतो के उपस्थिति में बैठक आयोजित की गई । यहां प्रभारी प्रधानाध्यापक शिवकुमार गोस्वामी ने विद्यालय के सफल संचालन में विद्यालय प्रबंधन समिति की जरुरत, चयन प्रक्रिया व क्रियान्वयन की जानकारी दी । साथ ही कहा कि यह समिति बच्चों के सर्वांगीण विकास को ले काफी महत्वपूर्ण है । यहां सर्वसम्मति खुशबू देवी को अध्यक्ष, भोला प्रसाद अग्रवाल को उपाध्यक्ष एवं पुष्पा देवी को संयोजिका चुना गया । जबकि रीता देवी, सुनीता देवी, मंजू देवी, मीना देवी, कौशल्या देवी, हीना देवी, प्रेमचंद महतो, घनश्याम पांडेय, रामप्रवेश महतो, मिंटू सिंह, चौआ सिंह और सरस्वती देवी को समिति के सदस्य बनाया गया ।

यहां समिति पुनर्गठन के बाद चयनित अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व अन्य सदस्यों को संबोधित करते हुए सांसद प्रतिनिधि दीपू अग्रवाल ने कहा कि यह समिति का विद्यालय के सुचारु संचालन में दायित्व बहुत बड़ा है । विद्यालय के गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, विद्यालय विकास में सामुदायिक भागीदारी एवं सहयोग के अलावा नियमित मध्याह्न भोजन में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका है । यहां मौजी महतो, प्रेमचंद महतो, रेवतलाल साव , विनोद साव , लक्ष्मी देवी, मीना देवी, मंजू देवी, रूपा देवी, सुनैना देवी, सोनिया महतो, कुंती देवी, पुष्पा देवी, धनेश्वर महतो, फ़लेंद्र महतो, जीवाधन महतो, विजय महतो आदि उपस्थित थे । वहीं पलामू विद्यालय में मुखिया जलेश्वरी देवी, उप प्रमुख हरिलाल महतो, प्रधानाध्यापक वीरेन्द्र कुमार महतो के उपस्थिति में संपन्न बैठक में संजय महतो अध्यक्ष, नेमिया कुमारी उपाध्यक्ष एवं सुनीता कुमारी संयोजिका चुनी गई । यहां पर्यवेक्षक मनोज कुमार सिंह, शिक्षक नारायण महतो, प्रेम कुमार महतो, ललन कुमार, अभय प्रवीण कुजुर, मंटू कुमार अग्रवाल, चोलेशर महतो, राज कुमार आदि उपस्थित थे ।

सिद्ध चक्र मंडल विधान के मंत्रोच्चार से गूंजा मंदिर परिसर

डुमरी (ससे): इसरी बाजार स्थित दिगंबर जैन बीसपंथी कोठी जिनालय में १००८ श्री सिद्ध चक्र महामंडल विधान के आयोजन का शुभारम्भ किया गया।यह आयोजन शास्त्री वीरेंद्र जी,मंजू एवं अंजू दीदी के सानिध्य में संपन्न होगा।प्रातः छः बजे ध्वज पूजन किया गया। अष्टानिका महोत्सव के दूसरे दिन पीएनडी जैन मध्य विद्यालय के प्रधानाध्यापक सुनील कुमार जैन एवं उनकी धर्मपत्नी मीना जैन इन्द्र एवं इंद्राणी के रुप में अवतरित हुऐ।प्रिय जिनेश जैन एवं कल्पना जैन दूसरे इंद्र और इंद्राणी बने।२१ जुलाई से २८ जुलाई तक चलेगा।दोपहर १२ बजे से तकलीकरण, इंद्र प्रतिष्ठा, मंडप प्रतिष्ठा,भगवन अभिषेक एवं शांति धारा होगी।

प्रतिदिन संध्या ७ बजे आरती एवं मंगल प्रवचन होगा। प्रतिदिन पूजन कार्यक्रम चलता रहेगा।अंतिम दिन विधान समापन के उपलक्ष्य में अभिषेक शांति धारा एवं विश्व शांति महायज्ञ हवन सम्पन्न कराया जाऐगा। आठ दिनों तक यह आयोजन चलेगा, जिसमें विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किऐ जाऐंगे।

कार्यक्रम में प्रदीप जैन,अशोक कुमार जैन,डा विवेक जैन,सोम जैन,रश्मि जैन,सुषमा जैन,सीमा जैन,सुनील कुमार जैन,अनिता जैन,नीता जैन,जिनेश जैन,कल्पना प्रिय जिनेश जैन, आतिश जैन,रविंद्र जैन,सुबोध जैन,दीपक जैन,मीना जैन इत्यादि सक्रिय रुप से सहभागिता निभा रहे हैं।

29 तक घरों से निकलकर अपना गणना प्रपत्र अवश्य जमा करें : उपायुक्त

गिरिडीह (ससे): भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, झारखंड के निर्देशानुसार संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत आज जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त, रामनिवास यादव ने जिले के विभिन्न मतदान केंद्रों का औचक निरीक्षण कर बीएलओ-बीएलओ-२ की तृतीय बैठक एवं चुनाव पाठशाला के संचालन का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मतदाता सूची पुनरीक्षण से संबंधित कार्यों की प्रगति, निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुपालन तथा बीएलओ एवं बीएलओ-२ के बीच समन्वय की समीक्षा की। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने प्रारूप मतदाता सूची एवं अन्य संदिग्ध प्रविष्टियों) सूची के सत्यापन की प्रक्रिया का अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं इडज को निर्देश दिया कि प्रत्येक प्रविष्टि का तथ्यात्मक एवं सूक्ष्म परीक्षण करते हुए मतदाता सूची को पूर्णतः शुद्ध, अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप प्रत्येक पात्र भारतीय नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल होना तथा किसी भी अपात्र व्यक्ति का नाम सूची में दर्ज नहीं होना सुनिश्चित किया जाए। साथ ही ०१ अक्टूबर २०२६ को १८ वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में जोड़ने की प्रक्रिया को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि एक ही परिवार के सभी पात्र मतदाताओं को यथासंभव एक ही मतदान केंद्र से संबद्ध करने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने उन मतदाताओं से संपर्क स्थापित कर गणना प्रपत्र प्राप्त करने के निर्देश दिए, जिनसे अब तक प्रपत्र प्राप्त नहीं हो सके हैं। उन्होंने इडज एवं इड--२ को आपसी समन्वय के साथ घर-घर संपर्क अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने तथा मतदाता सूची पुनरीक्षण के प्रत्येक बिंदु का गंभीरतापूर्वक सत्यापन करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने चुनाव पाठशाला का भी अवलोकन किया तथा मतदाता जागरूकता गतिविधियों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि आम नागरिकों को मतदाता सूची पुनरीक्षण की प्रक्रिया, मतदाता पंजीकरण, नाम संशोधन एवं अन्य निर्वाचन संबंधी प्रावधानों की समुचित जानकारी उपलब्ध कराई जाए, ताकि अधिक से अधिक पात्र नागरिक लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जुड़ सकें।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त, रामनिवास यादव ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण निर्वाचन आयोग की अत्यंत महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य शुद्ध, पारदर्शी एवं विश्वसनीय मतदाता सूची तैयार करना है। उन्होंने सभी निर्वाचकनिबंधन पदाधिकारियों, सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों, बीएलओ-बीएलओ-२ तथा मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को आयोग के दिशा-निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन करते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी कार्य गुणवत्तापूर्वक पूर्ण करने का निर्देश दिया।

जल जीवन मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन की समीक्षा में उपायुक्त सख्त

गिरिडीह (ससे): उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी, श्री रामनिवास यादव ने समाहरणालय सभागार में जल जीवन मिशन, जल जीवन मिशन २.० एवं स्वच्छ भारत मिशन के तहत जिले में संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में योजनाओं की वर्तमान प्रगति, लंबित कार्यों, हर घर जल सर्टिफिकेशन, हैंडओवर, सामुदायिक शौचालय, वेस्ट सेनिटेशन पार्क एवं अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत सामुदायिक शौचालय निर्माण की प्रगति अपेक्षित नहीं पाए जाने पर उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि जहां अब तक भूमि का चयन नहीं हुआ है, वहां अविलंब भूमि चयन की प्रक्रिया पूरी करते हुए निर्माण कार्य में तेजी लाएं, ताकि योजनाओं का लाभ निर्धारित समय सीमा के भीतर आमजन तक पहुंच सके। बैठक के दौरान उपायुक्त ने विशेष रूप से निर्देश दिया कि जिले के जिन आंगनबाड़ी केंद्रों एवं विद्यालयों में शौचालय और स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था उपलब्ध नहीं है, वहां प्राथमिकता के आधार पर शौचालय निर्माण एवं पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित कराई जाए। साथ ही जहां शौचालय अथवा पेयजल से संबंधित किसी प्रकार की समस्या है, उसका त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि बच्चों एवं आमजन को मूलभूत सुविधाओं का लाभ निर्बाध रूप से मिल सके। हर घर जल सर्टिफिकेशन एवं हैंडओवर कार्यों की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने कहा कि जिले की प्रगति अभी अपेक्षा के अनुरूप नहीं है। उन्होंने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने क्षेत्र के मुखिया, कनीय अभियंता एवं संबंधित अधिकारियों के साथ नियमित बैठक कर लंबित मामलों की समीक्षा करें तथा सभी बाधाओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करते हुए सर्टिफिकेशन एवं हैंडओवर कार्यों में तेजी लाएं। बैठक में व्यक्तिगत घरेलू शौचालय खक्कह निर्माण की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि जिन पात्र परिवारों के यहां अब तक शौचालय का निर्माण नहीं हुआ है, वहां अभियान चलाकर शीघ्र निर्माण कार्य पूर्ण कराया जाए। उन्होंने कहा कि जिले को खुले में शौच से मुक्त (जउक्ष) स्थिति को स्थायी बनाए रखने के लिए शत-प्रतिशत पात्र परिवारों को शौचालय की सुविधा उपलब्ध कराना आवश्यक है। इस कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी तथा सभी लंबित मामलों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जाए।

सिंगल विलेज स्कीम के अंतर्गत संचालित पेयजल योजनाओं की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने योजनाओं के हैंडओवर की प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से पूरा करने एवं सभी आवश्यक औपचारिकताओं का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने जल जीवन मिशन २.० के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष बल देते हुए कहा कि इसके अंतर्गत स्वीकृत सभी योजनाओं की प्रगति निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग, गुणवत्तापूर्ण कार्य निष्पादन एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। समीक्षा के दौरान योजनाओं की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए उपायुक्त ने स्पष्ट कहा कि सभी अधिकारी एवं कर्मी पूरी पारदर्शिता, जवाबदेही एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य करें। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि कार्य प्रणाली में अपेक्षित सुधार नहीं दिखा तो संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

प्रत्येक स्तर पर जवाबदेही तय होगी तथा सभी कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण किए जाएंगे। बैठक में उप विकास आयुक्त श्रीमती स्मृता कुमारी, कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल संख्या-१ एवं २, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक - गणेश मिश्रा. फोन - 9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

भाजपा के निष्ठावान कार्यकर्ता समाज सेवा में लगे रहते हैं : प्रदेश महामंत्री

गोविंदपुर (ससे) : धनबाद प्रमंडल के धनबाद ग्रामीण, महानगर एवं बोकारो जिले की मंडल प्रवासी कार्यकर्ता बैठक संयुक्त रूप से कौआबांध स्थित राज विलास रिसोर्ट में हुई। बैठक में विशेष रूप से संगठनात्मक चर्चा हुई। बैठक को सम्बोधित करते हुए संगठन महामंत्री कर्मवीर ने कहा कि हमें बूथ स्तर तक संगठन को और मजबूत बनाने में लग जाना है। भाजपा कार्यकर्ता आधारित पार्टी है। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में झारखंड में भाजपा की सरकार बनेगी। प्रदेश महामंत्री गणेश मिश्रा ने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता समर्पित रूप से राष्ट्र सेवा में लगे हुए हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा हर समय चुनावी मोड में रहती है। प्रदेश से लेकर बूथ स्तर तक भाजपा के निष्ठावान कार्यकर्ता समाज सेवा में लगे रहते हैं। संचालन प्रदेश मंत्री सरोज सिंह ने किया, जबकि स्वागत भाषण धनबाद ग्रामीण जिलाध्यक्ष मोहन कुम्भकार ने किया। मौके पर झरिया विधायक रागिनी सिंह, बाघमारा विधायक शत्रुघन महतो, प्रदेश मंत्री सह ग्रामीण जिला प्रभारी दिलीप वर्मा, महानगर अध्यक्ष श्रवण राय, बोकारो अध्यक्ष सुरेंद्र, पूर्व सांसद रवींद्र पांडेय, पूर्व विधायक फूलचंद मंडल, अपर्णा सेनगुप्ता, विरंची नारायण, तारा देवी, विकास महतो, सत्येंद्र कुमार, संजीव अग्रवाल, ज्ञानरंजन सिन्हा, चंद्रशेखर सिंह, धरनीधर मंडल, नन्दलाल अग्रवाल, धर्मजीत सिंह, रति रंजन गिरि, आशीष मुखर्जी, मन्नू तिवारी, नितिन भट्ट, संजय महतो, अधिवक्ता जया कुमार एवं विपिन दा, निताय रजवार, विक्रांत उपाध्याय, अमलेश सिंह, विष्णु त्रिपाठी, रुपेश सिन्हा, मानस प्रसून, निशि महतो, श्रीराम यादव, योगेंद्र यादव, पप्पू विश्वकर्मा, गोविंद राय, पिंकु महतो, राजेश चौधरी, दिनेश सिंह, प्रशान्त मंडल, प्रकाश बाउरी, डबलू बाउरी, राजेश बाउरी, रामदेव पांडेय, विद्युत चक्रवर्ती आदि शामिल थे।

अल्पसंख्यक आयोग की जनसुनवाई, तेजाब कांड समेत कई मामलों में जांच के निर्देश

धनबाद कासं) : धनबाद दौरे पर पहुंचे झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष सह राज्य मंत्री ज्योति सिंह मथारू ने सर्किट हाउस में अधिकारियों के साथ बैठक कर विभिन्न मामलों की समीक्षा की।

बैठक से पहले उन्होंने कई पीड़ित परिवारों से उनके घर जाकर मुलाकात की और अब तक हुई जांच व कार्रवाई की जानकारी ली। जनसुनवाई के दौरान फुसबंगला तेजाब कांड, गुरु नानक कॉलेज, खालसा स्कूल, जिम्स अस्पताल में मरीज की मौत, शिक्षक नियुक्ति व पदोन्नति समेत कई मामलों पर सुनवाई हुई। आयोग ने संबंधित अधिकारियों को निष्पक्ष जांच कर शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सर्किट हाउस में आयोजित समीक्षा बैठक में सबसे पहले झरिया के फुसबंगला तेजाब कांड की सुनवाई हुई। आयोग ने झरिया अंचलाधिकारी और सिंदरी डीएसपी को मामले में निष्पक्ष और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उपाध्यक्ष ज्योति सिंह मथारू ने कहा कि मेडिकल रिपोर्ट में तेजाब से झुलसने की पुष्टि होने के बावजूद आरोपी को जमानत मिल जाना गंभीर विषय है। उन्होंने पुलिस की भूमिका की भी जांच कराने की बात कही ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके।

बैठक में गुरु नानक कॉलेज और खालसा स्कूल से जुड़े मामलों के अलावा शिक्षक नियुक्ति और पदोन्नति से संबंधित शिकायतों पर भी चर्चा हुई। वहीं जिम्स अस्पताल में इलाज के दौरान मरीज की मौत के मामले को भी आयोग ने गंभीरता से लिया। आयोग ने संबंधित एसडीएम, सिविल सर्जन और अन्य अधिकारियों को विस्तृत जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने तथा आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में पहुंचे लोगों को आयोग ने भरोसा दिलाया कि सभी मामलों में निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

अल्पसंख्यक आयोग की इस जनसुनवाई में शिक्षा, स्वास्थ्य और कानूनव्यवस्था से जुड़े कई मामलों पर कार्रवाई का आश्वासन दिया गया। अब पीड़ित परिवारों की नजर आयोग द्वारा मांगी गई जांच रिपोर्ट और प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिकी है।

बीसीसीएल, जेआरडीए, हिंडाल्को व राजधानी यूनिवर्सल फैब्रिक्स के बीच त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

धनबाद कासं) : कोयला मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली में आयोजित एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम के दौरान संशोधित झरिया मास्टर प्लान के अंतर्गत पुनर्वासित परिवारों के कौशल विकास, आजीविका तथा दीर्घकालिक सामाजिकआर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने की दिशा में आज दो महत्वपूर्ण त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर सीएमडी, बीसीसीएल, मनोज कुमार अग्रवाल के नेतृत्व में बीसीसीएल के प्रतिनिधिमंडल ने हस्ताक्षर किए गए। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी उपस्थित रहे। इस अवसर पर केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान विभाग के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में कोयला मंत्रालय के सचिव विक्रम देव दत्त, अपर सचिव सनोज कुमार झा, अपर सचिव रूपिंदर बरार, कोयला नियंत्रक सजीश कुमार एन. सहित मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर चेयरमैन कोल इंडिया बी.साईंराम, सीएमडी बीसीसीएल मनोज कुमार अग्रवाल, निदेशक (तकनीकी) संजय कुमार सिंह, निदेशक (तकनीकी/परियोजना एवं योजना) राजीव कुमार सिन्हा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की। अपने संबोधन में केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि संशोधित झरिया मास्टर प्लान का उद्देश्य केवल पुनर्वास तक सीमित नहीं है, बल्कि पुनर्वासित परिवारों को सम्मानजनक आजीविका, रोजगारोन्मुखी कौशल तथा दीर्घकालिक आर्थिक अवसर उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना भी है। उन्होंने कहा कि सरकारी संस्थाओं एवं उद्योग जगत के बीच इस प्रकार की जन-कल्याणकारी पहल स्थानीय समुदायों के समावेशी विकास, कौशल संवर्धन तथा आर्थिक सशक्तिकरण को नई गति प्रदान करेंगी। उन्होंने कहा कि परियोजना पुनर्वासित परिवारों के जीवन स्तर में सकारात्मक परिवर्तन लाने के साथ स्थानीय अज्ञेविका के अवसरों एवं क्षेत्र के सतत एवं समावेशी विकास को भी नई दिशा देंगी। हिंडाल्को इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड के साथ हुए समझौते के अंतर्गत बेलगड़िया में प्रस्तावित कौशल एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र के माध्यम से पुनर्वासित युवाओं एवं महिलाओं को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही, व्यवहार्यता एवं आवश्यक वैधानिक स्वीकृतियों के अधीन गारमेंट फैब्रिकेशन, विनिर्माण, वितरण एवं विक्रय सुविधा विकसित किए जाने का भी प्रावधान किया गया है, जिससे कौशल विकास, स्वरोजगार एवं दीर्घकालिक आजीविका के अवसर सृजित होंगे। वहीं,राजधानी यूनिवर्सल फैब्रिक्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ सम्पन्न समझौते के अंतर्गत एक सतत औद्योगिक मॉडल विकसित किया जाएगा, जिसके माध्यम से पुनर्वासित परिवारों, विशेषकर युवाओं एवं महिलाओं, के लिए संरचित कौशल विकास, व्यावसायिक प्रशिक्षण तथा उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप दीर्घकालिक सामाजिकआर्थिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। इस पहल का उद्देश्य आर्थिक आत्मनिर्भरता, सामुदायिक कल्याण तथा रोजगारोन्मुखी कौशल को बढ़ावा देना है। बीसीसीएल, जेआरडीए तथा उद्योग जगत के प्रतिष्ठित साझेदारों के बीच हुआ यह सहयोग पुनर्वासित परिवारों को सम्मानजनक आजीविका, दीर्घकालिक रोजगार एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में नई संभावनाएँ प्रदान करेगा।

गोविंदपुर की बिजली समस्या का करेंगे समाधान : मुकुल कुमार

गोविंदपुर (ससे) : कार्यपालक विद्युत अभियंता मुकुल कुमार ने गोविंदपुर के बिजली उपभोक्ताओं को आश्वासन दिया कि नियमित और पर्याप्त विद्युत आपूर्ति की हर संभव कोशिश की जाएगी। इसके लिए फकीरडीह के पास स्विच दिया जाएगा ताकि उधर गड़बड़ी होने पर गोविंदपुर बाजार क्षेत्र की बिजली प्रभावित नहीं हो। पिछले कई दिनों से लगातार बिजली संकट के खिलाफ नागरिक समिति के प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को कार्यपालक विद्युत अभियंता से मुलाकात की और बिजली समस्या के समाधान की मांग की। उन्होंने कहा कि आकाशी लाइटिंग से केवल ब्लास्ट कर जाने से बिजली संकट उत्पन्न हो जाता है इस पर ध्यान रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि श्याम वाटिका कॉलोनी के बिजली संकट का समाधान कर दिया जाएगा। बाजार क्षेत्र में कई स्थानों पर नया ट्रांसफार्मर देने की योजना है परंतु जीटी रोड की जमीन पर भी कोई ट्रांसफार्मर लगाने नहीं दे रहा है। उन्होंने कहा कि सभी को पर्याप्त बिजली चाहिए परंतु अपने घरों के आगे कोई ट्रांसफार्मर लगाने को तैयार नहीं होते कार्यपालक अभियंता ने कहा कि बरियो और बागसुमा में नया सब स्टेशन बनाने की योजना है यदि जगह उपलब्ध हो जाए तो इसकी प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। इससे बाजार फीडर का लोड घटेगा और सभी क्षेत्रों में सुचारू बिजली आपूर्ति होगी। उन्होंने लोगों से लोड बढ़ाने की अपील की ताकि छापेमारी में परेशानी नहीं हो। उन्होंने कहा कि अगस्त महीने में बिजली शिविर लगाया जाएगा। इस मौके पर सहायक विद्युत अभियंता राहुल विश्वकर्मा, कनीय विद्युत अभियंता सुनील कुमार, नागरिक समिति के संगठन सचिव अनूप साव, याकूब अंसारी, सुनील सरिया, आनंद जायसवाल, जितेश जायसवाल आदि मौजूद थे।

योग प्रतियोगिता में राजकमल का शानदार प्रदर्शन

धनबाद (कासं) : धनबाद जिला योग एसोसिएशन द्वारा आयोजित योग प्रतियोगिता में राजकमल सरस्वती विद्या मंदिर के दस छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण, दो रजत एवं छः कांस्य पदक प्राप्त किया। विद्यालय को ओवरऑल तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

इस उपलब्धि पर विद्यालय के प्राचार्य सुमन्त कुमार मिश्रा ने बताया कि मन एवं मस्तिष्क को योग नियंत्रित करता है। प्रतिदिन यदि हम योग करने का अभ्यास करें तो हमारी दिनचर्या व्यवस्थित एवं अनुशासित होगी। योग में सर्वांगीण विकास करने की क्षमता है। विद्यालय की योग शिक्षिका अंजली कुमारी ने बताया कि प्रिया कुमारी, निशा कुमारी को स्वर्ण, प्राची कुमारी, खुशी कुमारी को रजत एवं अनुष्का कुमारी,

द्वितीया कुमारी, आरुषि, मिशिका, नंदिनी, डिंपल और निहारिका को कांस्य पदक मिला। यह कार्यक्रम जीडी गोयंका पब्लिक स्कूल धनबाद में जिला योग एसोसिएशन द्वारा आयोजित हुआ। इस उपलब्धि पर विद्यालय के प्राचार्य सुमन्त कुमार मिश्रा, प्राचार्य मनोज कुमार एवं उप प्राचार्या लीला सिंह ने विजेता बहनों को शुभकामनाएं दी है।

एसडीएम ने की बीएलओ व बीएलए2 के साथ बैठक

धनबाद (कासं) : धनबाद विधानसभा के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे ने राजकीयकृत मध्य विद्यालय बरटांड, दिल्ली पब्लिक स्कूल, वरीय बुनियादी विद्यालय जगजीवन नगर, एचई स्कूल में बीएलओ एवं बीएलए२ के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के प्रगति की समीक्षा की।

बैठक के दौरान उन्होंने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, बीएलओ एवं बीएलए२ को एसआइआर प्रक्रिया में फॉर्म के डिजिटाइजेशन से संबंधित आवश्यक दिशानिर्देश दिए।

बैठक में बूथ संख्या १४४, १४५ एवं १४६ की बीएलओ, स्वयंसेवक, राजनीतिक पार्टियों के मनोनीत सदस्य, चुनावी पाठशाला के सदस्य, बीएलओ सुपरवाइजर एवं स्थानीय मतदाता विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने आग्रह किया कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की प्रक्रिया को सफल बनाने में उनका सहयोग आवश्यक है।

अनुमंडल दंडाधिकारी ने बताया कि बैठक का उद्देश्य एब्सेंट, शिफ्टेड, डुप्लीकेट और मृत सूची को अंतिम रूप देना, प्राप्त गणना प्रपत्रों का संकलन एवं सत्यापन, एक परिवार के सभी सदस्य एक ही मतदान केंद्र पर हो यह सुनिश्चित करना, विदेशी नागरिकों से प्राप्त इन्यूमरेशन प्रपत्रों पर विचार-विमर्श कर सूची ईआरओ/एईआरओ को उपलब्ध कराना ताकि कोई भी अपात्र व्यक्ति मतदाता सूची में सम्मिलित न हो, था। अनुमंडल दंडाधिकारी ने शतप्रतिशत गणना प्रपत्र का डिजिटाइजेशन पूरा करने, पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में जोड़ने, दोहरी प्रविष्टियों को हटाने तथा बूथ स्तर पर पारदर्शी एवं सुगम प्रक्रिया सुनिश्चित करने पर जोर दिया। साथ में बीएलओ एवं बीएलए२ के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने का निर्देश दिया।

23 से 26 तक होगा बैलाडीला कबड्डी लीग का आयोजन

हैदराबाद (ससे) : छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में २३ से २६ जुलाई तक बैलाडीला क्षेत्र के २६ गांवों के कबड्डी खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा और दमखम दिखाने का सुनहरा अवसर मिलेगा। ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को पहचान दिलाने और उन्हें आगे बढ़ने का राष्ट्रीय मंच प्रदान करने के उद्देश्य से नवरत्न कंपनी एनएमडीसी लिमिटेड अपने नैगम सामाजिक दायित्व (सीएसआर) कार्यक्रम के अंतर्गत बैलाडीला कबड्डी लीग का आयोजन कर रही है। प्रतियोगिता में बचेली एवं किरंदुल क्षेत्र की कुल २६ ग्राम पंचायतों की २४ टीमें भाग लेंगी। बचेली क्षेत्र के मोलसनार, दुगेली, पाढ़ापुर, बेनपाल, बड़े कमेली, कमालूर, झिरका, धुरली, गामावाड़ा, नेरली, बड़े बचेली, मसेनार, गंजेनार एवं भांसी गांवों की टीमें प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगी। वहीं, किरंदुल क्षेत्र से कोडेनार, कड़मपाल, मदाड़ी, चोलनार, टिकनपाल, कलेपाल, समलवार, मड़कामिरास, हिरोली, कुटरेम, गुमियापाल एवं तनेली के खिलाड़ी अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

प्रतियोगिता के लीग मुकाबले किरंदुल स्थित फुटबॉल स्टेडियम तथा बचेली के हॉकी मैदान में आयोजित किए जाएंगे। प्रतियोगिता का उदघाटन एवं समापन समारोह एनएमडीसी टाउनशिप बचेली स्थित हॉकी मैदान में होगा। इस लीग के सफल आयोजन के लिए वाटर प्रूफ जर्मन हेंगर की व्यवस्था की गई है। मैदान पर खिलाड़ियों की सहूलत के लिए सिंथेटिक रबर मैट बिछाई जा रही है। एनएमडीसी द्वारा सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को स्पोर्ट्स किट एवं प्रतियोगिता के लिए आवश्यक खेल सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। इस आयोजन का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में खेल संस्कृति को बढ़ावा देना, युवाओं को सकारात्मक दिशा प्रदान करना तथा स्थानीय खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना है।

कांग्रेस कार्यकर्ता एसआईआर का कार्य को सफल बनाने में बीएलओ का सहयोग करें : नगर अध्यक्ष

सिंदरी (ससे) : झारखंड में चल रहे विशेष गहन पुनर्निरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के अंतर्गत आज सिंदरी नगर के सभी मतदान केंद्रों पर बूथ स्तर अधिकारी (बीएलओ) एवं बूथ स्तरीय अभिकर्ता२ (बीएलए-२) के बीच पाठशाला कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान कांग्रेस पार्टी के सभी बूथ स्तरीय अभिकर्ता२ ने अपने-अपने बूथों पर उपस्थित होकर सक्रिय भागीदारी निभाई। कांग्रेस द्वारा नियुक्त धनबाद जिला शहरी प्रभारी सह प्रदेश महासचिव शकील अख्तर तथा सिंदरी विधानसभा प्रभारी सह जिला उपाध्यक्ष नवनीत नीरज ने सिंदरी के विभिन्न मतदान केंद्रों का भ्रमण कर बीएलओ एवं बीएलए२ के साथ अब तक किए गए कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कार्य में आ रही समस्याओं एवं बाधाओं की जानकारी लेकर उनके समाधान पर भी चर्चा की।

इस दौरान शकील अख्तर ने सभी बीएलए२ साथियों को निर्देश दिया कि वे अपनेअपने बीएलओ के साथ समन्वय स्थापित कर कार्य करे तथा त्रुटिरहित तरीके से एसआईआर कार्य को शीघ्र पूर्ण कराने में सहयोग दें, ताकि यह कार्य शतप्रतिशत शुद्धता के साथ निर्धारित समयसीमा में पूरा हो सके। सिंदरी नगर अध्यक्ष राज बिहारी यादव ने प्रभारियों को आश्वस्त किया कि क्षेत्र के सभी कांग्रेस कार्यकर्ता मिलकर एसआईआर कार्य को सफल बनाने में बीएलओ कर्मियों एवं आम नागरिकों का पूरा सहयोग करेंगे, जिससे कार्य समय पर पूर्ण किया जा सके। कार्यक्रम में पूर्णेन्दु सिंह, सतेंद्र सिंह, राहुल राज, बिदेशी सिंह, अजय कुमार, संतोष चौधरी, मोहम्मद शम्स, ललन ठाकुर, विवेक देवघरिया, नारद यादव, मुकेश पांडे, मनोज घोष, सुखदेव हांसदा, सिद्धार्थ भट्टाचार्य, अखिलेश्वर राय, नकुल वर्मा, संतोष सिंह, आशीष मंडल, अश्वनी मंडल, रवि कुमार रजक सहित सभी बूथों के बीएलए२ साथी उपस्थित थे।

एनएमडीसी ने अपनी प्रमुख बालिका शिक्षा योजना के लिए आमंत्रित किए आवेदन

हैदराबाद (ससे) : भारत की सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक कंपनी एनएमडीसी ने शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ के लिए अपनी प्रमुख बालिका शिक्षा योजना (बीएसवाई) के अंतर्गत संपूर्ण प्रायोजित २ सौ नर्सिंग सीटों के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। छत्तीसगढ़ के छह जिलों की पात्र अनुसूचित जनजाति (एस टी) की बालिकाओं से आवेदन आमंत्रित करते हुए प्रवेश अधिसूचना प्रकाशित की गई है।

एनएमडीसी की नैगम सामाजिक दायित्व (सीएसआर) पहल के तहत कार्यान्वित इस कार्यक्रम में बी.एससी. नर्सिंग के लिए ११० सीटें और जनरल नर्सिंग एंड मिडवाइफरी (जीएनएम) के लिए ९० सीटें प्रदान की जाती हैं। चयनित उम्मीदवारों को पूरी तरह से निःशुल्क व्यावसायिक नर्सिंग शिक्षा प्राप्त होगी, जिसमें एनएमडीसी ट्यूशन फीस, छात्रावास आवास, अध्ययन सामग्री, यूनिफॉर्म, परीक्षा शुल्क और अन्य शैक्षणिक खर्चों का पूरा व्यय की जाएगी।

यह कार्यक्रम विशेष रूप से बस्तर, दंतवाड़ा, सुकमा, बीजापुर, कोंडागांव और नारायणपुर जिलों की उन अनुसूचित जनजाति (एसटी) की बालिकाओं के लिए है, जिनके परिवार की वार्षिक आय ७२ हजार से अधिक न हो। आवेदकों की आयु १७ से ३५ वर्ष के बीच होनी चाहिए। बी.एससी. नर्सिंग कोर्स में प्रवेश पाने के इच्छुक उम्मीदवारों का नीट२०२६ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है, जबकि बी.एससी. नर्सिंग और जीएनएम (जीएनएम) दोनों पाठ्यक्रमों के आवेदकों को विज्ञान विषय (भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान) एवं अंग्रेजी के साथ १२वीं कक्षा में निर्धारित न्यूनतम अर्हता अंक प्राप्त होना आवश्यक है।

चयनित छात्राएं देश के प्रमुख संस्थानों में अपनी नर्सिंग शिक्षा पूरी करेंगी, जिनमें अपोलो स्कूल ऑफ नर्सिंग, हैदराबाद, अपोलो कॉलेज ऑफ नर्सिंग, चित्तूर, एसआरएम कॉलेज ऑफ नर्सिंग, चेन्नई, किम्स (केआईएमएस) कॉलेज ऑफ नर्सिंग, हैदराबाद, यशोदा

कॉलेज ऑफ नर्सिंग, हैदराबाद शामिल हैं।

इस पहल का उद्देश्य जनजातीय बालिकाओं को व्यावसायिक स्वास्थ्य सेवा कौशलों से सशक्त बनाना है।

पात्र उम्मीदवार सुबह ११ बजे से ५ अगस्त तक रात ११:५९ बजे तक केवल एनएमडीसी की वेबसाइट के करियर अनुभाग के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन जमा कर सकते हैं। आवेदकों को सभी आवश्यक दस्तावेजों की स्कैन की हुई प्रतियां अपलोड करनी होंगी, जिनमें १०वीं और १२वीं की अंकतालिकाएं, एसटी जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, पहचान पत्र (आधार या राशन कार्ड), पासपोर्ट आकार की फोटो, हस्ताक्षर, और बी.एससी. नर्सिंग आवेदकों के लिए नीट२०२६ का स्कोरकार्ड शामिल है।

चयन ऑफलाइन मोड में ओएमआर शीट का उपयोग करके अंग्रेजी भाषा में आयोजित वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रश्नों (एमसीक्यू) वाली लिखित परीक्षा के आधार पर किया जाएगा। ३० अंकों की इस परीक्षा में निम्नलिखित अंक आवंटित होंगे।

जीव विज्ञान (१० अंक), अंग्रेजी (०७ अंक), भौतिकी (०५ अंक), रसायन विज्ञान (५) अंक सामान्य ज्ञान (३ अंक)

लिखित परीक्षा में चयनित (शॉर्टलिस्ट किए गए) उम्मीदवारों को अंतिम चयन से पहले दस्तावेज सत्यापन और चिकित्सा परीक्षण किया जाएगा। एनएमडीसी के परियोजना स्थलों के आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले पात्र आवेदकों को प्राथमिकता दी जाएगी। ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया में सहायता के लिए उम्मीदवार बीएसवाई हेल्पडेस्क से ७०४४५९९०६१ पर संपर्क कर सकते हैं या ईमेल कर सकते हैं।

इस कार्यक्रम की शुरुआत से वित्त वर्ष २०२२ तक ३३० जीएनएम छात्राओं का नामांकन किया जा चुका है, जिनमें से २३० स्नातक छत्तीसगढ़ के सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में सेवाएं दे रही हैं। इसके अतिरिक्त, ७५ जनजातीय बालिकाओं ने पूर्णतः प्रायोजित बी.एससी. नर्सिंग शिक्षा प्राप्त की है, जिनमें से लगभग ८० राज्य के स्वास्थ्य क्षेत्र में सेवा देने के लिए वापस लौटी हैं। जनजातीय बालिकाओं के लिए गुणवत्तापूर्ण नर्सिंग शिक्षा को सुलभ बनाने हेतु एनएमडीसी प्रति छात्र प्रति वर्ष १२ लाख तक का निवेश करता है, जिससे उनके सभी शैक्षणिक और छात्रावास के खर्च कवर होते हैं।

गणेश महोत्सव को लेकर विवाद बरकरार

जोड़ापोखर (ससे) : कोयलांचल के ऐतिहासिक एवं प्रसिद्ध ३८वें डिगवाडीह गणेश महोत्सव के आयोजन को लेकर चल रहा विवाद अभी भी समाप्त नहीं हो सका है। सिंदरी अंचल के पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) के निर्देश पर जोड़ापोखर थाना प्रभारी ने दोनों पक्षों को थाना बुलाकर आपसी सहमति से विवाद समाप्त कराने और महोत्सव को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने का प्रयास किया, लेकिन लंबी वार्ता के बाद भी कोई सहमति नहीं बन सकी।

बैठक के दौरान शैलेन्द्र खरवार गुट ने समिति में अपने समर्थकों को महत्वपूर्ण एवं उच्च पदों पर शामिल करने की मांग रखी। वहीं डॉ. एम. के. ठाकुर गुट ने स्पष्ट किया कि समिति के पदाधिकारियों का चयन एवं पदों का बंटवारा पहले ही हो चुका है। उन्होंने कहा कि यदि दूसरा पक्ष बिना किसी पद की शर्त के समिति में शामिल होकर पूजा के आयोजन में सहयोग करना चाहता है तो उसका स्वागत है, लेकिन पूर्व निर्धारित पदों में बदलाव संभव नहीं है।

सूत्रों के अनुसार, शैलेन्द्र खरवार गुट अपनी मांग पर अड़ा रहा, जिसके कारण पुलिस की मध्यस्थता के बावजूद समझौते की कोशिश विफल हो गई। इसके बाद दोनों पक्ष अपने-अपने रुख पर कायम हैं। स्थानीय सूत्रों का यह भी कहना है कि कुछ असामाजिक तत्व महोत्सव में व्यवधान उत्पन्न करने का प्रयास कर रहे हैं। वहीं एक मेला संचालक की भूमिका को लेकर भी क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं हैं। हालांकि इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। इधर, प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि गणेश महोत्सव के दौरान कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि यदि किसी ने माहौल बिगाड़ने, शांति व्यवस्था भंग करने या किसी प्रकार का विवाद उत्पन्न करने का प्रयास किया तो उसे किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। अब पूरे कोयलांचल की नजर इस बात पर टिकी है कि आने वाले दिनों में दोनों पक्ष आपसी मतभेद दूर कर एकजुट होकर महोत्सव का आयोजन करते हैं या फिर विवाद और गहराता है।

सीआरपीएफ ने प्रधानखंता स्कूल में मनाया स्थापना दिवस

सिन्दरी/बलियापुर (ससे) : सीआरपीएफ १५४ वाहिनी प्रधानखंता ने अपना २८वां स्थापना दिवस स्कूली बच्चों के साथ मनाया। इस अवसर पर उत्क्रमित मध्य विद्यालय प्रधानखंता में छात्र-छात्राओं के बीच चित्रकला एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान सीआरपीएफ के गौरवशाली इतिहास, त्याग, समर्पण और बलिदान को बच्चों के मानस पटल पर रखने का प्रयास किया गया। इस दौरान प्रतिभागी स्कूली बच्चों ने देशभक्ति, पर्यावरण संरक्षण, जल संचयन आदि विषयों पर सुंदर चित्र उकेरे वहीं प्रश्नोत्तरी में भी स्कूली बच्चों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया मुख्य रूप से उपस्थित वाहिनी के कमांडेंट सुनील दत्त त्रिपाठी ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए सीआरपीएफ की गौरव गाथा के बारे में बताया। इस दौरान उन्होंने अनुशासन और मेहनत से पढ़ाई कर देश के भविष्य निर्माण में योगदान देने की जरूरत बताया।

मौके पर प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य हरिवंश सिंह, वाहिनी के द्वितीय कमान अधिकारी अभिनव आनंद के अलावा वाहिनी के अन्य पदाधिकारी एवं जवान थे।

दुख की घड़ी में प्रशासन बना सहारा, उपायुक्त के प्रयास से पीड़ित परिवार को मिली सहायता

बोकारो (ससे): पेटरवार प्रखंड के पिछड़ी गांव की रहने वाली पूनम देवी के परिवार के लिए मंगलवार का दिन राहत लेकर आया। गत १४ जून २०२६ को उनके पति संजय महतो की बिजली का फ्यूज जोड़ने के दौरान करंट लगने से असामयिक मृत्यु हो गई थी। इस हादसे के बाद परिवार आर्थिक एवं सामाजिक संकट से जूझ रहा था। मंगलवार को पूनम देवी समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त अजय नाथ झा से मिलीं।

उपायुक्त ने मामले को मानवीय संवेदनशीलता के साथ लेते हुए संबंधित अधिकारियों एवं जीओ मोबाइल कंपनी से समन्वय स्थापित किया। उनके प्रयास से कंपनी की ओर से मानवीय आधार पर पूनम देवी को सहायता राशि उपलब्ध कराई गई।

सहायता राशि प्राप्त करने के बाद पूनम देवी ने उपायुक्त एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विपरीत परिस्थितियों में मिली यह सहायता उनके परिवार के लिए बड़ी राहत और संबल है।

उपायुक्त ने बच्चे के भविष्य को भी सुरक्षित करने की दिशा में आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी को बच्चे को मुख्यमंत्री बाल प्रायोजन योजना से आच्छादित कर प्रतिमाह ४,००० रुपये की सहायता राशि उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया। साथ ही *जिला शिक्षा पदाधिकारी को बच्चे का डीएवी कथारा में नामांकन सुनिश्चित कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। वहीं, स्वीकृत अंबेडकर आवास का निर्माण कार्य त्वरित गति से पूर्ण करने के लिए बीडीओ पेटरवार को निर्देशित किया।

उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि किसी भी परिवार के लिए अपने कमाऊ सदस्य को खोना अत्यंत दुखद होता है।

ऐसे कठिन समय में प्रशासन की जिम्मेदारी केवल संवेदना व्यक्त करने तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रभावित परिवार को हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराना भी है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि परिवार को सरकार की अन्य पात्र कल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराया जाए, ताकि वे सम्मानपूर्वक अपना जीवनयापन कर सकें।

लघु सिंचाई प्रमण्डल, धनबाद।

निविदा सं0 : DMFT/MIR/DHN/ F_2-14/2026-27

ई0 निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी : कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमण्डल, लूबी सर्कूलर रोड, धनबाद– 826001
वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि : दिनांक 10.08.2026
ई0– निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : दिनांक 10.08.2026 से दिनांक 18.08.2026 के अपराह्न 5 बजे तक
ऑन लाईन बीड खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक 20.08.2026, अपराह्न 02:00 बजे
ई0– निविदा खोलने का स्थान : कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, लघु सिंचाई प्रमण्डल, लूबी सर्कूलर रोड, धनबाद– 826001
सम्पर्क सूत्र मोबाईल संख्या : 7903299712
कार्य का नाम एवं राशि निम्नवत् है :–

ग्रुप सं0	योजना का नाम	प्रखण्ड/ नगर निगम का नाम	पंचायत/ वार्ड का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपये में)	अग्रधन की राशि (रूपये में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रूपये में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8
1	Construction of "E.G.S/I.C.D.S Center (Anganwadi) Building at Banda Guludangal Nirsa	Nirsa	BANDA East	2754400.00	55500.00	5000.00	6 माह
2	Construction of "E.G.S/I.C.D.S Center (Anganwadi) Building at Durgamandir Club Tola Nirsa	Nirsa	BANDA West	2754400.00	55500.00	5000.00	6 माह
3	Construction of "E.G.S/I.C.D.S Center (Anganwadi) Building at Luchibad Aadiwasi Tola Nirsa	Nirsa	PATLABARI	2754400.00	55500.00	5000.00	6 माह
4	Construction of "E.G.S/I.C.D.S Center (Anganwadi) Building at Patlabari Aadiwasi Tola Nirsa	Nirsa	PATLABARI	2754400.00	55500.00	5000.00	6 माह
5	Construction of "E.G.S/I.C.D.S Center (Anganwadi) Building at Sandhmara Sonbad Nirsa	Nirsa	PATLABARI	2754400.00	55500.00	5000.00	6 माह
6	Construction of "E.G.S/I.C.D.S Center (Anganwadi) Building at Kharikiyari Mandal Tola Nirsa	Nirsa	BANDA East	2754400.00	55500.00	5000.00	6 माह
7	Construction of "E.G.S/I.C.D.S Center (Anganwadi) Building at Urma Madhya Nirsa	Nirsa	URMA	2754400.00	55500.00	5000.00	6 माह
8	Construction of "E.G.S/I.C.D.S Center (Anganwadi) Building at Urma Gope Tola Nirsa	Nirsa	URMA	2754400.00	55500.00	5000.00	6 माह
9	Construction of "E.G.S/I.C.D.S Center (Anganwadi) Building at Dhobari Holardih Nirsa	Nirsa	DHOBARI	2754400.00	55500.00	5000.00	6 माह
10	Construction of "E.G.S/I.C.D.S Center (Anganwadi) Building at Lakhipur Mahato Tola Nirsa	Nirsa	Pindrahat	2754400.00	55500.00	5000.00	6 माह
11	Construction of "E.G.S/I.C.D.S Center (Anganwadi) Building at Salukchapra Bauri Tola Nirsa	Nirsa	SALUKCHAPRA	2754400.00	55500.00	5000.00	6 माह
12	Construction of "E.G.S/I.C.D.S Center (Anganwadi) Building at Jolhadih Aadiwasi Tola Nirsa	Nirsa	SALUKCHAPRA	2754400.00	55500.00	5000.00	6 माह
13	Construction of "E.G.S/I.C.D.S Center (Anganwadi) Building at Fatehpur Niche Kulhi Nirsa	Nirsa	Jamakudar	2754400.00	55500.00	5000.00	6 माह
14	Construction of "E.G.S/I.C.D.S Center (Anganwadi) Building at Katajani Harijan Tola Nirsa	Nirsa	Elakendra	2754400.00	55500.00	5000.00	6 माह
15	Construction of "E.G.S/I.C.D.S Center (Anganwadi) Building at Pandra Bejra Khas Nirsa	Nirsa	PANDRABEJRA	2754400.00	55500.00	5000.00	6 माह
16	Construction of "E.G.S/I.C.D.S Center (Anganwadi) Building at Bardang Boldih Nirsa	Nirsa	Rangamati	2754400.00	55500.00	5000.00	6 माह
17	Construction of "E.G.S/I.C.D.S Center (Anganwadi) Building at Sarsa Rangamati Nirsa	Nirsa	Rangamati	2754400.00	55500.00	5000.00	6 माह
18	Construction of "E.G.S/I.C.D.S Center (Anganwadi) Building at Lakra Pahri Nirsa	Nirsa	Sijua	2754400.00	55500.00	5000.00	6 माह
19	Construction of "E.G.S/I.C.D.S Center (Anganwadi) Building at Upper Beldanga Nirsa	Nirsa	Palarpur	2754400.00	55500.00	5000.00	6 माह
20	Construction of "E.G.S/I.C.D.S Center (Anganwadi) Building at Sana Rai Tola Nirsa	Nirsa	Pandra East	2754400.00	55500.00	5000.00	6 माह
21	Construction of "E.G.S/I.C.D.S Center (Anganwadi) Building at Sambandpur barwdi Nirsa	Nirsa	Pandra East	2754400.00	55500.00	5000.00	6 माह
22	Construction of "E.G.S/I.C.D.S Center (Anganwadi) Building at Pandra Aadharar Bauri Tola Nirsa	Nirsa	Pandra East	2754400.00	55500.00	5000.00	6 माह
23	Construction of "E.G.S/I.C.D.S Center (Anganwadi) Building at Dulalsol Nirsa	Nirsa	Madandih	2754400.00	55500.00	5000.00	6 माह
24	Construction of "E.G.S/I.C.D.S Center (Anganwadi) Building at Jaspur Kumhar Tola Nirsa	Nirsa	Madandih	2754400.00	55500.00	5000.00	6 माह
25	Construction of "E.G.S/I.C.D.S Center (Anganwadi) Building at Madanpur Muslim Tola Nirsa	Nirsa	MADANPUR	2754400.00	55500.00	5000.00	6 माह
26	Construction of "E.G.S/I.C.D.S Center (Anganwadi) Building at Tiltoria Harijan Tola Nirsa	Nirsa	Madanpur	2754400.00	55500.00	5000.00	6 माह
27	Construction of "E.G.S/I.C.D.S Center (Anganwadi) Building at Simuldanga adiwashi tola Nirsa	Nirsa	Madanpur	2754400.00	55500.00	5000.00	6 माह
28	Construction of "E.G.S/I.C.D.S Center (Anganwadi) Building at Madanpur Beech Tola 2 Nirsa	Nirsa	MADANPUR	2754400.00	55500.00	5000.00	6 माह
29	Construction of "E.G.S/I.C.D.S Center (Anganwadi) Building at Vidyasagar Paschim Muhalla Nirsa	Nirsa	NIRSA North	2754400.00	55500.00	5000.00	6 माह
30	Construction of "E.G.S/I.C.D.S Center (Anganwadi) Building at Munda Dhora Dhibar Para Nirsa	Nirsa	NIRSA Middle	2754400.00	55500.00	5000.00	6 माह
31	Construction of "E.G.S/I.C.D.S Center (Anganwadi) Building at Nirsa Bhuiya Dhora Nirsa	Nirsa	NIRSA Middle	2754400.00	55500.00	5000.00	6 माह
32	Construction of "E.G.S/I.C.D.S Center (Anganwadi) Building at Kurkuri Madhya Tola Nirsa	Nirsa	Shyampur	2754400.00	55500.00	5000.00	6 माह
33	Construction of "E.G.S/I.C.D.S Center (Anganwadi) Building at Bhaljoria Nirsa	Nirsa	Piyachkiyari	2754400.00	55500.00	5000.00	6 माह
34	Construction of "E.G.S/I.C.D.S Center (Anganwadi) Building at Birsinghpur Bauri Tola Nirsa	Nirsa	BIRSINGPUR	2754400.00	55500.00	5000.00	6 माह
35	Construction of "E.G.S/I.C.D.S Center (Anganwadi) Building at Mahtadih Bagti Tola Nirsa	Nirsa	BIRSINGPUR	2754400.00	55500.00	5000.00	6 माह
36	Construction of "E.G.S/I.C.D.S Center (Anganwadi) Building at Durlabhdih Nirsa	Nirsa	BIRSINGPUR	2754400.00	55500.00	5000.00	6 माह
37	Construction of "E.G.S/I.C.D.S Center (Anganwadi) Building at Guthjor Nirsa	Nirsa	GHUTJOA	2754400.00	55500.00	5000.00	6 माह
38	Construction of "E.G.S/I.C.D.S Center (Anganwadi) Building at Ramkanali Mandal Tola Nirsa	Nirsa	RAMKANALI	2754400.00	55500.00	5000.00	6 माह
39	Construction of "E.G.S/I.C.D.S Center (Anganwadi) Building at Shasanberia Gope Tola Nirsa	Nirsa	Shasanberia	2754400.00	55500.00	5000.00	6 माह
40	Construction of "E.G.S/I.C.D.S Center (Anganwadi) Building at Kanchandih Mahato tola Nirsa	Nirsa	MARMA (CT)	2754400.00	55500.00	5000.00	6 माह
41	Construction of "E.G.S/I.C.D.S Center (Anganwadi) Building at Shivlibari Niche Muhalla Nirsa	Nirsa	SIWALIBARI PART	2754400.00	55500.00	5000.00	6 माह
42	Construction of "E.G.S/I.C.D.S Center (Anganwadi) Building at Shivlibari Purvi Muhalla Nirsa	Nirsa	SIWALIBARI PART	2754400.00	55500.00	5000.00	6 माह
43	Construction of "E.G.S/I.C.D.S Center (Anganwadi) Building at Pandeydih Ray Tola Nirsa	Nirsa	SHYAMPUR	2754400.00	55500.00	5000.00	6 माह
44	Construction of "E.G.S/I.C.D.S Center (Anganwadi) Building at Simuldan Mandal Tola Nirsa	Kaliasole	Kaliasole	2754400.00	55500.00	5000.00	6 माह
45	Construction of "E.G.S/I.C.D.S Center (Anganwadi) Building at Kalubathan Hrijan Tola Nirsa	Kaliasole	Kaliasole	2754400.00	55500.00	5000.00	6 माह
46	Construction of "E.G.S/I.C.D.S Center (Anganwadi) Building at Bagandhora Bauri Tola Nirsa	Chirkunda	CHIRKUNDA(NA) - WARD NO.15	2754400.00	55500.00	5000.00	6 माह
47	Construction of "E.G.S/I.C.D.S Center (Anganwadi) Building at Kumardhubi Uria Dhora Nirsa	Chirkunda	CHIRKUNDA(NA) - WARD NO.15	2754400.00	55500.00	5000.00	6 माह
48	Construction of "E.G.S/I.C.D.S Center (Anganwadi) Building at Taldanga Masjid Tola Purva Nirsa	Chirkunda	CHIRKUNDA(NA) - WARD NO.15	2754400.00	55500.00	5000.00	6 माह
49	Construction of "E.G.S/I.C.D.S Center (Anganwadi) Building at Kushdangal Nirsa	Chirkunda	CHIRKUNDA(NA) - WARD NO.15	2754400.00	55500.00	5000.00	6 माह
50	Construction of "E.G.S/I.C.D.S Center (Anganwadi) Building at Sarsa Pahari Uper Tola Nirsa	Chirkunda	CHIRKUNDA(NA) - WARD NO.15	2754400.00	55500.00	5000.00	6 माह
51	Construction of "E.G.S/I.C.D.S Center (Anganwadi) Building at Chirkunda Kali Dhora Nirsa	Chirkunda	CHIRKUNDA (NA) - WARD NO.13	2754400.00	55500.00	5000.00	6 माह

नोट :–
1. केवल ई– निविदा ही मान्य होगी। परिमाण विपत्र की राशि घट – बढ़ सकती है ।
2. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा ही स्वीकार्य होगी ।
3. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई0 भुगतान जिस खाता से किया जाएगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।

विशेष जानकारी के लिए : http://jharkhandtenders.gov.in देखें।

कार्यपालक अभियंता
लघु सिंचाई प्रमण्डल
धनबाद।

PR 385556 (Minor Irrigation) 26-27 (D)

विधायक चन्द्रदेव महतो ने बांटे साइकिल

बलियापुर (ससे) : प्रखंड कार्यालय परिसर में एक समारोह आयोजित स्कूली बच्चों के बीच साइकिल का वितरण किया गया। वर्ष २०२६ -२७ के कक्षा आठवीं के छात्र एवं छात्राओं के बीच कुल १५४ साइकिलें वितरित की गई।

जिसमें ४४ छात्र एवं ११० छात्राओं को साइकिल प्रदान किया गया। मुख्य अतिथि सिंदरी के विधायक चंद्रदेव महतो, प्रखंड प्रमुख पिंकी देवी, उप प्रमुख आशा देवी, बीडीओ प्रभाष चंद्र दास उप बीपीआरओ मो आलम, विधायक प्रतिनिधि हीरालाल मोदक, देवाशीष पांडेय, शीतल दत्ता, दिवाकर महतो, राधेश्याम रजक, संजय दास,अजय मोदक आदि के हाथो छात्र छात्राओं को साइकिल प्रदान किया गया।

जिप सदस्या ने किया नीट में सफल अंशिका को सम्मानित

डुमरी (ससे): बस स्टैंड समीप प्रोफेसर कॉलोनी निवासी राजेश कुमार की पुत्री अंशिका वर्मा ने नीट परीक्षा में सफलता हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। अपनी सफलता के उपरांत अंशिका ने लक्ष्मणटुंडा स्थित दुर्गा मंदिर पहुंच कर माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त किया।इस दौरान क्षेत्र के जिप सदस्या सुनीता कुमारी ने अंशिका वर्मा को नीट परीक्षा में सफलता पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।साथ ही श्रीमद् भागवत गीता देकर भविष्य में भी शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करने की कामना की।जिप सदस्या ने कहा कि अंशिका की यह उपलब्धि क्षेत्र के युवा वर्ग के लिए प्रेरणास्रोत है।

उनकी सफलता से अन्य छात्र-छात्राओं को भी कठिन परिश्रम और लगन के साथ अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी।

627 छात्राओं के नामांकन को मिली मंजूरी

बोकारो (ससे): उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय कस्तूरबा नामांकन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों एवं झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय में शैक्षणिक सत्र २०२६-२७ के नामांकन प्रस्तावों की समीक्षा की गई। प्रखंड स्तरीय कस्तूरबा नामांकन समितियों द्वारा अग्रसारित चयनित छात्राओं की सूची पर विचारोपरांत जिला स्तरीय समिति ने सर्वसम्मति से अनुमोदन करते हुए कुल ६२७ छात्राओं के नामांकन को स्वीकृति प्रदान की।

सूची के अनुसार कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, चास में ७८, चंदनकियारी में ९३, गोमिया में ८३, जरीडीह में ७६, कसमार में ५६, नावाडीह में ७०, पेटरवार में ८१, बेरमो में ४२ तथा झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय, चंद्रपुरा में ४८ छात्राओं के नामांकन को मंजूरी दी गई।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने कहा कि कस्तूरबा विद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि बालिकाओं के व्यक्तित्व निर्माण और महिला सशक्तिकरण का मजबूत माध्यम हैं। उन्होंने विद्यालयों में छात्राओं के भीतर नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास, अनुशासन एवं निर्णय लेने की योग्यता विकसित करने के लिए खेल, सांस्कृतिक, साहित्यिक तथा अन्य सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों को नियमित रूप से आयोजित करने के निर्देश दिए।

उपायुक्त ने छात्राओं की सुरक्षा एवं स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए सभी विद्यालयों में स्वच्छता व्यवस्था सुदृढ़ रखने, सीसीटीवी कैमरों की सतत कार्यशीलता बनाए रखने तथा छात्रावास एवं विद्यालय परिसर की आधारभूत सुविधाओं का नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि छात्राओं को सुरक्षित, स्वच्छ और प्रेरणादायी वातावरण उपलब्ध कराना सभी संबंधित अधिकारियों एवं विद्यालय प्रबंधन की सामूहिक जिम्मेदारी है।

जिले में सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं आधारभूत सुविधाओं को मिलेगी नई मजबूती

बोकारो (ससे): बुधवार को उपायुक्त अजय की अध्यक्षता में जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) की प्रबंधकीय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के समग्र विकास, सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार तथा विभिन्न लंबित योजनाओं के शीघ्र निष्पादन से जुड़े महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में खनन प्रभावित क्षेत्रों (प्रत्यक्ष - अप्रत्यक्ष) जिले के शेष प्रमुख सरकारी कार्यालयों, अस्पतालों, विद्यालयों, प्रखंड एवं अंचल कार्यालयों (बीडीओ/सीओ), थाना आदि के बाहरी परिसर तथा अन्य महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थलों - चौक/चौराहों पर *आधुनिक सीसीटीवी निगरानी प्रणाली स्थापित करने के प्रस्ताव पर विशेष रूप से विचार किया गया, ताकि सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं तकनीक आधारित बनाया जा सके।

इसके अलावा बैठक में डीएमएफटी से संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा करते हुए जरूरी दिशा-निर्देश दिया।

बैठक में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित क्षेत्रों के अनुमोदन, डीएमएफटी की वार्षिक प्रतिवेदन की स्वीकृति, स्मार्ट पंचायत से संबंधित प्रस्ताव तथा सिविल सर्जन-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी द्वारा भेजे गए विभिन्न प्रस्तावों पर भी चर्चा हुई।

स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से ट्रॉमा सेंटर से जुड़े प्रस्तावों तथा स्वीकृत पदों के विरुद्ध कार्यरत पैरामेडिकल कर्मियों के मानदेय भुगतान से संबंधित विषयों पर भी विचार किया गया।

बैठक के अंत में उपायुक्त ने सभी संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई समयबद्ध ढंग से सुनिश्चित करने तथा स्वीकृत प्रस्तावों को शीघ्र धरातल पर उतारने के लिए समन्वित प्रयास करने* का निर्देश दिया।

मौके पर पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा, उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, वन पदाधिकारी संदीप शिंदे, सिविल सर्जन डॉ ए बी प्रसाद, जिला खनन पदाधिकारी रवि कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी प्रवीण रंजन, जिला शिक्षा अधीक्षक श्री अतुल कुमार चौबे, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, जेएएस प्रोवेश्नर पदाधिकारी आदि उपस्थित थे।

कार्यालय, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जामताड़ा

Combined Building 2nd Floor, Block-C, jamtara, 815351

Expression of Interest (EOI)/Request For Proposal (RFP)

DMFT योजनामद अंतर्गत Implementation of digital live classroom program (Mathematics, Physics, Chemistry, Biology, Economics), focused on prescribed state board syllabus delivery, for preparation of engineering and medical competitive exams JEE and NEET, 24X7 instant personalized live learning assistance and career counseling for all students of class 10th and 12th in Government schools of Jamtara district, Jharkhand के लिए एजेंसियों को सूचीबद्ध करने हेतु Expression of interest (EoI)/ Request for Proposal (RFP) सीलबंद लिफाफा में दिनांक–14/07/2026 से आमंत्रित की जाती है। Expression of interest (EoI)/ Request for Proposal (RFP) कीतकनीकी बीड एवं वित्तीय बीड की अलग–अलग सीलबंद लिफाफे को एक बड़े सीलबंद लिफाफे में स्वीकार किया जाएगा।

जिला शिक्षा पदाधिकारी, कार्यालय जामताड़ा में प्रस्ताव जमा करने की अंतिम तिथि 27/07/2026 अपराह्न 5:00 बजे तक है। Expression of interest (EoI)/ Request for Proposal (RFP) खोलने की तिथि 28/07/2026 के अपराह्न 12:00 बजे समाहरणालय सभागार, जामताड़ा में निर्धारित है। बिना कोई कारण बताये समिति इस Expression of interest (EoI)/ Request for Proposal (RFP) को रद्द/वापस/संशोधित करने या अपने विवेकाधिकार पर निर्धारित तिथि को बढ़ाने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

Expression of interest (EoI)/ Request for Proposal (RFP)की विस्तृतनियम एवं शर्तें जिला के आधिकारिक वेबसाइड https://jamtara.nic.in उपलब्ध है।

PR.NO.385570 District(26-27):D

जिला शिक्षा पदाधिकारी, जामताड़ा।

वीबी-जीरामजी में सक्रिय श्रमिकों की संख्या बढ़ाने पर दें विशेष जोर : उपायुक्त

बोकारो (ससे): उपायुक्त अजय नाथ झा ने वीबी-जीरामजी के तहत संचालित योजनाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित बीडीओको बेरमो, चंदनकियारी, चास, जरीडीह एवं पेटरवार प्रखंड की ग्राम पंचायतों में सक्रिय (एक्टिव) श्रमिकों की संख्या बढ़ाने पर विशेष फोकस करने का निर्देश दिया।

पीएम मोदी परीक्षा पर चर्चा करते है लेकिन पेपर लीक पर चर्चा से भागते हैं : रागिनी नायक

छात्रों की गूंज: निष्पक्ष परीक्षाओं के लिए देशव्यापी आंदोलन के साथ कांग्रेस

पटना (ईएमएस): संसद मार्च भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का एक महत्वपूर्ण क्षण है। देशभर से हजारों छात्र-युवा शांतिपूर्वक इस उम्मीद के साथ दिल्ली पहुंचे कि सरकार उनकी बात सुनेगी, उनकी समस्याओं पर संवाद करेगी और उनके न्यायसंगत मांगों का समाधान करेगी। लेकिन संवाद के बजाय उन्हें पुलिस बल का सामना करना पड़ा। छात्रों पर लाठीचार्ज किया गया, महिला छात्रों के कपड़े फाड़े गए, अनेक छात्र घायल हुए और छात्राओं के साथ डराने-धमकाने तथा उत्पीड़न की घटनाएं सामने आईं।

यह बात अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी की प्रवक्ता डॉ.रागिनी नायक, नीतू वर्मा एवं मक़सूद खान ने पटना स्थित प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में आयोजित संयुक्त प्रेस वार्ता में कही। डॉ.रागिनी नायक ने कहा कि राहुल गांधी कांग्रेस सांसदों के साथ प्रदर्शनकारी छात्रों की मांगों को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के समक्ष रखने और उनसे मुलाकात करने के लिए प्रधानमंत्री आवास की ओर मार्च कर रहे थे। लेकिन उनकी बात सुनने के बजाय राहुल गांधी और विपक्षी सांसदों को रोककर हिरासत में ले लिया गया। हम राहुल गांधी और कांग्रेस सांसदों पर हुए हमले तथा उनकी हिरासत की कड़ी निंदा करते हैं। यह लोकतांत्रिक अधिकारों और शांतिपूर्ण विरोध के अधिकार पर सीधा हमला है।

मोदी सरकार के विरोध और प्रदर्शनकारी छात्रों के समर्थन में शाम को मशाल जुलूस आयोजित किया जाएगा। छात्र कोई अनुचित मांग नहीं कर रहे हैं। उनकी मांग केवल इतनी है कि परीक्षाएं निष्पक्ष और पारदर्शी हों, उनका भविष्य सुरक्षित हो, पेपर लीक मामलों की निष्पक्ष जांच हो और दोषियों को कड़ी सजा मिले। जब सरकार ने संवाद के बजाय दमन का रास्ता चुना, तब लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी स्वयं प्रधानमंत्री आवास की ओर मार्च करते हुए यह मांग करने पहुंचे कि प्रधानमंत्री छात्रों से मिलें, उनकी बातें सुनें और देश के युवाओं को जवाब दें। इसी पृष्ठभूमि में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने अपने राष्ट्रव्यापी छात्रों की गूंज अभियान को और तेज़ किया है। यह अभियान उन करोड़ों छात्रों की आवाज़ को बुलंद करने का आंदोलन है, जो पेपर लीक, परीक्षा अनियमितताओं, भर्ती में देरी, बेरोज़गारी और सार्वजनिक शिक्षा व्यवस्था के लगातार कमजोर होने से प्रभावित हुए हैं। पिछले १२ वर्षों में देशभर में कम-से-कम १५२ पेपर लीक की घटनाओं से ७.५ करोड़ से अधिक छात्र प्रभावित हुए हैं। परीक्षाएं रद्द हुईं, परिणामों में देरी हुई और भर्ती प्रक्रियाएं ठप पड़ गईं। इससे पूरी एक पीढ़ी का भविष्य संकट में आ गया है। ये घटनाएं मोदी सरकार की संगठित पेपर लीक माफिया पर कार्रवाई करने में विफलता और जवाबदेही तय करने से लगातार इनकार को उजागर करती हैं। नीट-यूजी २०२६ का संकट सरकार की परीक्षा प्रणाली की विफलता का सबसे बड़ा उदाहरण बन गया है। ३ मई को आयोजित परीक्षा में २२ लाख से अधिक छात्रों ने हिस्सा लिया था। पेपर लीक का खुलासा होने के बाद परीक्षा रद्द करनी पड़ी और छात्रों को २१ जून २०२६ को दोबारा परीक्षा देने के लिए मजबूर किया गया। री-नीट परीक्षा से पहले के दौर में कम-से-कम २१ नीट अभ्यर्थियों द्वारा आत्महत्या किए जाने की खबरें सामने आईं।

इसके बावजूद भाजपा सरकार पूरी तरह मौन रही और छात्रों व उनके परिवारों को अकेले इस संकट का सामना करना पड़ा। री-नीट परीक्षा भी छात्रों का विश्वास बहाल नहीं कर सकी। परिणाम घोषित होने के बाद अनेक छात्रों ने आरोप लगाया कि उनके द्वारा दिए गए उत्तर, एनटीए द्वारा अपलोड की गई स्कैन ओएमआर शीट और अंतिम स्कोरकार्ड में गंभीर अंतर है। कई मामलों में ५९५ अंक अपेक्षित होने के बावजूद लगभग ६० अंक, ६०९ अंक के स्थान पर १६७ अंक, तथा ७०२ अंक के स्थान पर मात्र ८७ अंक दर्शाए गए। एक छात्र को अपने उत्तरों पर आपत्ति दर्ज कराने के लिए प्रति प्रश्न २०० रूपये की दर से कुल २७,८०० रुपया जमा करने पड़े। छात्रों की शिकायतों का पारदर्शी समाधान करने के बजाय एनटीए द्वारा कथित रूप से उन्हें कानूनी कार्रवाई की धमकी दी गई।

कांग्रेस पार्टी ने मांग की है कि पूरी परीक्षा प्रक्रिया का स्वतंत्र ऑडिट कराया जाए तथा मूल ओएमआर शीट, स्कैन कॉपी, मशीन द्वारा रिकॉर्ड किए गए उत्तर, अंतिम उत्तर कुंजी, प्रश्नवार अंक और मूल्यांकन प्रक्रिया में किए गए प्रत्येक बदलाव का समय-चिह्नित रिकॉर्ड सार्वजनिक किया जाए। यह संकट केवल प्रतियोगी परीक्षाओं तक सीमित नहीं है। सीबीएसई की ऑन-स्क्रीन मार्किंग प्रणाली, यूजीसी-नेट समाजशास्त्र प्रश्नपत्र लीक तथा अन्य कई घटनाओं ने परीक्षा प्रणाली में गहरी संस्थागत कमियों को उजागर किया है और छात्रों का विश्वास बुरी तरह कमजोर किया है। रागिनी नायक ने आगे कि ओडिशा में कक्षा १ से ८ तक की नई पाठ्यपुस्तकों में १,६७८ त्रुटियां पाए जाने की खबरें सामने आईं। वहीं सीबीएसई की ऑन-स्क्रीन मूल्यांकन प्रणाली पर धुंधली स्कैन कॉपियां, पन्ने गायब होने, गलत मूल्यांकन और टेंडर प्रक्रिया में पक्षपात जैसे गंभीर आरोप लगे हैं।

देश के अनेक राज्यों में शिक्षक भर्ती तथा अन्य सरकारी भर्तियां गलत उत्तर कुंजी, प्रशासनिक लापरवाही और अनावश्यक देरी के कारण वर्षों से लंबित हैं। सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी है, जबकि राज्य विश्वविद्यालय पर्याप्त शिक्षकों, बुनियादी ढांचे और शैक्षणिक संसाधनों के अभाव से जूझ रहे हैं। इसका सबसे अधिक नुकसान उन छात्रों को हो रहा है, जिनके लिए सरकारी शिक्षा ही सामाजिक और आर्थिक उन्नति का सबसे बड़ा माध्यम है। राहुल गांधी इस पूरे संघर्ष में लगातार छात्रों के साथ खड़े रहे हैं। उन्होंने १७ जून को कोटा में छात्रों, अभिभावकों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के साथ संवाद कर छात्रों की गूंज अभियान की शुरुआत की।

इसके बाद १७ जुलाई २०२६ को देहरादून में भी उन्होंने छात्रों से मुलाकात की, जहां युवाओं ने पेपर लीक, भर्ती में देरी, बेरोज़गारी और घटते अवसरों को लेकर अपनी चिंताएं साझा कीं। नीट, जेईई, यूपीएससी, एसएससी, रेलवे तथा विभिन्न राज्य स्तरीय परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्र कोर्चिंग, यात्रा, रहने और आवेदन शुल्क पर लाखों रुपये खर्च करते हैं। इसके बावजूद उन्हें यह भरोसा नहीं होता कि प्रश्नपत्र सुरक्षित रहेगा, परिणाम समय पर आएंगे या भर्ती प्रक्रिया पूरी होगी। ऐसी परीक्षा व्यवस्था, जो छात्रों से लगातार पैसा ले लेकिन निष्पक्षता, पारदर्शिता और समयबद्ध भर्ती की गारंटी न दे सके, अवसर का नहीं बल्कि शोषण का माध्यम बन चुकी है।

हाई सिक्योरिटी जोन में नियमों की अनदेखी का लगाया आरोप : सीएम सम्राट

पटना (एजेंसी): मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (द) पर विपक्ष के नेता राहुल गांधी के आचरण को लेकर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि हाई सिक्योरिटी जोन में राहुल गांधी ने नियमों की अनदेखी की, जो संवैधानिक मूल्यों और लोकतांत्रिक मर्यादाओं के प्रतिकूल है। सीएम सम्राट ने कहा कि क्षणिक राजनीतिक लाभ और सुर्खियां बटोरने की कोशिश में किया गया ऐसा व्यवहार विपक्ष के नेता जैसे संवैधानिक पद की गरिमा पर भी सवाल खड़ा करता है।

मुख्यमंत्री ने अपने पोस्ट में कहा कि राजनीति में मतभेद होना स्वाभाविक हैं, लेकिन संवैधानिक संस्थाओं, सुरक्षा प्रोटोकॉल और सार्वजनिक मर्यादाओं का सम्मान सर्वोपरि होना चाहिए। उनके अनुसार, लोकतांत्रिक पदों की गरिमा को आहत करने वाला कोई भी आचरण किसी भी दृष्टि से उचित नहीं ठहराया जा सकता। उन्होंने आगे कहा कि देश अपेक्षा करता है कि सार्वजनिक जीवन में नेताओं का आचरण भी उतना ही जिम्मेदार, संयमित और मर्यादित हो, जितनी बड़ी जिम्मेदारी उनके पद के साथ जुड़ी होती है। उन्होंने लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक परंपराओं के पालन पर जोर दिया।

दरअसल बीते मंगलवार कांग्रेस नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, सपा के प्रमुख नेता अखिलेश यादव समेत कई विपक्षी नेता पीएमओ आवास के सामने बैठकर धरना दे रहे थे। कॉकरोच जनता पार्टी द्वारा लगातार कथित नीट पेपर लीक, शिक्षा व्यवस्था में हुई गड़बड़ियां और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर आंदोलन चल रहा है। बीते दिनों दिल्ली पुलिस द्वारा जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे प्रदशनकारियों पर जमकर लाठियां बरसाईं गई और आंसू गैस के गोले दागे गए। इसमें कई छात्र घायल हुए।

इसी के विरोध में विपक्षी नेता धरना देने बैठे थे। धरना पर बैठे नेताओं को पुलिस हिरासत में ली थी। इसी मुद्दे को लेकर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने यह ट्वीट किया है।

बांकीपुर उपचुनाव के बीच पुलिस पहुंची पीके के होटल तक

पटना,(ईएमएस): बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के बीच जन सुराज पार्टी ने पटना पुलिस पर चुनावी माहौल में दबाव बनाने के उद्देश्य से कार्रवाई करने का आरोप लगाया है। पार्टी के प्रदेश सचिव रवि नारायण सिंह ने दावा किया कि पुलिस ने उनके होटलों, आवास और पार्टी कार्यकर्ताओं के ठिकानों पर छापेमारी की तथा पुराने गेस्ट रजिस्टर मांगे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार रवि नारायण सिंह का कहना है कि रजिस्टर तत्काल उपलब्ध नहीं होने पर होटल सील करने और जेल भेजने की चेतावनी दी गई। उनका कहना है कि पुलिस ने दोनों होटलों की तलाशी ली, लेकिन कोई आपत्तिजनक सामग्री नहीं मिली। इसके बाद उनके आवास और अन्य कार्यकर्ताओं के ठिकानों पर भी कार्रवाई की गई।

जन सुराज ने यह भी दावा किया कि १९ जुलाई की रात पुलिस होटल कैरोलिना पहुंची, जहां पार्टी संस्थापक प्रशांत किशोर ठहरे हुए थे। वहां तलाशी को लेकर काफी देर तक बहस हुई, जिसके बाद पुलिस लौट गई। पार्टी ने आरोप लगाया कि उसके कई पदाधिकारियों को धमकी भरे फोन भी मिल रहे हैं और उनकी गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है।

एलएलबी छात्रा हत्याकांड: थानाध्यक्ष चौकीदार निलंबित, मुख्य आरोपी गिरफ्तार

गयाजी,(ईएमएस): बहुचर्चित कानून (एलएलबी) छात्रा दिव्या कुमारी पासवान हत्याकांड में पुलिस मुख्यालय ने बड़ी कार्रवाई कर शेरघाटी थानाध्यक्ष मोहन कुमार और चौकीदार देवेंद्र कश्यप को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर उनके खिलाफ विभागीय जांच शुरु कर दी है। वहीं, मामले के मुख्य आरोपित राहुल कुमार यादव को गिरफ्तार कर पूछताछ के बाद झारखंड पुलिस को सौंपा गया है।

वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) सुशील कुमार द्वारा जारी आदेश के अनुसार, जांच में पुलिस की गंभीर लापरवाही सामने आई है। मृतका दिव्या अनुसूचित जाति (एससी) समुदाय से थी, इसके बावजूद प्राथमिकी में एससी-एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम की धाराएं नहीं जोड़ी गईं। आरोप है कि इसी चूक का लाभ उठाकर आरोपित को न्यायालय से जमानत मिल गई थी। जांच में सामने आया कि चौकीदार कश्यप ने पीड़ित पक्ष के साथ अभद्र व्यवहार किया, उन्हें डांट-फटकार लगाई और मुख्य आरोपित यादव से उसकी संलिप्तता के संकेत मिले हैं। इसके अलावा, उसने मामले से जुड़े कई तथ्यों को भी छिपाया। जांच रिपोर्ट में कुछ पत्रकारों द्वारा ब्लैकमेलिंग और रंगदारी की पुष्टि भी हुई है। इन गंभीर चूकों के मद्देनजर एसएसपी ने थानाध्यक्ष और चौकीदार दोनों को निलंबित करने का आदेश दिया। इधर, शेरघाटी पुलिस ने मुख्य आरोपित राहुल कुमार को गिरफ्तार किया है।

विराट-अनुष्का फिर पहुंचे वृंदावन, गुरु पूर्णिमा से पहले प्रेमानंद महाराज का लिया आशीर्वाद

मथुरा (ईएमएस): भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और अभिनेत्री अनुष्का शर्मा एक बार फिर आध्यात्मिक नगरी वृंदावन पहुंचे। गुरु पूर्णिमा (२९ जुलाई) से पहले दोनों ने अपने गुरु संत प्रेमानंद महाराज का आशीर्वाद लिया। इस दौरान उनकी सादगी ने सभी का ध्यान खींचा। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में विराट और अनुष्का आश्रम की ओर जाते हुए कीचड़ में नंगे पैर चलते दिखाई दे रहे हैं, जिसकी लोग खूब सराहना कर रहे हैं। विराट और अनुष्का ने वृंदावन स्थित श्री हित राधा केली कुंज आश्रम पहुंचकर संत प्रेमानंद महाराज से मुलाकात की और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। दोनों लंबे समय से प्रेमानंद महाराज के शिष्य हैं और जीवन के महत्वपूर्ण अवसरों पर उनका आशीर्वाद लेने वृंदावन आते रहे हैं। इस बार भी गुरु पूर्णिमा से पहले उनकी यह यात्रा चर्चा का विषय बन गई।

दरभंगा में युवक को चाकू मार कर हत्या 2.5 लाख लूटकर फरार हुए बदमाश

दरभंगा पटना (एजेंसी): दरभंगा जिले के केवटी थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात कुछ बदमाशों ने एक युवक से करीब २.५ लाख रुपये लूट लिये। बदमाशों ने विरोध करने पर चाकू से वार किया। इलाज के दौरान घायल युवक की मौत हो गई। दुकान का पैसा लेकर मालिक के घर जा रहा था। मौत की खबर गांव में आग की तरह फैल गई। इस घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। घटना करीब ९:३० बजे छतवन गांधी चौक के पास हुई। इस घटना के बाद इलाके में दहशत फैल गई है।

मृतक की पहचान छतवन गांधी चौक निवासी २२ वर्षीय मो. रेहान के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि रेहान, मो. अफरोज का पुत्र था। वह छतवन आजाद चौक स्थित पप्पू हार्डवेयर दुकान पर काम करता था और दुकान के हिसाब-किताब देखता था। रेहान दुकान के करीब ढाई लाख रुपये लेकर मालिक को देने उनके गांव जा रहा था। इसी दौरान कुछ बदमाशों ने लूटपाट करने की मंशा से रास्ते में उसकी बाइक रोक दिया। लूटपाट का विरोध करने पर बदमाशों ने रेहान पर चाकू से हमला कर दिया और रुपये लूटकर फरार हो गए। चाकू के वार से रेहान गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलते ही केवटी थानाध्यक्ष राहुल कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केवटी-रनवे में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। रेहान की मौत की खबर गांव में आग की तरह फैल गई, जिसके बाद परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर रात करीब एक बजे पोस्टमार्टम के लिए डीएमसीएच भेज दिया है। फिलहाल मामले की जांच है। पुलिस बदमाशों की तलाश में है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी से भी शर्म नहीं: भ्रष्टाचारियों को मिले मृत्युदंड : इलाहाबाद हाईकोर्ट

प्रयागराज,(ईएमएस): इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन ने देश में बढ़ते भ्रष्टाचार पर अत्यंत कठोर टिप्पणी की है। उन्होंने कहा है कि राम मंदिर में आए दान की चोरी के बाद भी लोगों में कोई शर्मिंदगी नहीं दिखती, जो ईमानदारी का सबसे निचला स्तर दिखाता है। न्यायमूर्ति श्रीधरन ने सुझाव दिया कि भ्रष्टाचार के दोषियों को मृत्युदंड का प्रावधान होना चाहिए।

अपने फैसले में न्यायमूर्ति श्रीधरन ने लिखा कि दशकों से औसत भारतीय ने भ्रष्टाचार को सामान्य बात बना लिया है। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की रिपोर्ट में भारत ९१वें स्थान पर है, लेकिन इससे भी हमें शर्म नहीं आती। उनके अनुसार, राम मंदिर के लिए आए दान में हुई चोरी का विवाद ऊंट की पीठ पर आखिरी तिनका साबित हुआ, जिससे पता चलता है कि लोगों को अब कुछ भी शर्मिंदा नहीं कर सकता।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नगर निगम और अन्य प्राधिकारियों के भ्रष्ट अधिकारियों की मिलीभगत पर सवाल उठाया। पीठ ने कहा कि इसतरह के अधिकारी रिश्वत लेकर अवैध निर्माणों से आंखें मूंद लेते हैं, और अंततः आम खरीदार को भुगतना पड़ता है जब उसका घर गिरा दिया जाता है। न्यायमूर्ति ने जोर दिया कि राज्य के भ्रष्ट एजेंट यानी नौकरशाही भी अवैध कब्जे में उतनी ही दोषी है और उन्हें भी कानून के अनुसार सजा मिलनी चाहिए।

हमीरपुर के फैमुद्दीन व दो अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए, न्यायमूर्ति श्रीधरन ने निर्देश दिया कि मुकदमा दर्ज होने की तारीख से दो वर्ष तक किसी आरोपी का घर ध्वस्त न किया जाए और यदि कोई व्यक्ति तीन वर्ष या उससे अधिक समय से रह रहा है, तब प्राधिकरण ध्वस्तीकरण से वर्ष भर पहले सूचना दे। हालांकि, खंडपीठ के दूसरे न्यायमूर्ति सिद्धार्थनंदन ने इन निर्देशों से असहमति जताकर कहा कि हाई कोर्ट को ऐसी निश्चित समय-सीमा तय करने का अधिकार नहीं है, और लोग कार्रवाई से बचने के लिए एफआईआर दर्ज करा सकते हैं। याचियों ने बुलडोजर कार्रवाई से संरक्षण मांगा था।

इस असहमति के चलते, यह प्रकरण अब तीसरे न्यायमूर्ति को संदर्भित किया जाएगा।

यमुना में 5 किलोमीटर तक हजारों मृत मछलियां

कानपुर,(ईएमएस):कानपुर देहात में यमुना नदी के करीब पाँच किलोमीटर लंबे हिस्से में हजारों मृत मछलियां मिलने से हड़कंप मच गया। नयापुरवा से मनकी पक्के घाट और क्योटरा तक नदी किनारे बिछी मछलियों को देखकर ग्रामीणों में दहशत फैल गई। यह घटना पानी की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है। ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने पहले इतनी बड़ी संख्या में मछलियों को मरते नहीं देखा। कुछ मछलियां पानी में तड़पती भी दिखाई दीं।

हालांकि, कुछ ग्रामीण मृत मछलियों को अपने घरों में भी ले गए, जिस पर विशेषज्ञों ने स्वास्थ्य जोखिम की चेतावनी दी है। प्रदूषित या रसायनयुक्त पानी से मरी मछलियों का सेवन गंभीर विषाक्तता का कारण बन सकता है।

प्रारंभिक जांच में आशंका है कि ऊपरी क्षेत्रों से आए प्रदूषित या रसायनयुक्त पानी और नदी में बीओडी (बायोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड) के स्तर में वृद्धि इसकी मुख्य वजह है। जिला कार्यकारी अधिकारी (मत्स्य) रमाकांत निरंजन ने बताया कि बीओडी बढ़ने से घुलित ऑक्सीजन की मात्रा कम हो जाती है, जिससे मछलियों को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल पाती और उनकी मौत हो जाती है। क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण अधिकारी मनोज चौरसिया ने इसकी पुष्टि की कि बारिश के दौरान नदी में सिल्ट और अपशिष्ट पदार्थ बहकर आते हैं, जो जलीय जीवों को प्रभावित करते हैं। उन्होंने बताया कि घटनास्थल के आसपास कोई औद्योगिक इकाई नहीं है, इसलिए प्रदूषित पानी ऊपरी क्षेत्रों से ही आया होगा। नदी के किनारों पर कम जलस्तर और पानी के ठहराव से हानिकारक तत्वों का प्रभाव बढ़ गया हो सकता है। पानी के नमूनों को जांच के लिए भेजा गया है और रिपोर्ट आने के बाद ही मछलियों की मौत का वास्तविक कारण स्पष्ट हो पाएगा। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल पानी की जांच कराने, वास्तविक कारणों को सार्वजनिक करने और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की है।

मुंबई में आतंकी साजिश का हुआ खुलासा

यूपी एटीएस की जांच में आईएसआई कनेक्शन के संकेत

बलरामपुर,(ईएमएस): उत्तर प्रदेश एंटी टेररिस्ट स्कॉड (एटीएस) ने मुंबई में संभावित आतंकी साजिश का खुलासा करते हुए दावा किया है कि बलरामपुर निवासी शहरोज पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और पाकिस्तानी गैंगस्टरों के संपर्क में था। एटीएस के अनुसार, आरोपी मुंबई में अपना नेटवर्क तैयार कर हिंदूवादी नेताओं और संगठनों को निशाना बनाने की योजना पर काम कर रहा था, जिससे सांप्रदायिक तनाव फैलाया जा सके।

जांच एजेंसी का दावा है कि शहरोज को पाकिस्तान के गैंगस्टर शहजाद भट्टी और कथित आईएसआई एजेंट जसवीर चौधरी से निर्देश मिल रहे थे। उसे राजस्थान के श्रीगंगानगर जाकर ड्रोन के जरिए पाकिस्तान से भेजे जाने वाले हथियार और विस्फोटक प्राप्त करने को कहा गया था। हथियार हासिल करने के बाद उसे मुंबई लौटकर आगे के निर्देश मिलने थे।

479 साल पुरानी गोवर्धन की मुड़िया परिक्रमा: आस्था और परंपरा का अनूठा संगम

मथुरा,(ईएमएस) : आस्था और भक्ति का प्रतीक गोवर्धन की प्रसिद्ध मुड़िया परिक्रमा हर साल गुरु पूर्णिमा के पावन मौके पर निकाली जाती है। करीब ४७९ साल पुरानी परंपरा गोवर्धन पर्वत की उस मूल परिक्रमा से जुड़ी है, जिस भगवान श्रीकृष्ण ने इंद्र के मान-मर्दन के बाद स्थापित किया था। पौराणिक कथा के अनुसार, श्रीकृष्ण ने ब्रजवासियों को इंद्र की पूजा से मना कर गोवर्धन की आराधना के लिए प्रेरित किया।

इससे क्रोधित होकर इंद्र ने मूसलाधार बारिश कराई, तब श्रीकृष्ण ने अपनी कनिष्ठा उंगली पर गोवर्धन पर्वत उठाकर ब्रजवासियों की रक्षा की। इसी घटना के बाद से गोवर्धन परिक्रमा की परंपरा चली आ रही है।

हालांकि, विशेष मुड़िया परिक्रमा का संबंध गौड़ीय संप्रदाय के आचार्य श्रीपाद सनातन गोस्वामी से है। लगभग ४७९ वर्ष पहले, चैतन्य महाप्रभु के आदेश पर ब्रजभूमि आए सनातन गोस्वामी ने वृंदावन के बाद गोवर्धन को अपनी भजन स्थली बनाया था। सिर मुंडवाकर भजन-साधना में लीन रहने के कारण उन्हें मुड़िया बाबा के नाम से जाना जाने लगा। गोवर्धन पर्वत की परिक्रमा उनके नित्य कर्म का हिस्सा थी।

जब गुरु पूर्णिमा के दिन सनातन गोस्वामी ने देह त्यागी, तब उनके अनुयायियों ने गुरु की आज्ञा का पालन करते हुए उनकी स्मृति में अपने सिर का मुंडन कराया और शोभायात्रा के रूप में गोवर्धन पर्वत की सात कोस की परिक्रमा की। तभी से यह भक्तिपूर्ण परंपरा अनवरत चली आ रही है और आज भी उसी श्रद्धा के साथ निभाई जाती है।

आज भी गुरु पूर्णिमा के दिन गौड़ीय संप्रदाय के मुड़िया संत, ढोल-मंजीरों की थाप पर भजन-कीर्तन करते हुए २१ किलोमीटर लंबी इस परिक्रमा को पूरी करते हैं। परिक्रमा आरंभ करने से पूर्व गोवर्धन पर्वत का विधिवत पूजन और दुग्धाभिषेक किया जाता है। भक्ति में सराबोर यह शोभायात्रा गोवर्धन में आयोजित होने वाले सात दिवसीय मुड़िया मेले का सबसे प्रमुख और भावपूर्ण आयोजन होता है। मुड़िया संत रामकृष्ण दास जैसे कई अनुयायियों का मानना है कि गोवर्धन की परिक्रमा करने से वैकुंठ की प्राप्ति होती है। यह विशेष परिक्रमा गुरु-शिष्य परंपरा और अटूट आस्था का जीवंत प्रमाण है।

न्याय का सुनाई देना काफी नहीं, न्याय होता दिखना भी चाहिए : हेमंत सोरेन

रांची (एजेंसी): झारखंड में सिस्टम हाईअलर्ट पर है। प्रदेश में चल रही प्रत्येक गतिविधि पर सरकार की निगाह है। संभव है कि थोड़ी देर होगी, लेकिन दोषियों को सजा और पीड़ितों को न्याय जरूर मिलेगा। ये बदलाव का दौर है और जड़ जमा चुकी समस्याओं को ठीक करने में थोड़ा वक्त लगता है। १४वीं जेपीएससी पीटी परीक्षा में कथित गड़बड़ी को लेकर कार्रवाई के सवाल पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अभ्यर्थियों को यह भरोसा दिया है।

मंगलवार को कैबिनेट की मीटिंग के बाद मीडिया से मुखातिब मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि हमारी सोच पर कोई सवाल या खोट हो तो बताइये। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार गांव हो या शहर, प्रत्येक नागरिक के लिए काम करने का प्रयास करती है। इसमें कभी सफलता मिलती है और कभी नहीं, लेकिन प्रयासों में कोई कमी हो तो बताइये। जेपीएससी पीटी परीक्षा में कथित गड़बड़ी की शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने कहा कि न्याय का केवल सुनाई देना काफी नहीं है, न्याय होता दिखना भी चाहिए।

गौरतलब है कि १४वीं जेपीएससी पीटी परीक्षा में कथित धांधली की शिकायतों की जांच सीआईडी और रांची पुलिस कर रही है। बीते मंगलवार को सीआईडी और रांची पुलिस की संयुक्त टीम ने जेपीएससी दफ्तर में छापेमारी की थी। कार्रवाई के दौरान आयोग की असिस्टेंट परीक्षा नियंत्रक श्वेता गुप्ता और राजवीर सिंह समेत ४ लोगों को गिरफ्तार किया है। मंगलवार की रात को ही सीआईडी ने पोड़ैयाहाट से प्रखंड आपूर्ति

पदाधिकारी अभय कुमार तिवारी उर्फ मनोज तिवारी को भी गिरफ्तार किया है। इनसे पूछताछ की जा रही है। परीक्षा आयोजित कराने वाली एजेंसी टीडीपीएल के दफ्तर में छापा मारकर डिजिटल उपकरण और दस्तावेज जब्त किया है। दफ्तर को सील भी किया गया है। आरोपियों से पूछताछ के जरिये पूरे नेटवर्क को खंगालने का प्रयास किया जा रहा है।

इस बीच जेपीएससी के चेयरमैन एल खियांगते ने अपने पद से इस्तीफा दिया है। जानकारी मिली है कि मुख्यमंत्री ने कथित गड़बड़ी में जवाबदेही तय करते हुए एल खियांगते का इस्तीफा लिया है। जेपीएससी ने १४वीं जेपीएससी की प्रस्तावित मुख्य परीक्षा को अगले आदेश तक स्थगित किया है।

हमारी सरकार की प्राथमिकता सभी का हित!

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार सबकी है। हमारी प्राथमिकता सभी नागरिकों का हित है, चाहे उसने हमें वोट किया हो या नहीं। सीएम हेमंत ने कहा कि पक्षपात के बिना न्याय सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है। सीएम हेमंत ने अपने कार्यकाल को झारखंड का ट्रांजिशन फेज बताते हुए कहा कि उतार-चढ़ाव होता है। हमने कई परीक्षाओं का सफल आयोजन कराया है, लेकिन पूर्ववर्ती सरकार ने तो सरकारी नौकरी दी ही नहीं। उन्होंने कहा कि सिस्टम में कई लोग वर्षों से छिपे बैठे हैं। वे गलत गतिविधियों में लिप्त हैं। वक्त लगता है लेकिन ऐसे लोगों को चिन्हित करके उनके खिलाफ कार्रवाई की जायेगी। सबकी जवाबदेही तय की जायेगी और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई भी होगी।

मुख्यमंत्री ने युवाओं से धैर्य धारण करने को कहा

सीएम हेमंत ने कहा कि युवा, किसान, महिलायें, बेरोजगार सभी वर्ग के नागरिकों पर हमारी नजर है। रफ्तार धीमी हो सकती है, लेकिन सुधार की कवायद में कोई कमी नहीं है। सीएम हेमंत ने कहा वर्षों से दूषित हो चुके सिस्टम को जादुई छड़ी से ठीक नहीं किया जा सकता है। सुधार के लिए प्रक्रिया के तहत काम करना होगा। सीएम हेमंत ने कहा कि युवाओं को घबराना नहीं चाहिए और सरकार पर यकीन करना चाहिए। हमारी मंशा पर भरोसा करना चाहिए। व्यवस्था सुधरेगी और न्याय भी सुनिश्चित होगा।

केंद्रीय कोयला व खान मंत्री ने कोल नीर प्लांट का वर्चुअल माध्यम से किया उद्घाटन

धनबाद (कासं): नई दिल्ली में कोयला मंत्रालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम में केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने वर्चुअल माध्यम से बीसीसीएल के पुटकी-बलिहारी (पीबी) क्षेत्र में स्थापित अत्याधुनिक 'कोल नीर' आरओ बॉटलिंग प्लांट सहित कोल इंडिया की विभिन्न अनुषंगी कंपनियों द्वारा स्थापित अन्य 'कोल नीर' पेयजल संयंत्रों का लोकार्पण किया। इस पहल का उद्देश्य कोयला क्षेत्रों में सुरक्षित एवं सतत पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करना तथा खदानों से निकलने वाले माइन वाटर का वैज्ञानिक शोधन कर उसे सुरक्षित पेयजल के रूप में उपयोग में लाना है।

इस अवसर पर केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान विभाग के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, कोयला मंत्रालय के सचिव विक्रम देव दत्त, अपर सचिव सनोज कुमार झा, अपर सचिव रूपिंदर बरार, कोयला नियंत्रक सजीश कुमार एन. सहित मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कोल इंडिया के चेयरमैन बी. साईंराम, बीसीसीएल के सीएमडी मनोज कुमार अग्रवाल, विभिन्न अनुषंगी कंपनियों के सीएमडी एवं निदेशकगण तथा बीसीसीएल के निदेशक (तकनीकी) संजय कुमार सिंह एवं निदेशक (तकनीकी/परियोजना एवं योजना) राजीव कुमार सिन्हा ने भी सहभागिता की।

अपने संबोधन में जी. किशन रेड्डी ने कहा कि कोयला मंत्रालय ऊर्जा सुरक्षा के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग तथा खनन प्रभावित क्षेत्रों के सतत विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि 'कोल नीर' परियोजना माइन वाटर के वैज्ञानिक शोधन के माध्यम से स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने की अभिनव पहल है, जो पर्यावरणीय उत्तरदायित्व, सामुदायिक कल्याण एवं स्थानीय विकास को नई गति प्रदान करेगी।

लगभग दो करोड़ रुपये की लागत से बीसीसीएल द्वारा स्थापित पुटकी-बलिहारी 'कोल नीर' संयंत्र की उत्पादन क्षमता ३ हजार लीटर प्रति घंटा है तथा यह सेमी-ऑटोमैटिक तकनीक पर आधारित है। संयंत्र में प्री-ट्रीटमेंट, रिवर्स ऑस्मोसिस, यूवी स्टेरिलाइजेशन, ओजोनेशन, स्वचालित बॉटल निर्माण, रिंसिंग, फिलिंग, कैपिंग, लेबलिंग, पैकेजिंग एवं गुणवत्ता परीक्षण जैसी आधुनिक प्रक्रियाओं के माध्यम से २५० मि.ली., ५०० मि.ली., १ लीटर की बोतलों तथा २० लीटर जार में सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। संयंत्र का संचालन महिला स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से किया जाएगा, जिससे स्थानीय महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण एवं रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा। प्रारंभिक चरण में 'कोल नीर' का उपयोग बीसीसीएल मुख्यालय, विभिन्न क्षेत्रों, सरकारी कार्यालयों एवं अन्य संस्थानों में किया जाएगा।

पीबी क्षेत्र में आयोजित उद्घाटन समारोह में बीसीसीएल के निदेशक (मानव संसाधन) मुरली कृष्ण रमैया, निदेशक (वित्त) राजेश कुमार, क्षेत्रीय महाप्रबंधक (पीबी क्षेत्र) जयंता कुमार दास, कोयला भवन एवं पीबी क्षेत्र के वरिष्ठ अधिकारी, बीसीसीएल सीसीसी एवं वेलफेयर बोर्ड के सदस्य, कर्मचारी तथा अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। अपने संबोधन में निदेशक (मानव संसाधन) एवं निदेशक (वित्त) ने कहा कि 'कोल नीर' परियोजना जल संरक्षण, पर्यावरणीय उत्तरदायित्व, महिला सशक्तिकरण, रोजगार सृजन तथा सामुदायिक कल्याण की दिशा में बीसीसीएल की एक महत्वपूर्ण एवं दूरदर्शी पहल है। उद्घाटन के उपरांत उपस्थित अधिकारियों एवं श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने संयंत्र का निरीक्षण कर इसकी आधुनिक सुविधाओं एवं जल शुद्धिकरण प्रक्रिया की सराहना की।

अनंतनाग में आतंकी हमला, हेड कॉन्स्टेबल की मौत

अमरनाथ यात्रियों की सुरक्षा में तैनात थे; द रेजिस्टेंस फ्रंट ने जिम्मेदारी ली

श्रीनगर (ईएमएस): कश्मीर स्थित अनंतनाग जिले के लाल चौक इलाके में बुधवार को आतंकियों ने हमला किया। इसमें हेड कॉन्स्टेबल (३५ साल) की मौत हो गई। अधिकारियों के मुताबिक दोपहर करीब १२:३० बजे आतंकियों ने अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों पर अचानक फायरिंग की।

सुरक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई की, जिसके बाद दोनों तरफ से गोलियां चलीं। इस दौरान हेड कॉन्स्टेबल आशिक हुसैन कुरैशी जख्मी हो गए। उन्हें तुरंत सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हमले के बाद आतंकी भाग गए। लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट ने हमले की जिम्मेदारी ली है। जिस जगह फायरिंग हुई, वह शहर का मुख्य बाजार है। यहां आम दिनों में भी काफी भीड़ रहती है।

सभी रास्तों पर नाकेबंदी, आतंकियों की तलाश तेज

घटना के तुरंत बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे लाल चौक और आसपास के इलाके की घेराबंदी कर दी। अतिरिक्त सुरक्षा बल मौके पर भेजे गए और आतंकियों की तलाश में बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। इलाके में आने-जाने वाले सभी रास्तों पर नाकेबंदी कर वाहनों और लोगों की गहन जांच की जा रही है। सुरक्षा एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि हमले में कितने आतंकी शामिल थे और फायरिंग के बाद वे किस दिशा में भागे।

झारखंड पूर्वी भारत का पहला राज्य जहां एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस की पढ़ाई और एयर होस्टेस का प्रशिक्षण होगा

रांची (एजेंसी): झारखंड जल्द ही पूर्वी भारत का पहला ऐसा राज्य बनने जा रहा है, जहां सरकारी स्तर पर एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस इंजीनियरिंग (एएमई) और एयर होस्टेस प्रशिक्षण पाठ्यक्रम संचालित होंगे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पहल पर झारखंड फ्लाइंग इंस्टीट्यूट ने इन पाठ्यक्रमों की शुरुआत की तैयारी पूरी कर ली है। दोनों कोर्सों का औपचारिक शुभारंभ नवंबर में राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री करेंगे। एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस इंजीनियरिंग (एएमई) पाठ्यक्रम के संचालन के लिए झारखंड फ्लाइंग इंस्टीट्यूट ने दिल्ली की संस्था मेसर्स वेन्योर के साथ एमओयू किया है। वहीं, एयर होस्टेस प्रशिक्षण के लिए एआईएसईसीटी लिमिटेड, भोपाल के साथ करार किया गया है। इन पाठ्यक्रमों का संचालन धनबाद स्थित झारखंड फ्लाइंग इंस्टीट्यूट के आधारभूत ढांचे पर पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल के तहत किया जाएगा। राज्य सरकार के अनुसार, इन पाठ्यक्रमों के शुरू होने से झारखंड के साथ-साथ बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और छत्तीसगढ़ सहित पड़ोसी राज्यों के युवाओं को विमानन क्षेत्र में प्रशिक्षण के लिए दूर-दराज़ के राज्यों में नहीं जाना पड़ेगा। इससे समय और खर्च दोनों की बचत होगी।

एएमई पाठ्यक्रम में ६० सीटें निर्धारित की गई हैं। यह तीन वर्षीय कोर्स होगा, जिसकी कुल फीस ६ लाख रुपये होगी। शुल्क का भुगतान तीन वार्षिक किस्तों में २-२ लाख रुपये के रूप में किया जाएगा। एयर होस्टेस प्रशिक्षण के तहत छह माह और १२ माह अवधि के दो पाठ्यक्रम संचालित होंगे। दोनों में ६०-६० सीटें उपलब्ध रहेंगी। छह माह के कोर्स की फीस १,००,५०० रुपये तथा १२ माह के डिप्लोमा कोर्स की फीस १,५५,५०० रुपये निर्धारित की गई है। इस शुल्क में ड्रेस, ग्रूमिंग किट और स्विमिंग प्रशिक्षण भी शामिल रहेगा।

पाठ्यक्रमों का संचालन नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) की अनुमति मिलने के बाद शुरू किया जाएगा। एयर होस्टेस प्रशिक्षण के लिए आवेदन की अंतिम तिथि ३० जुलाई निर्धारित की गई है। इच्छुक अभ्यर्थी झारखंड फ्लाइंग इंस्टीट्यूट की वेबसाइट के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। झारखंड फ्लाइंग इंस्टीट्यूट के प्रबंध निदेशक कैप्टन एस.पी. सिन्हा ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर विमानन क्षेत्र में राज्य के युवाओं को नए अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने कहा कि एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस इंजीनियरिंग और एयर होस्टेस प्रशिक्षण पाठ्यक्रम झारखंड के लिए मील का पत्थर साबित होंगे तथा देश में विमानन क्षेत्र के लिए कुशल मानव संसाधन तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित

गोविंदपुर (ससे) : गुरुवार को पूर्वाह्न ११ से अपराह्न २.३० बजे तक ३३ केवी इनकमिंग फीडर (डीवीसी) की सर्किट संख्या-१ से विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। इस दौरान डीवीसी द्वारा सब-स्टेशन एवं लाइन मेंटेनेंस से संबंधित कार्य किये जाएंगे। इससे ३३/११ केवी पीएसएस खड़काबाद से सभी ११ केवी फीडर्स से विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी, लेकिन ३३/११ केवी पीएसएस आमाघाटा से निकलने वाल सभी ११ केवी फीडर्स से संबंधित क्षेत्रों में रोटेशन आधारित विद्युत आपूर्ति की जाएगी। इसकी जानकारी सहायक विद्युत अभियंता राहुल विश्वकर्मा ने दी।

जजों की रिटायरमेंट बढ़ाने पर सुप्रीम कोर्ट का सुझाव

नई दिल्ली(ईएमएस): सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कहा कि वे अपने-अपने हाईकोर्ट से परामर्श कर न्यायिक अधिकारियों की सेवानिवृत्ति आयु ६० से बढ़ाकर ६१ वर्ष करने पर फैसला लें। अदालत ने कहा कि जहां राज्य सरकार और हाईकोर्ट सहमत होंगे, वहां न्यायिक अधिकारी १ अप्रैल २०२६ से ६१ वर्ष की आयु तक सेवा जारी रख सकेंगे। हालांकि यह व्यवस्था मामले के अंतिम फैसले के अधीन रहेगी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहन की पीठ जिला न्यायपालिका के न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति आयु पूरे देश में ६० से बढ़ाकर ६२ वर्ष करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी। पीठ ने कहा कि सभी राज्य सरकारें और केंद्र शासित प्रदेश अपने-अपने क्षेत्राधिकार वाले हाईकोर्ट से सलाह लेकर दो सप्ताह के भीतर अपना रुख रिकॉर्ड पर रखें।

सच्ची भक्ति, दान व सत्य ही मनुष्य को ईश्वर की कृपा दिलाते हैं : सुरेन्द्र हरिदास जी

गोविंदपुर (ससे) : साबलपुर में श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन भागवत मर्मज्ञ सुरेन्द्र हरिदास ने वामन भगवान और राजा बलि का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि राजा बलि एक अत्यंत शक्तिशाली और दानी असुर राजा थे। उन्होंने अपने पराक्रम से तीनों लोकों पर अधिकार कर लिया था।

उनके अहंकार को समाप्त करने और देवताओं के कल्याण के लिए भगवान विष्णु ने वामन रूप में अवतार लिया। वामन भगवान एक छोटे से ब्राह्मण बालक के रूप में राजा बलि के यज्ञ में पहुंचे और उनसे केवल तीन पग भूमि का दान मांगकर उनके अंहकार को खत्म किया। कथा व्यास श्री हरिदास ने कहा कि यह प्रसंग हमें यह सिखाता है कि अहंकार का अंत निश्चित है और सच्ची भक्ति, दान और सत्य ही मनुष्य को ईश्वर की कृपा दिलाते हैं। श्री हरिदास ने कहा कि हमें पीर पर चादर नहीं, महावीर पर सिंदूर चढ़ाना चाहिए। हमें अपनी सनातन संस्कृति, अपने आराध्य देवताओं, अपने धर्म की परंपराओं और अपने विश्वासों के अनुरूप आचरण करना चाहिए। कथा को सफल बनाने में यजमान मंतोष साधू बाबा, पति-पत्नी तपन कुमार गोप व पारूल देवी, विनोद महतो व उतरा देवी आदि समेत जियलगढ़ा पंचायत के साबलपुर एवं गोसाईंडीह के समस्त लोगों का सहयोग मिल रहा है।

पृष्ठ एक का शेषांश

युवाओं को मिलेगा---

करेगी। यह एक अविस्मरणीय और ऐतिहासिक क्षण है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। उन्हें तराशने का कार्य अब झारखंड फिल्म एंड टेलिविजन इंस्टीट्यूट (जेएफटीआई) के माध्यम से किया जाएगा। सत्यजीत रे फिल्म इंस्टीट्यूट फिल्म जगत की सबसे अग्रणी संस्थाओं में से एक है, जिसने दुनिया को सिनेमा से रूबरू कराया। हमारे राज्य में भी कई फिल्में बनीं, जिनमें सत्यजीत रे साहब ने भी काम किया। हमारे राज्य में बनी फिल्में जैसे दिल बेचारा, एमएस धोनी: द अनटोल्ड स्टोरी और गैंग्स ऑफ वासेपुर, इसके अलावा, देश के दिग्गज बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन जी की फिल्म भी धनबाद में बनी थी। राज्य में फिल्म निर्माण की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। प्रकाश झा जैसे फिल्म डायरेक्टर की शिक्षा-दीक्षा भी झारखंड से ही हुई है।

मुख्यमंत्री ने एसआरएफटीआई, कोलकाता का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसी संस्था है जिसकी पहचान पूरी दुनिया में है। जिस प्रकार खेल में हमारे राज्य के नौजवान और छात्र-छात्राएं बड़े पैमाने पर देश-दुनिया में नाम कमा रहे हैं, उसी प्रकार कला के क्षेत्र में भी संभावनाएं हैं। आज इस संस्था और सत्यजीत रे फिल्म इंस्टीट्यूट के सहयोग से छिपे प्रतिभावान कलाकारों को ढूंढा जाएगा, बाहर निकाला जाएगा और तराशा जाएगा।

मौके पर राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर एवं सत्यजीत रे फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट (एसआरएफटीआई), कोलकाता के कुलपति समीरन दत्ता ने एमओयू हस्ताक्षर के उद्देश्य पर विस्तृत प्रकाश डाला।

तीन बार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्राप्त बीजू टोप्पो ,झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले के संथाल समुदाय से आने वाले रविराज मुर्मू, जिन्हें उनकी शॉर्ट फिल्म 'आंगेन' के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार की घोषणा की गई है , अनुज कुमार जिनकी बहुचर्चित फिल्म 'बिलोंगिंग टू अनटचेबल गॉड एवं दी टर्टल स्टोरी' के लिए इन्हें 'कैनेडियन लेबर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल अवॉर्ड' से सम्मानित किया जा चुका है, को सम्मानित किया। इनके साथ कुडुख फिल्म 'एडपा काना' के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से नवाजे गए श्री निरंजन कुजूर को उत्कृष्ट, ईमानदार और शानदार कला-यात्रा के लिए सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर, मुख्य सचिव अविनाश कुमार, विशेष सचिव सूचना एवं जनसंपर्क विभाग राजीव लोचन बक्शी, कुलपति, सत्यजीत रे फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट (एसआरएफटीआई), कोलकाता समीरन दत्ता, डीन एसआरएफटीआई सुकांते मजूमदार, सरला बिरला विश्वविद्यालय के डायरेक्टर जनरल प्रोफेसर (डॉ.) गोपाल पाठक, सरला बिरला विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सी. जगन्नाथ, विनोबा भावे विश्वविद्यालय के प्रो. सीबी शर्मा, सत्यजीत रे फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट, कोलकाता के प्रो, इंद्रनील मुखर्जी, एन, बनर्जी सहित विभिन्न विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधिगण एवं विद्यार्थीगण बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

हजारों टन अवैध कोयला---

कि रात्रि में इसे टपा देंगे लेकिन स्थानीय लोगों ने सूचना वरीय सीआईएसएफ अधिकारियों को दिया। जांच और छापामारी हुई लेकिन एक बीसीसीएल अधिकारी ने कहा यह कोयला नहीं है और छापामार दल वापस चला गया। बिना क्वालिटी कंट्रोल के अधिकारियों के जांच बिना कैसे रोका गया यह भी जांच का विषय है। बताया जाता है कि बस्ताकोला कुसुंडा क्षेत्र के इंडस्ट्री कोलियरी कुर्मी बस्ती के समीप बुधवार को भारी मात्रा में अवैध कोयला जमा होने की सूचना पर सीआईएसएफ जवानों ने घेराबंदी कर छापेमारी किया। सीआईएसएफ जवान अपने साथ जेसीबी मशीन और भोल्वो डम्फर लेकर पहुंचे थे। सीआईएसएफ को गुप्त सूचना मिली थी कि कोयला तस्करों ने भारी मात्रा में जमा कोयला को समतल कर मिट्टी से ढक दिया है। घटना पर पहुंचे सीआईएसएफ जवानों ने जेसीबी से कोड़ाई किया तो मिट्टी में दबा कोयला निकलना शुरू हो गया। भारी संख्या में तैनात सीआईएसएफ जवानों के यह दृश्य देखकर दांतो तले अंगुली दवा लिया। लेकिन जब कोयला जप्ती की तैयारी शुरू हुई तभी रोक दी गई। जेसीबी मशीन द्वारा कई स्थानों पर खुदाई कर कोयला निकाला गया था लेकिन अचानक पूरी प्रक्रिया को रोक दिया गया। काफी देर तक सीआईएसएफ की टीम उक्त स्थल पर रूके रहे लेकिन कुछ देर के बाद सीआईएसएफ के जवान दलबल के साथ बिना कोयला जप्त किए बैरन वापस हो गए।

टीएमसी सांसद कल्याण---

टेनेटी ने स्पीकर के पास बनर्जी के खिलाफ सदस्यों की शिकायत का जिक्र किया और कहा कि उनकी टिप्पणियों से सदन की गरिमा को ठेस पहुंची है। इसके बाद उन्होंने केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल से बनर्जी को सस्पेंड करने के लिए सदन की मंजूरी मांगने वाला प्रस्ताव पढ़ने को कहा। नीट पेपर लीक और दूसरे मुद्दों पर विपक्ष के सदस्यों की नारेबाजी के बीच यह प्रस्ताव ध्वनि मत से पास हो गया। प्रस्ताव पास होने के बाद टेनेटी ने बनर्जी से सदन परिसर छोड़ने को कहा।

वैज्ञानिक खदान बंदी पर सीएमडी सहित कोल इंडिया की वरिष्ठ अधिकारियों ने की सहभागिता

धनबाद (कासं) : वैज्ञानिक खदान बंदी पर कोयला मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम 'आरोह - एनुअल रिपोर्ट ऑन माइन क्लोजर' के दौरान माननीय केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी ने 'आरोह - वार्षिक माइन क्लोजर रिपोर्ट' का विमोचन किया। यह रिपोर्ट देश में वैज्ञानिक माइन क्लोजर की दिशा में हुई प्रगति, पारिस्थितिक पुनर्स्थापन, सतत खननोत्तर भूमि उपयोग तथा समुदाय-केंद्रित विकास पहलों का व्यापक दस्तावेज है।

इस अवसर पर केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान विभाग के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह की गरिमामियी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में कोयला मंत्रालय के सचिव विक्रम देव दत्त, अपर सचिव सनोज कुमार झा, अपर सचिव रूपिंदर बरार, कोयला नियंत्रक सजीश कुमार एन. सहित मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

समारोह में चेयरमैन कोल इंडिया बी.साईंराम, सीएमडी बीसीसीएल मनोज कुमार अग्रवाल सहित कोल इंडिया की विभिन्न अनुषंगी कंपनियों के सीएमडी एवं निदेशकगण, विभिन्न संस्थानों के वरिष्ठ पदाधिकारी, विशेषज्ञ एवं अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। बीसीसीएल के निदेशक (तकनीकी) संजय कुमार सिंह, निदेशक (तकनीकी/परियोजना एवं योजना) श्री राजीव कुमार सिन्हा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की।

कार्यक्रम के दौरान 'आरोह-वार्षिक माइन क्लोजर रिपोर्ट' का औपचारिक विमोचन किया गया। रिपोर्ट में अनुमोदित माइन क्लोजर योजनाओं के अनुरूप स्वतंत्रता के बाद पहली बार वैज्ञानिक रूप से बंद की गई ४२ कोयला खदानों की परिवर्तनकारी यात्रा का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया है। इसमें दर्शाया गया है कि किस प्रकार वैज्ञानिक पुनर्वास, पारिस्थितिक पुनर्स्थापन, सतत खननोत्तर भूमि उपयोग तथा समुदाय-केंद्रित हस्तक्षेपों के माध्यम से बंद खदान क्षेत्रों का उत्पादक एवं जनोपयोगी पुनः उपयोग सुनिश्चित किया जा रहा है।

अपने संबोधन में केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि माइन क्लोजर केवल वैधानिक दायित्व नहीं, बल्कि खनन चक्र का एक महत्वपूर्ण चरण है, जिसमें पर्यावरणीय पुनर्स्थापन, भूमि पुनर्वास तथा खननोत्तर क्षेत्रों के उत्पादक एवं जनहितकारी उपयोग को सुनिश्चित किया जाता है। उन्होंने कहा कि कोयला मंत्रालय ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग तथा खनन प्रभावित समुदायों के समग्र एवं सतत विकास के लिए समान रूप से प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में कोयला मंत्रालय ने वैज्ञानिक माइन क्लोजर एवं सतत् खननोत्तर विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से त्म्ब्स|प्ड् थ्तंउमूवता के माध्यम से सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से सतत माइन क्लोजर एवं पुनः उपयोग तथा इंटरैक्टिव निर्णय सहयोग प्रणाली के माध्यम से खदानों के उपयुक्त पुनः उपयोग के विकल्पों के वैज्ञानिक मूल्यांकन हेतु महत्वपूर्ण संस्थागत एवं तकनीकी ढाँचे विकसित किए हैं। इन पहलों से वैज्ञानिक माइन क्लोजर, हितधारकों की सक्रिय सहभागिता तथा दीर्घकालिक भूमि उपयोग योजना को नई दिशा मिली है।

माननीय मंत्री ने कहा कि 'आरोह' रिपोर्ट वैज्ञानिक माइन क्लोजर के क्षेत्र में देश की उपलब्धियों का दस्तावेज होने के साथ-साथ भविष्य के लिए एक मार्गदर्शक भी है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इससे पर्यावरणीय पुनर्स्थापन, आर्थिक विविधीकरण तथा खनन प्रभावित क्षेत्रों के दीर्घकालिक एवं समावेशी विकास को नई गति मिलेगी।

कार्यक्रम के दौरान कोयला मंत्रालय द्वारा वैज्ञानिक माइन क्लोजर, पारिस्थितिक पुनर्स्थापन तथा समुदाय-केंद्रित पुनर्वास से संबंधित विभिन्न नवाचारों एवं पहलों पर आधारित प्रदर्शनी का आयोजन भी किया गया। प्रदर्शनी में कोल इंडिया लिमिटेड एवं उसकी सहायक कंपनियों तथा निजी खनन कंपनियों द्वारा किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों को प्रदर्शित किया गया। तकनीकी सत्र में विषय-विशेषज्ञों ने वैज्ञानिक खदान बंदी पर अपने विचार साझा किए।

कार्यक्रम के समापन पर कोयला मंत्रालय ने वैज्ञानिक माइन क्लोजर की प्रक्रिया में सतत विकास, नवाचार एवं समुदाय-केंद्रित दृष्टिकोण को निरंतर बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। मंत्रालय ने कहा कि सुव्यवस्थित नीतिगत ढाँचों, आधुनिक डिजिटल उपकरणों तथा संस्थागत एवं अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से माइन क्लोजर को पर्यावरणीय पुनर्स्थापन, आर्थिक विविधीकरण एवं दीर्घकालिक क्षेत्रीय विकास के प्रभावी अवसर में परिवर्तित किया जा रहा है। इस दृष्टि से 'आरोह - वार्षिक माइन क्लोजर रिपोर्ट' नीति-निर्माताओं, उद्योग जगत, शोध संस्थानों तथा अन्य हितधारकों के लिए एक महत्वपूर्ण संदर्भ दस्तावेज सिद्ध होगी।

हरी मिर्च से घर पर बनाएं लाल मिर्च पाउडर, मिलेगा जबरदस्त स्वाद और रंग

अक्सर घरों में हरी मिर्च जरूरत से ज्यादा आ जाती है, जो समय पर इस्तेमाल न होने पर खराब होने लगती है। ऐसे में इन्हें फेंकने के बजाय आप आसानी से लाल मिर्च पाउडर तैयार कर सकते हैं। सही तरीके से सुखाई और पीसी गई मिर्च न सिर्फ लंबे समय तक सुरक्षित रहती है, बल्कि इसका स्वाद और रंग भी बाजार के पाउडर से कहीं बेहतर होता है।

ताजी और अच्छी मिर्च ले -लाल मिर्च पाउडर बनाने के लिए हमेशा ताजी, हरी और बिना किसी दाग-धब्बे वाली मिर्च का चयन करना चाहिए। खराब या सड़ी हुई मिर्च पाउडर के स्वाद और क्वालिटी दोनों को बिगाड़ सकती है। मिर्चों को पहले साफ पानी से अच्छे से धो लें ताकि उन पर लगी धूल, मिट्टी या किसी भी तरह की गंदगी पूरी तरह हट जाए।

मिर्च को सुखाने की सही प्रक्रिया - धोने के बाद मिर्चों को किसी सूती कपड़े से पोंछकर कुछ समय के लिए हवा में फैलाकर रखें। इसके बाद इन्हें तेज धूप में 5 से 7 दिनों तक सुखाना चाहिए। इस दौरान मिर्चों को बीच-बीच में पलटते रहना जरूरी है ताकि वे समान रूप से सूखें। मिर्च तब पूरी तरह तैयार मानी जाती है जब वह हल्की, सूखी और कुरकुरी हो जाए।

रंग को गहरा और आकर्षक बनाने के आसान टिप्स

अगर आप चाहते हैं कि मिर्च पाउडर का रंग ज्यादा गहरा और चमकदार दिखे, तो मिर्च को सुखाते समय नियमित रूप से पलटते रहें। लगातार धूप मिलने से उनका प्राकृतिक रंग निखरता है। कुछ लोग सुखाने की प्रक्रिया में थोड़ी मात्रा में लाल मिर्च भी मिला देते हैं, जिससे पाउडर का रंग और अधिक आकर्षक हो जाता है।

ग्राइंडिंग से पहले डंठल हटाना जरूरी - जब मिर्च पूरी तरह सूख जाए, तो उसके डंठल अलग कर लें। इससे पाउडर का स्वाद ज्यादा शुद्ध और साफ रहता है। डंठल हटाने के बाद मिर्च को छोटे टुकड़ों में तोड़ लें ताकि उन्हें पीसना आसान हो जाए और मिक्सर पर ज्यादा दबाव न पड़े।

मिक्सर में बनाएं बारीक और स्मूद पाउडर- अब सूखी मिर्च को मिक्सर जार में डालकर अच्छी तरह पीस लें। यदि आप बहुत महीन पाउडर चाहते हैं, तो इसे छलनी से छान सकते हैं। जो मोटे कण बच जाएं, उन्हें दोबारा पीसकर मिला लें। इस प्रक्रिया से आपको बिल्कुल बाजार जैसा बारीक और स्मूद लाल मिर्च पाउडर मिल जाएगा। तैयार पाउडर को पूरी तरह ठंडा होने के बाद एयरटाइट कंटेनर में भरकर रखें। नमी से बचाने पर यह कई महीनों तक खराब नहीं होता। इसे हमेशा ठंडी और सूखी जगह पर स्टोर करें ताकि इसका रंग, स्वाद और खुशबू लंबे समय तक बनी रहे।

मानसून में कहां भूलकर भी नहीं जाना चाहिए, इन जगहों पर रहता है लैंडस्लाइड और बाढ़ का खतरा

घुमक्कड़ मिजाज के लोग मानसून में भी घूमने निकल जाते हैं। लेकिन बरसात के दिनों में हिल स्टेशन पर लैंडस्लाइड होने और कई जगहों पर नदियों के उफान से बाढ़ का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए कहां जा रहे हैं जगह का चुनाव सोच समझकर करें। मानसून में इन जगहों पर तो भूलकर भी न जाएं।

भारत में लोग घूमने फिरने के शौकीन हैं। पिछले कुछ सालों में ट्रेवल और टूरिज्म पर लोगों ने जमकर खर्च किया है। ठंड हो या गर्मी या मानसून लोग घूमने निकल पड़ते हैं। हर मौसम में टूरिस्ट प्लेस का अपना अलग मौसम होता है। बारिश के दिनों में पहाड़ हरे-भरे हो जाते हैं। हल्का फॉगी वेदर लोगों को अपनी ओर खींचता है, लेकिन क्या आप जानते मानसून में घूमने जाने का शौक बहुत ही जोखिम भरा भी हो सकता है। इस मौसम में पहाड़ों पर लैंडस्लाइड, कई जगहों पर बाढ़, बादल फटने और कहीं रास्ता टूटने की घटनाएं सामने आती हैं। ऐसे में आपको बहुत सावधानी बरतनी चाहिए। आपको मानसून में इन जगहों पर भूलकर भी नहीं जाना चाहिए।

मानसून में कहां घूमने नहीं जाना चाहिए?

मसूरी- बारिश के मौसम में आपको पहाड़ों पर जाने से बचना चाहिए। इस समय उत्तराखंड में कई जगहों पर लैंडस्लाइड यानि भूस्खलन की घटनाएं सामने आती हैं। पहाड़ दरककर नीचे आ जाते हैं और सड़कें टूटने से आप फंस सकते हैं। नदिया ऊफान पर होती हैं और कई जगहों पर बादल फटने की घटना भी सामने आती हैं। इसलिए मसूरी, नैनीताल, केदारनाथ, बद्रीनाथ, जोशीमठ जैसी जगहों पर आपको जाने से पूरी तरह से बचना चाहिए।

कुल्लू मनाली- हिमाचल के पहाड़ों पर भी लैंडस्लाइड का खतरा बढ़ जाता है। कुल्लू मनाली के रास्ते पहाड़ों से आने वाले मलवे से बंद हो जाते हैं। पिछले कुछ सालों में हिमाचल में बाढ़ के मामले भी देखने को मिले हैं। कुल्लू, बिलासपुर और मनाली में बढ़ और बादल फटने से हर साल सैकड़ों लोगों की मौत हो जाती है। ऐसे में सैलानियों के लिए ये हिल स्टेशन खतरनाक साबित हो सकते हैं। आपको इस मौसम में घूमने जाने से पहले सोचना चाहिए।

दार्जिलिंग- पहाड़ों की गोद में बसा दार्जिलिंग बेहद खूबसूरत है। बारिश के दिनों में इसकी खूबसूरती और बढ़ जाती है। लेकिन इस मौसम में दार्जिलिंग घूमने जाना खतरनाक हो सकता है। बारिश के दिनों में तीस्ता नदी अपने उफान पर होती है। पहाड़ों का सीना चीरते हुए नदी का वेग ऐसे बहता कि रास्ते में आने वाले पुल, गांव और रास्तों को बहा ले जाए। मानसून में दार्जिलिंग के रास्ते में लैंडस्लाइड होने से रास्ते बंद हो जाते हैं।

वायनाड- मानसून में केरल घूमने जाने से बचना चाहिए। वायनाड यहां बाढ़ और तूफान का खतरा काफी बढ़ जाता है। केरल में पेरियार और पम्बा नदियां बाढ़ कारण बनती हैं। बारिश में भारतपुझा और कबिनी जैसी नदियां भी उफान पर होती हैं। इसलिए आपको यहां जाने से बचना चाहिए। केरल के निचले इलाकों में बाढ़ की स्थिति हर लगभग हर साल पैदा होती है।

अन्य जगह- मानसून में आपको नॉर्थ ईस्ट के राज्यों में जाने से भी बचना चाहिए। बरसात में असम में बाढ़ का खतरा बढ़ जाता है। वहीं अरुणाचल प्रदेश में भी बाढ़ का प्रकोप बना रहता है। समुद्र किनारे यानि कोस्टल एरिया भी जाने से बचना चाहिए। बारिश के दिनों में मुंबई में भी मुसीबतें बढ़ने लगती हैं। इसलिए ऐसी जगहों पर भी न जाएं जहां अत्यधिक बारिश होती है।

दार्जिलिंग में घूमने की जगह, दिल में बस जाएगी खूबसूरती

कैसे बना अंग्रेजों का पसंदीदा हिल स्टेशन

हरे-भरे पहाड़ों की गोद में बसा दार्जिलिंग बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन है। ब्रिटिश वायसराय गर्मियों में दार्जिलिंग छुट्टियां बिताने के लिए जाते थे। आज भी भारत समेत विदेशी पर्यटकों की पहली पसंद में दार्जिलिंग का नाम आता है। जानिए दार्जिलिंग में घूमने की जगह कौन सी हैं।

भारत के खूबसूरत हिल स्टेशन की लिस्ट में दार्जिलिंग का नाम शामिल है। दार्जिलिंग नाम तिब्बती शब्द 'दोरजे' यानि वज्र और 'लिंग' यानि स्थान से मिलकर बना है। 19वीं सदी से पहले दार्जिलिंग सिक्किम साम्राज्य का हिस्सा था। यहां की खूबसूरती, प्रकृति और शानदार जलवायु को देखकर अंग्रेजों ने इसे एक शानदार हिल स्टेशन के रूप में विकसित किया। पहाड़ प्रेमियों के लिए दार्जिलिंग टॉप लिस्ट में आता है। यहां खूबसूरत चाय के बागान, हरी भरी पहाड़ियां लोगों को अपना दीवाना बना लेती हैं। दार्जिलिंग के पहाड़ उत्तराखंड, हिमाचल से कहीं अलग और ज्यादा खूबसूरत हैं। बारिश के बाद तो यहां की खूबसूरती और बढ़ जाती है। अगर आप भी किसी अच्छे हिल स्टेशन पर घूमने जाना चाहते हैं तो दार्जिलिंग जाने का प्लान बना सकते हैं। यहां मौसम, प्राकृतिक नजारे के अलावा कई घूमने की जगह हैं।

दार्जिलिंग में घूमने की जगह

टाइगर हिल - दार्जिलिंग से करीब 13 किमी दूर टाइगर हिल है। यहां से आपको माउंट कंचनजंगा और माउंट एवरेस्ट की चोटियां नजर आएंगे। सुबह के समय सूरज की पहली किरणें देखने का अद्भुद नजारा आप यहां ले सकते हैं। हालांकि आपको इसके लिए सन राइज से पहले पहुंचना होगा। इस व्यू पॉइंट को देखने के लिए सुबह अच्छी भीड़ पहुंचती है।

दार्जिलिंग टॉय ट्रेन - दार्जिलिंग की टॉय ट्रेन का सफर बेहद खूबसूरत है। यूनेस्को ने इसे विश्व धरोहर सूची में शामिल किया है। टॉय ट्रेन यहां पहाड़ों के बीच से गुजरते हुए पूरे शहर का नजारा दिखाती है। टॉय ट्रेन में आप घूम से दार्जिलिंग तक का सफर कर सकते हैं।

बतासिया लूप और युद्ध स्मारक - दार्जिलिंग का एक खूबसूरत पॉइंट बतासिया लूप भी है। यहां टॉय ट्रेन से या आप अपने वाहन से भी जा सकते हैं। ये एक शानदार सर्पिल रेलवे ट्रैक है। यहां बने मेमोरियल से कंचनजंगा की चोटियों का पैनोरमिक व्यू दिखाई देता है। आप यहां दार्जिलिंग की ड्रेस में फोटो भी खिंचवा सकते हैं।

पद्मजा नायडू हिमालयन जूलॉजिकल पार्क - आप बच्चों के साथ हैं तो चिड़ियाघर जा सकते हैं। यहां आपको कई तरह के हिमालयी जीव देखने को मिल जाएंगे। खासतौर से यहां व्हाइट टाइगर, रेड पांडा, स्नो लेपर्ड और तिब्बतियन वुल्फ जैसे दुर्लभ जानवर देखने को मिलेंगे।

जापानी पीस पागोडा - ये दार्जिलिंग का सबसे शांत और खूबसूरत पॉइंट है। पहाड़ी की चोटी पर बसा सफेद स्तूप बौद्ध धर्म के प्रतीक और शांति के केंद्र है। यहां से पूरा दार्जिलिंग शहर आपको दिखता है। कुछ पल यहां सुकून के बिता सकते हैं।

घूम मठ - दार्जिलिंग में वैसे तो कई मोनेस्ट्री हैं लेकिन करीब 8 किलोमीटर दूर बौद्ध मठ 15 फीट ऊंची मैत्रेय बुद्ध की मूर्ति के लिए बेहद प्रसिद्ध है।

हैप्पी वैली टी एस्टेट दार्जिलिंग जाएं और चाय के बागानों में फोटो न खिंचवाएं तो यात्रा अधूरी लगती है। आप हैप्पी वैली टी स्टेट में जाकर चाय के बाग और यहां की चाय को इंजॉय कर सकते हैं। चाय के बागान और उनके ढलानों में टहल सकते हैं। फैक्ट्री में जाकर चाय बनाने की पूरी प्रक्रिया भी देख सकते हैं।

कॉस्ट कटिंग और डाउनसाइजिंग के दौरान इन तरीकों से डील करें

वर्कप्लेस पर क्राइसेस अनेक रूप ले सकता है। यह प्रतिष्ठा को लेकर या मुकदमेबाजी का मुद्दा हो सकता है या फिर प्राकृतिक आपदा। यह भी हो सकता है कि रिवेन्यू में कमी होने से कॉस्ट कटिंग और डाउनसाइजिंग का दौर चले। ऐसे समय के दौरान जिम्मेदारी संगठनात्मक नेतृत्व की होती है कि आगे की योजना तैयार करे और कर्मचारियों को आश्वस्त करें।

पारदर्शिता

आतंरिक या बाह्य किसी भी तरह के क्राइसेस में कर्मचारियों को चिंता होती है कि वह किस तरह से प्रभावित होंगे। उनके साथ स्पष्ट रूप से संवाद किया जाए और बड़ी खबरें न छुपाई जाए। क्राइसेस को लेकर पारदर्शी रहे और सावधानी से काम करें।

विश्वास रखें

एक लीडर के रूप में आपसे उम्मीद की जाती है कि वर्कप्लेस क्राइसेस से निपटने के लिए आप कॉन्फिडेंट रहें। जहां भी आवश्यक हैं, वहां हस्तक्षेप करें और समाधान के लिए हटकर सोचने से डरे नहीं।

ईमानदार रहें

व्यक्तिगत रूप से कर्मचारियों से मिलें और उन्हें निश्चिंत करें कि इस संकट आप उनका ध्यान रखेंगे। ईमानदारी से स्थिति बयां करते हुए जरूरी एक्शंस को लेकर उनसे बात करें।

मदद मांगने में न हिचकें

अपने कर्मचारियों के पास जाएं और उनसे सलाह मांगे। ऐसा करना आपकी लीडरशिप पर सवाल नहीं है बल्कि यह एक अच्छा तरीका है जिसमें क्राइसेस के समय कर्मचारियों को अपना योगदान देने में गर्व ही महसूस होगा।

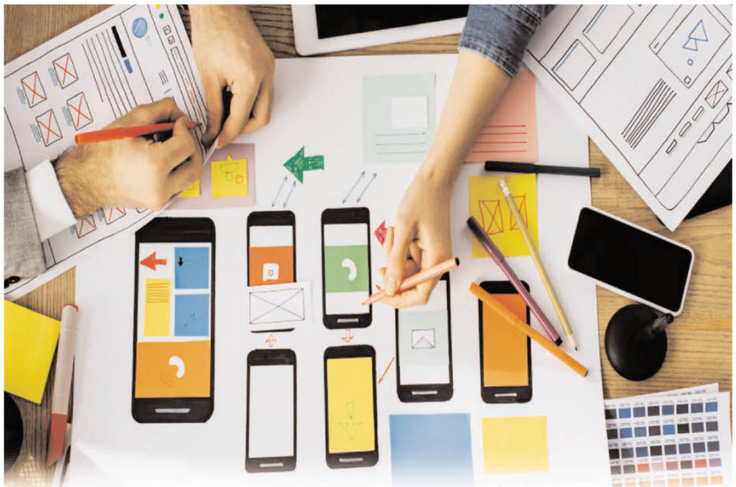

इमेजिनेटिव पॉवर और एस्थेटिक सेंस की बदौलत टेक्निकल प्रोडक्ट्स बनाते हैं प्रोडक्ट डिजाइनर्स

स्मार्टफोन, इलेक्ट्रॉनिक आइटम्स, बच्चों के खिलौने से लेकर ड्राइंग रूम के स्टाइलिश व स्मार्ट फर्नीचर्स तक आज जहां भी नजर दौड़ाए, टेक्नोलॉजी इनोवेशंस की एक से बढ़कर एक मिसालें देखने को मिल जाती है। फिर चाहे वह कोई गैजेट हो, डिजाइनर वॉच या होम अप्लायंस। ऐसे में कई बार सोचने में आता है कि इन्हें डिजाइन कौन करता है, इनका क्रिएटर ये काम प्रोडक्ट डिजाइनर्स करते हैं जो कि इमेजिनेटिव पॉवर और एस्थेटिक सेंस की बदौलत टेक्टिनकल प्रोडक्ट्स बनाते हैं। इंजीनियरिंग का एडवांस ब्रांच है प्रोडक्ट डिजाइनिंग जिसमें इन दिनों युवाओं का अच्छा रुझान देखा जा रहा है।

वर्क प्रोफाइल

प्रोडक्ट डिजाइनर्स कमर्शियल मैन्युफैक्चरिंग फर्म्स के लिए आर्टिकल्स, प्रोडक्ट्स, मटीरियल्स डिजाइन करते हैं। कोई भी चीज डिजाइन करने से पहले ये उसकी विजुअल अपील और प्रैक्टिकल यूज का पूरा ध्यान रखते हैं। एक प्रोडक्ट डिजाइन को कार, होम अप्लायंस, कम्प्यूटर, मेडिकल इक्विपमेंट, ऑफिसि या रिक्रिएशन इक्विपमेंट, खिलौने आदि कुछ भी डिजाइन करने पड़ सकते हैं। उन्हें मार्केट रिसर्चर्स, एडवरटाइजिंग टीम और प्रोडक्शन मैनेजस से इंटरेक्ट करने के अलावा ग्राफकि डिजाइनर्स के साथ काम करना होता है।

प्रमुख संस्थान

- इंडस्ट्रियल डिजाइन सेंटर, आईआईटी बॉम्बे
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद
- एमआईटी इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, पुणे
- सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, पुणे

स्किल्स

प्रोडक्ट डिजाइनर को आर्टिस्टिक होने के साथ लॉजिकल थिंकर होना भी जरूरी है। आपके पास आउट ऑफ बॉक्स आइजिडयाज होंगे तो अलग पहचान बना सकेंगे। इसी तरह ऑब्जर्वेशन स्किल और विजुअल इमेजिनेशन बेहतरीन होनी चाहिए। आपको ड्राइंग के माध्यम से अपने आइडियाज को एक्सप्रेस करना, कंज्यूमर गुड्स के प्रोडक्शन और मार्केटिंग की समझ होनी चाहिए।

शैक्षणिक योग्यता

अगर आपके पास आर्किटेक्चर या इंजीनियरिंग में डिग्री होगी, तो आप आईआईटी से इंडस्ट्रीयल डिजाइनिंग में मास्टर्स कर सकते हैं। इससे करियर ग्रोथ अच्छी रहेगी। वैसे, साइंस स्ट्रीम से बारहवीं करने वाले नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन या आईआईटी से इंडस्ट्रियल डिजाइन का कोर्स कर, प्रोडक्ट डिजाइनिंग की फील्ड में आ सकते हैं।

मार्केट में अवसर

मैन्युफैक्चरिंग फर्म्स के डिजाइन डिपार्टमेंट में प्रोडक्ट डिजाइनर्स की अच्छी मांग होती है। आप इंडस्ट्रियल प्रोडक्ट डिजाइनर , वॉच डिजाइनर, फुटवियर डिजाइनर, डिजिटल डिजाइनर, आदि के रूप में करियर शुरू कर सकते हैं। इसके अलावा कंसलटिंग फर्म्स में जॉब की जा सकती है।

बैंकिंग परीक्षा के करंट अफेयर्स और इंग्लिश सेक्शन दोनों ही में मदद करती है अखबार पढ़ने की आदत

अखबार पढ़ने की आदत बैंकिंग परीक्षा के करंट अफेयर्स सेक्शन तथा इंग्लिश सेक्शन दोनों ही में आपकी मदद करेगी। बैंकों में भर्ती के लिए होने वाली परीक्षा में यह परखा जाता है कि उम्मीदवार सीमित समय में समस्याओं को हल करने में कितना सक्षम है। इसमें न्यूनतम समय में उम्मीदवार की लॉजिकल रीजनिंग क्षमता तथा निर्णय क्षमता का आंकलन किया जाता है। साथ ही अपने आसपास की घटनाओं और अंगरेजी भाषा के ज्ञान की कसौटी पर भी उम्मीदवार को कसा जाता है। इसमें करंट अफेयर्स तो ऐसा विषय है, जिस पर आपकी पकड़ को रिटर्न टेस्ट ही नहीं, पर्सनल इंटरव्यू में भी जांचा जाता है।

परीक्षा के लिहाज से, पढ़ने की आदत विकसित करना बहुत जरूरी है। इससे इंग्लिश लैंग्वेज पेपर को हल करने में बहुत मदद मिलती है। रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन व पैसेज वाले हिस्से में अच्छे अंक लाने के लिए अच्छी रीडिंग स्किल जरूरी है। इसका अभ्यास करने के लिए अखबार एक अच्छा मंच है। आप अखबार में जो भी पढ़ें, उसका अर्थ अच्छी तरह समझें और उसे एक कागज पर लिख लें। यह भी देखें कि ऐसा आपने कितने समय में किया।

सेंटेंस फॉर्मेशन की जानकार

अंग्रेजी भाषा में लिखने का कोई तयशुदा फ्रेम नहीं है। इसमें वाक्य बिल्कुल सरल भी हो सकते हैं और बेहत जटिल भी। जो उम्मीदवार खुद को इंग्लिश में कमजोर महसूस करते हैं और इस भाषा को बस अभी-अभी समझने लगे हैं, उनके लिए इंग्लिश अखबार पढ़ना बहुत ही फायदेमंद रहेगा। अखबारों में काफी सरल वाक्य रचना होती है। इन्हें पढ़कर आप एक्टिव/ पैसिव वॉइस, वर्ब्स, ग्रामर, टेन्स आदि को बेहतर समझ सकते हैं।

राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय समाचार एकत्र करना

न्यूज एंड करंट अफेयर्स बैंकिंग एग्जाम्स का एक महत्वपूर्ण घटक है क्योंकि जनरल नॉलेज पेपर में राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय महत्व की ताजा घटनाओं से जुड़े प्रश्न पूछे जाते हैं। आपको चाहिए कि आप रोज अखबारों में महत्वपूर्ण न्यूज आइटम चिह्नित कर लें और फिर आने वाले दिनों में इनका फॉलो-अप लेते रहें। सबसे महत्वपूर्ण समाचारों को खास तौर पर नोट करें और परीक्षा की तैयारी करते हुए इन्हें रिवाइज करते रहें।

इंटरव्यू राउंड में करंट अफेयर्स का लाभ

समसामयिक घटनाक्रम से अवगत रहना इसलिए भी जरूरी है कि पसर्नल इंटरव्यू राउंड में इंटरव्यू पैनल इसके प्रति आपकी जागरूकता की परीक्षा ले सकता है। यदि आप नियमित रूप से अखबार पढ़ते रहे हैं, तो इन घटनाओं की जानकारी आपको मुंह-जुबानी याद होगी।

बढ़ता है आत्मविश्वास

रोज अखबार पढने की आदत आपके आत्मविश्वास से भी भर देती है। आपको राजनीति, अर्थतंत्र, खेल आदि विषयों की जानकारी मिलती है। इससे आप रिटन एग्जाम, पर्सनल इंटरव्यू या ग्रुप डिस्कशन का सामना भी पूरे आत्मविश्वास के साथ कर सकते हैं। जानकारी होने पर आप स्पष्टता के साथ तथ्यों का विश्लेषण भी कर सकते हैं। बैंकिंग एग्जाम क्रैक करना साल-दर-साल मुश्किल होता जा रहा है। कारण यह कि सीमित संख्या के पदों के लिए आवेदन करने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इसकी तैयारी के लिए बहुत परिश्रम करना पड़ता है और ज्यादा से ज्यादा ज्ञान अर्जित करना पड़ता है। अखबार इस ज्ञान का बहुत ही अहम स्रोत साबित होते हैं और कई तरह से आपकी मदद करते हैं।

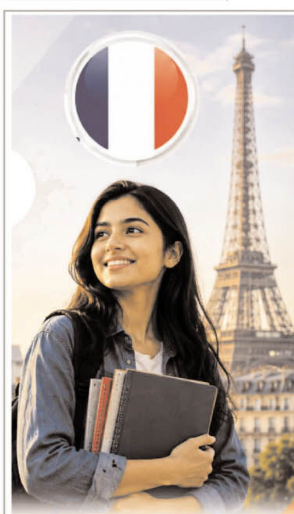

फ्रांस की सरकारी यूनिवर्सिटीज, जहां अंग्रेजी में पढ़ सकते हैं स्टूडेंट्स

फ्रांस की मुख्य भाषा फ्रांसीसी या कहें फ्रेंच है। देश में हर जगह इस भाषा का इस्तेमाल होता है। हालांकि, इसके बाद भी फ्रांस में कई सारी ऐसी यूनिवर्सिटीज हैं, जहां आपको अंग्रेजी में पढ़ने का मौका मिलेगा। इनमें से कुछ यूनिवर्सिटीज दुनिया के टॉप संस्थान हैं।

फ्रांस में कोई भी इंग्लिश यूनिवर्सिटी नहीं है, लेकिन वहां कई बेहतरीन फ्रेंच यूनिवर्सिटी हैं। इन यूनिवर्सिटीज में इंग्लिश में पढ़ाया जाता है। यही वजह है कि फ्रांस आजकल इंटरनेशनल स्टूडेंट्स के लिए एक बड़ा सेंटर बन गया है। साल 2024-2025 में यहां इंटरनेशनल स्टूडेंट्स की संख्या में काफी बढ़ोतरी हुई। इस साल 4,30,466 विदेशी छात्र फ्रांस में पढ़ने आए। ये फ्रांस के कुल स्टूडेंट्स का 14% रहा।

वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2025 में फ्रांस के चार इंस्टीट्यूट टॉप 100 में शामिल हैं। यहां पढ़ने के लिए स्कॉलरशिप भी मिलती है। इससे फ्रांस में पढ़ाई करना सस्ता हो जाता है। आइए फ्रांस की टॉप 5 यूनिवर्सिटी के बारे में जानते हैं, जहां इंग्लिश में पढ़ाई होती है।

यूनिवर्सिटी PSL

यूनिवर्सिटी PSL पेरिस में है। PSL वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2025 के अनुसार, ये फ्रांस की नंबर वन यूनिवर्सिटी है। यहां रिसर्च पर ध्यान दिया जाता है। यहां हर स्टूडेंट को गाइड करने के लिए टीचर मौजूद रहते हैं। क्लास में स्टूडेंट्स की संख्या भी कम होती है। इससे हर स्टूडेंट पर ध्यान दिया जा सकता है। सबसे अच्छी बात ये है कि PSL में हर पांच में से एक स्टूडेंट विदेश से आता है, इसलिए PSL बेस्ट इंग्लिश यूनिवर्सिटी इन फ्रांस' में से एक है।

इकोले पॉलीटेक्निक

इकोले पॉलीटेक्निक फ्रांस के रक्षा मंत्रालय के अंडर में आने वाला एक बड़ा इंस्टीट्यूट है। यह इंस्टीट्यूट पॉलीटेक्निक डी पेरिस का हिस्सा है। यह एक पब्लिक हायर एजुकेशन और रिसर्च इंस्टीट्यूट है। यहां नेशनल मिलिट्री से जुड़े स्कूल में पढ़ने का मौका मिलता है। यहां 40% से ज्यादा स्टूडेंट्स इंटरनेशनल हैं। इसलिए पढ़ाई के लिए इकोले पॉलीटेक्निक बहुत अच्छी जगह है।

यूनिवर्सिटी पेरिस सिटे

यूनिवर्सिटी पेरिस सिटे 2018 में पेरिस डिडेरोट, पेरिस डेस्कार्टेस और इंस्टीट्यूट डी फिजिक डु ग्लोब डी पेरिस को मिलाकर बनाई गई थी। ये फ्रांस की सबसे बड़ी मल्टीडिसिप्लिनरी यूनिवर्सिटी है। यहां आर्ट्स, ह्यूमैनिटीज, लैंग्वेज, इकोनॉमिक्स, सोशल साइंस, साइंस, टेक्नोलॉजी, मेडिसिन, डेंटिस्ट्री, फार्मेसी और नर्सिंग जैसे फील्ड में नए और आधुनिक कोर्स कराए जाते हैं।
मल्टीडिसिप्लिनरी का मतलब है कि यहां कई तरह के सब्जेक्ट पढ़ाए जाते हैं।

सोर्बोन यूनिवर्सिटी

सोर्बोन यूनिवर्सिटी पेरिस के बीच में स्थित है। ये एक मल्टीडिसिप्लिनरी, रिसर्च-इंटेंसिव और वर्ल्ड-क्लास इंस्टीट्यूट है। दूसरी पब्लिक यूनिवर्सिटी की तरह, यहां भी इंग्लिश में प्रोग्राम कराए जाते हैं। इंटरनेशनल स्टूडेंट्स का यहां स्वागत किया जाता है। 'बडी सिस्टम' नाम का एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म है। इस प्लेटफॉर्म पर इंटरनेशनल स्टूडेंट्स को लोकल स्टूडेंट्स के साथ जोड़ा जाता है। लोकल स्टूडेंट्स को 'बडी' कहा जाता है।

साइंसेज पो

साइंसेज पो फ्रांस की एक पब्लिक यूनिवर्सिटी है। ये ह्यूमैनिटीज और सोशल साइंस के लिए दुनिया के सबसे अच्छे इंस्टीट्यूट में से एक है। यहां होने वाली रिसर्च अक्सर पब्लिक डिबेट को बेहतर बनाती है। यहां स्टूडेंट्स भी अलग-अलग देशों से आते हैं। 50% स्टूडेंट्स विदेशी हैं, जो लगभग 150 देशों से हैं। यहां आप तीन साल का बैचलर ऑफ आर्ट्स डिग्री कोर्स कर सकते हैं। इस कोर्स को इंग्लिश और फ्रेंच दोनों भाषाओं में पढ़ाया जाता है।

संक्षिप्त समाचार

यूएन की रिपोर्ट में दावा- 2025 में एशिया प्रशांत में 114 अरब यूएसडी का साइबर अपराध

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र की एक नई रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में साइबर गिरोहों ने एशिया प्रशांत के लोगों को 114.1 अरब डॉलर तक का चूना लगाया, जो इस क्षेत्र के कई देशों की जीडीपी से भी अधिक है। संयुक्त राष्ट्र ड्रग्स और अपराध कार्यालय (यूएनओडीसी) ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि चीनी मूल के इन गिरोहों का नेटवर्क म्यांमार और लाओस से पूर्वी तिमोर, प्रशांत द्वीप समूह और अफ्रीका तक फैल गया है। दावा है कि इनके केंद्रों में 80 से अधिक देशों के लोगों को नौकरी का झांसा देकर जबरन ठगी करवाई जाती है। ये गिरोह कॉरपोरेट फ्रेंचाइजी की तरह काम कर रहे हैं, जो मनी लॉन्ड्रिंग और डाटा चोरी जैसी गतिविधियों को धड़ल्ले से अंजाम दे रहे हैं। बांग्लादेश 2027 में बिम्सटेक शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर सकता है। बिम्सटेक के महासचिव इंद्र मणि पांडे ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संगठन की 30वीं वर्षगांठ का वर्ष 2027 बांग्लादेश की अध्यक्षता का दूसरा और अंतिम वर्ष भी होगा। पांडे ने कहा कि बिम्सटेक के तहत सभी इस तरह की पहल सदस्य देशों की आपसी सहमति से की जाती हैं। हमारे विशेषज्ञों, वरिष्ठ अधिकारियों और मंत्रियों की बैठकों में सहयोग के प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की नियमित समीक्षा की जाती है, जिससे नए क्षेत्रों को जोड़ा जाता है। गौरतलब है कि बिम्सटेक में सात सदस्य देश हैं। इनमें बांग्लादेश, भूटान, भारत, म्यांमार, नेपाल, श्रीलंका और थाईलैंड शामिल हैं। सोने की तस्करी मामले में भारतीय मूल के मलेशियाई नागरिक को सिंगापुर में जेल की सजा सिंगापुर की एक अदालत ने मंगलवार को भारतीय मूल के 39 वर्षीय मलयेशियाई नागरिक तुराह राजू सुब्रमण्यम को 38 महीने की सजा सुनाई। उस पर एक ठगी पीड़िता से 4.12 लाख सिंगापुर डॉलर मूल्य के 1,600 सोने के बिस्कुट प्राप्त कर मलयेशिया तस्करी करने का आरोप है। जरिये काम पाया था। उसने सरकारी अधिकारी बनकर ठगी करने वालों के झांसे में आई 54 वर्षीय महिला से ये बिस्कुट हासिल किए थे। इसके बाद वह मलयेशिया लौट गया। कुछ दिनों बाद सिंगापुर में फिर दाखिल होने पर उसे गिरफ्तार किया गया।

अमेरिकी सेना ने ईरान पर 11वीं रात किए हवाई हमले

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान के साथ चार महीने से अधिक समय से जारी जंग के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने नया दावा किया है। उन्होंने बीते 10 दिनों से जारी बमबारी की तरफ संकेत करते हुए कहा, ईरान तबाही से बचने के लिए बातचीत की कोशिश में है। ईरान और अमेरिका की जंग के अलावा पश्चिम एशिया के टकराव से जुड़े तमाम अपडेट्स अमर उजाला के इस लाइव ब्लॉग में पढ़ें।

ईरान की सरकारी ब्रॉडकास्टर के मुताबिक, ईरान के पश्चिमी इलाम प्रांत में हवाई हमले हुए हैं, जो की इराक की सीमा से लगा हुआ है। हमले इलाम प्रांत के चावर और अब्दनान इलाकों में हुए। अब्दनान के गवर्नर ने दिनारकोह इलाके में इन हवाई हमले की पुष्टि की। लाल सागर में हूती विद्रोहियों ने खोला नया मोर्चा अमेरिका ईरान जंग के बीच ईरान समर्थित यमन के हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के खिलाफ लाल सागर में एक नया मोर्चा खोल दिया है। हूतियों ने सऊदी अरब की समुद्री नाकाबंदी की घोषणा की है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय शिपिंग कंपनियों को बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य से दूर रहने की चेतावनी दी है। यमन की सबा समाचार एजेंसी के अनुसार, चेतावनी मिलने के बाद लाल सागर में छह जहाजों को अपना रास्ता बदलना पड़ा। होर्मुज जलडमरूमध्य बंद होने के कारण सऊदी अरब लाल सागर के रास्ते ही अपने तेल को बाजार में भेज रहा था, जिस पर अब खतरा मंडरा रहा है।

अमेरिका ईरान युद्ध होर्मुज पर नियंत्रण की लड़ाई बना: अमेरिका ईरान युद्ध अब होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण की लड़ाई बन गया है। इस रास्ते से दुनिया के कुल कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का लगभग पांचवा हिस्सा गुजरता है। ओमान के तट के पास मंगलवार तड़के एक तेल टैंकर पर हमला हुआ। इसके बाद चालक दल को जहाज छोड़ना पड़ा। ईरान के पैरामिलिट्री रिवोल्यूशनरी गार्ड ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने बताया कि उसने जलडमरूमध्य में आठ व्यावसायिक जहाजों का रास्ता बदला है और एक को निष्क्रिय कर दिया है। क्षेत्र में तनाव के कारण बहरीन और कुवैत में सायरन बजाकर लोगों को आने वाली मिसाइलों और खतरों के प्रति सतर्क किया जा रहा है।

होर्मुज की सुरक्षा का दिया हवाला

पाकिस्तान की कूटनीतिक कोशिशें और ट्रंप का रुख अमेरिका ईरान संघर्ष को रोकने के लिए कूटनीतिक प्रयास भी चल रहे हैं। ईरान के गृह मंत्री एस्कंदर मोमेनी ने पाकिस्तान का दौरा किया। उन्होंने पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात की। शहबाज शरीफ ने बढ़ते तनाव पर गहरी चिंता जताई और सभी पक्षों से संयम बरतने की अपील की। पाकिस्तान ने पिछला अस्थायी युद्धविराम समझौता कराने में अहम भूमिका निभाई थी। हालांकि, होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों पर दोबारा हमले शुरू होने से वह समझौता टूट गया था। ट्रंप ने कहा कि ईरानी अधिकारी बैठक के लिए बेताब हैं, लेकिन जब तक वे सार्थक चर्चा के लिए तैयार नहीं होते, अमेरिका की बातचीत में कोई दिलचस्पी नहीं है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने 21 जुलाई की रात 8:15 बजे ईरान के खिलाफ लगातार 11वीं रात के सैन्य हमले पूरे कर लिए। इस दौरान अमेरिकी सेना ने ईरान के सैन्य अभियान केंद्रों, समुद्री क्षमताओं, विमान हैंगर, ड्रोन भंडारण सुविधाओं और सैन्य रसद ढांचे को निशाना बनाया। इन हमलों का मुख्य उद्देश्य होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यावसायिक जहाजों के लिए पैदा हो रहे ईरानी खतरे को कम करना है। सेंटकॉम ने कहा, पिछले तीन महीनों में ईरान ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए महत्वपूर्ण इस समुद्री मार्ग से गुजरने वाले 30 से अधिक व्यावसायिक जहाजों पर हमले किए हैं। इन अकारण हमलों ने सैकड़ों निर्दोष नाविकों की जान खतरे में डाली है। ईरानी आक्रामकता के बावजूद होर्मुज जलडमरूमध्य व्यावसायिक जहाजों के लिए खुला है।

शुरुआत से अब तक कुल 18 अमेरिकी सैनिक मारे जा चुके हैं

जॉर्डन में ईरानी हमले में अमेरिका के तीसरे सैनिक की मौत? सेंटकॉम ने क्या कहा, कितना पहुंचा आंकड़ा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने पुष्टि की है कि जॉर्डन में एक बेस पर शुक्रवार को हुए हमले में तीसरे सैनिक के मारे जाने की आशंका है। हालांकि उन्हें मृत माना जा रहा है। सैनिक की पहचान न्यूयॉर्क की रहने वाली 28 वर्षीय सार्जेंट एंजेल एस रामपरसाद के रूप में हुई है। इससे युद्ध की शुरुआत से अब तक कुल 18 अमेरिकी सैनिक मारे जा चुके हैं।

सोमवार को पेंटागन ने जॉर्डन हमले में मारे गए दो अन्य सैनिकों की पहचान बताई थी। इनमें हवाई के रहने वाले 25 वर्षीय फर्स्ट लेफ्टिनेंट टायलर जेम्स फीहान और टेक्सस की रहने वाली 19 वर्षीय प्राइवेट इसाबेला गोंजालेस शामिल थे। ये सैनिक इस्लामिक स्टेट के खिलाफ अमेरिकी मिशन में तैनात थे। ईरानी बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन हमलों से इन सैनिकों की मौत हुई।

हमले के बाद सेना ने बताया था कि दो सैनिक मारे गए हैं और एक लापता है। अब पेंटागन का कहना है कि रामपरसाद ही वह लापता सैनिक हैं। उनका आधिकारिक दर्जा 'कर्तव्य स्थिति-स्थान अज्ञात' है और उन्हें मृत

माना जा रहा है। रामपरसाद और गोंजालेस जर्मनी में तैनात 10वीं आर्मी एयर एंड मिसाइल डिफेंस कमांड की एक ही यूनिट से थीं।

इराक में एक अन्य सैनिक की जान गई

इधर, इराक के इरबिल एयर बेस पर एक ईरानी ड्रोन के नियंत्रित विस्फोट के समय 30 वर्षीय सार्जेंट माइकल इमैनुएल स्विंटन की मौत हो गई। नॉर्थ कैरोलिना के रहने वाले स्विंटन लगभग 10 साल से सेना में थे। उन्हें मरणोपरांत ब्रॉन्ज स्टार, पर्पल हार्ट और कॉम्बैट एक्सन बैज दिया जाएगा। साथ ही उन्हें स्टाफ सार्जेंट के पद पर प्रमोट किया जाएगा।

स्विंटन 2017 में सेना में भर्ती हुए थे। वह फोर्ट ब्रैग की 108वीं एयर डिफेंस आर्टिलरी ब्रिगेड में तैनात थे। वह अपने पीछे पत्नी और दो छोटे बच्चों को छोड़ गए हैं। उनके परिवार ने इस नुकसान पर गहरा दुख जताया है। ब्रिगेडियर जनरल जॉन एल डॉबर ने स्विंटन के काम और देश सेवा की तारीफ की है। सेना इरबिल में हुई इस घटना की जांच कर रही है। अंतरिम समझौता टूटने के बाद अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध का आज 10वां दिन है। दोनों तरफ से लगातार हमले हो रहे हैं।

ट्रंप ने सऊदी के साथ परमाणु समझौते को दी मंजूरी

यूरेनियम संवर्धन की मिल सकती है अनुमति; रिपोर्ट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सऊदी अरब के साथ एक परमाणु समझौते को मंजूरी दे दी है। इस समझौते से सऊदी अरब को अपने नागरिक परमाणु कार्यक्रम के लिए यूरेनियम संवर्धन की क्षमता मिल सकती है। मीडिया रिपोर्टों में यह दावा किया जा रहा है। मामले की जानकारी रखने वाले दो लोगों ने बताया कि इस फैसले की आधिकारिक घोषणा बुधवार को हो सकती है। विकसित करने में अमेरिकी कंपनियां भी शामिल होंगी। अमेरिका और सऊदी अरब के एक संयुक्त अध्ययन के बाद इस समझौते के तहत सऊदी अरब में यूरेनियम संवर्धन सुविधा बनाने की अनुमति मिल सकती है। वाल स्ट्रीट जर्नल ने सबसे पहले इस फैसले की जानकारी दी थी। हालांकि, व्हाइट हाउस ने इस पर तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं दी इस सबके बीच, वाशिंगटन से जारी बयान में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को सख्त

चेतावनी दी है। ट्रंप ने कहा कि ईरान एक नया परमाणु ठिकाना बनाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि अगर ईरान ऐसा करता है, तो अमेरिका उस ठिकाने पर हमला करेगा। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने अमेरिका के खिलाफ युद्ध में अन्य देशों की भूमिका पर बयान दिया है। हेगसेथ ने कहा कि रूस और चीन अमेरिका के खिलाफ युद्ध में ईरान की मदद कर रहे हैं। दूसरी तरफ, अमेरिकी सीनेट में सुनवाई के दौरान रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ को विरोध का सामना करना पड़ा।

जेलेंस्की का बड़ा फैसला: सिरस्की की छुट्टी

द्रपाती बने नए सेना प्रमुख, क्या अब यूक्रेन में थमेगा प्रदर्शन

कीव, एजेंसी। यूक्रेन की राजनीति में अचानक बहुत बड़ा उलटफेर हो गया है। राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने एक बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने यूक्रेन के सेना प्रमुख जनरल ओलेक्जेंडर सिरस्की को पद से हटा दिया है। यह फैसला मंगलवार को लिया गया। पूरे देश में सिरस्की के खिलाफ भारी प्रदर्शन हो रहे थे। राजधानी कीव और कई अन्य शहरों में लोग सड़कों पर उतर आए थे। लोग सिरस्की को हटाने की मांग कर रहे थे।

जेलेंस्की ने मिखाइलो द्रपाती को नया सेना प्रमुख बनाया है। इसकी जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया पर एक बयान जारी करके दी। जेलेंस्की ने कहा कि सभी की एक ही इच्छा है। वह इच्छा दुश्मन पर जीत हासिल करना है। सीमा पर ऐसे हालात बनाना है कि रूस शांति के लिए मजबूर हो जाए। उन्होंने आगे कहा कि देश ने एक बड़ा रास्ता तय किया है। यूक्रेन की रक्षा का काम लगातार जारी है। देश का हर योद्धा सम्मानजनक व्यवहार का हकदार है।

यह दूसरी बार है जब जेलेंस्की को जनता के दबाव में फैसला बदलना पड़ा है। इससे पहले बीते साल की गर्मियों में भी प्रदर्शन हुए थे। तब जनता ने भ्रष्टाचार विरोधी संस्थाओं को कमजोर करने वाले कानून का विरोध किया था। जेलेंस्की को वह कानून वापस लेना

पड़ा था। यह ताजा विवाद पिछले हफ्ते गुरुवार को शुरू हुआ था। जेलेंस्की ने अपनी सरकार में बड़ा फेरबदल किया था। उन्होंने अपने प्रधानमंत्री को बदल दिया था। साथ ही रक्षा मंत्री मिखाइलो फेडोरोव को भी बर्खास्त कर दिया था। फेडोरोव सिर्फ छह महीने से पद पर थे। जेलेंस्की ने कहा था कि फेडोरोव और सिरस्की के बीच भारी मतभेद थे। दोनों आपस में विवाद नहीं सुलझा पा रहे थे। इसलिए उन्हें खुद यह कदम उठाना पड़ा।

पद से हटने के बाद फेडोरोव ने सिरस्की पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि सिरस्की सैन्य सुधारों को रोक रहे थे। वह पुराने ढर्रे की कमान चला रहे थे। इस बयान के बाद सैनिकों और आम जनता का गुस्सा फूट पड़ा। हजारों लोग कीव की सड़कों पर निकल आए। लोगों को लगा कि जेलेंस्की एक सुधारक के बजाय पुराने ढर्रे के जनरल का साथ दे रहे हैं। इसका असर सेना के भीतर भी देखा गया। वायु सेना के उप कमांडर ने विरोध में अपना इस्तीफा दे दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि इससे यूक्रेन की हवाई सुरक्षा कमजोर होगी। छुट्टियों पर घर आए सैनिकों और पूर्व सैनिकों ने भी प्रदर्शनों में हिस्सा लिया। कई सैनिक अधिकारियों ने सोशल मीडिया पर सिरस्की का खुलकर विरोध किया।

प्रदर्शनकारी मांग कर रहे थे कि पूर्व रक्षा मंत्री मिखाइलो फेडोरोव को वापस लाया जाए। लोग उन्हें सेना के आधुनिकीकरण का चेहरा मानते थे। वहीं सिरस्की को सोवियत दौर की पुरानी सोच वाला कमांडर माना जाता था। सेना के भीतर सिरस्की को 'बुचर' यानी कसाई का उपनाम मिला हुआ था। बख्मुत की लंबी और खूनी लड़ाई के दौरान यह नाम बहुत फैला था। उस लड़ाई में यूक्रेन को भारी नुकसान हुआ था। जून महीने में 'बैबेल' नाम की एक यूक्रेनी मीडिया वेबसाइट ने एक जांच रिपोर्ट छापी थी। इसमें सिरस्की से जुड़ी 'स्केलिया' असॉल्ट रेजिमेंट में धांधली और उत्पीड़न के आरोप लगे थे। रिपोर्ट में कहा गया कि इस यूनिट में सैनिकों का नुकसान बहुत ज्यादा हुआ था। कई नए रंगरूटों की मौत के आंकड़े भी उजागर हुए थे। इसके बाद सिरस्की की साख पूरी तरह गिर गई थी।

मंगलवार को जेलेंस्की ने पूर्व रक्षा मंत्री मिखाइलो फेडोरोव से अलग से मुलाकात की। जेलेंस्की ने उन्हें सरकार में एक सम्मानजनक पद की पेशकश की। यह पद देश के टेक्नोलॉजी सेक्टर को एकजुट करने से जुड़ा है। हालांकि अभी यह साफ नहीं है कि फेडोरोव ने इस ऑफर को स्वीकार किया है या नहीं। यह भी तय नहीं है कि इस कदम से प्रदर्शनकारी शांत होंगे या नहीं।

फेडोरोव ने नए सेना प्रमुख द्रपाती को बधाई दी। उन्होंने इसे आजादी और न्याय की लड़ाई में एक 'नई उम्मीद' बताया। फेडोरोव ने कहा कि सिरस्की ने कीव की रक्षा और खारकीव के अभियानों में जो योगदान दिया, वह इतिहास का अहम हिस्सा है। लेकिन अब यूक्रेन को तेजी से आगे बढ़ना होगा। पुरानी गलतियों को सुधारना होगा।

फेडोरोव ने कहा कि यूक्रेन को जीत के लिए स्पष्ट सोच की जरूरत है। सैनिकों की जान बचाना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। युद्ध क्षेत्र में रोबोटिक तकनीक का इस्तेमाल बढ़ाना होगा। रूस की अर्थव्यवस्था को पस्त करने के लिए अलग रणनीति अपनानी होगी।

ईरान से जंग जारी, लेबनान की मदद करेगा यूएस; ट्रंप हिजबुल्ला के खात्मे की रणनीति पर क्या बोले?

वाशिंगटन,एजेंसी। ईरान से जारी जंग के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बड़ा एलान किया है। उन्होंने कहा कि लेबनान से हिजबुल्ला को हटाने के लिए अमेरिका के पास ठोस योजनाएं हैं। ओवल ऑफिस में लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ औन के साथ बैठक के दौरान ट्रंप ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि लेबनान के साथ लंबे समय से बुरा व्यवहार हुआ है। अब इस देश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पूरा सम्मान और स्थिरता मिलेगी। ट्रंप ने साफ कहा कि वे और राष्ट्रपति जोसेफ औन हिजबुल्ला को बाहर करने की रणनीति पर चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका के पास इसके लिए बहुत ठोस योजनाएं तैयार हैं। इसमें दूसरे देश भी मदद कर रहे हैं। ट्रंप ने यह भी कहा कि अगर लेबनानी राष्ट्रपति कहेंगे, तो वे हिजबुल्ला से सीधे बात करने को भी तैयार हैं। ट्रंप ने कहा, 'मैं हर किसी से बात कर सकता हूं।' ट्रंप ने दक्षिणी लेबनान के जमीनी हालात पर भी बड़ा बयान दिया। उन्होंने बताया कि इस्राइली रक्षा बल अपने सैनिकों को दूसरे इलाकों में भेज रहे हैं। त्रिपक्षीय ढांचे के तहत इस्राइल पायलट जोन से हट रहा है। यह वापसी फ्रौन, सरीफा और जौतर अल-गर्बिया गांवों में शुरू हो चुकी है। ट्रंप ने इस समझौते की तारीफ की और इसे लेबनान के लिए एक बड़ी कामयाबी बताया। ट्रंप ने लेबनान को लेकर एक और ऐतिहासिक ऐलान करते हुए कहा है कि वह अमेरिकी विमानन कंपनियों को 40 साल से भी अधिक समय बाद लेबनान के लिए सीधी उड़ानें फिर से शुरू करने की इजाजत देंगे। 1980 के दशक में सुरक्षा कारणों और विमान अपहरण की घटनाओं के बाद अमेरिका ने बेरूत के लिए सीधी उड़ानों पर पूरी तरह से बैन लगा दिया था।

गूगल ओपन वेब से बना साम्राज्य, एआई से उसी की घेराबंदी, डिजिटल पब्लिशर्स का ट्रैफिक 40% तक गिरा

सान फ्रांसिस्को, एजेंसी। दो दशक पहले जब गूगल ने अपना साम्राज्य स्थापित किया तो उसका आधार ओपन वेब रहा। वह उपयोगकर्ताओं को दुनिया भर की लाखों वेबसाइटों, समाचार पत्रों और विश्वविद्यालयों के हाइपरलिंक दिखाता और उन्हें वेब की विशाल दुनिया में भेजता, लेकिन एआई के मौजूदा दौर में गूगल अपनी ही पुरानी नीति से पीछे हटता दिख रहा है और इस प्रक्रिया में पूरे इंटरनेट के अस्तित्व को ही संकट में डाल रहा है।

गूगल ने अपने सर्च बॉक्स को एआई मोड और जेमिनी चैटबॉट से बदल दिया है। अब जब कोई यूजर सर्च करता है, तो गूगल उसे किसी अन्य वेबसाइट का लिंक देने के बजाय एआई द्वारा तैयार उत्तर खुद ही लिखकर दिखा दे रहा है। तकनीकी विशेषज्ञों और मीडिया विश्लेषकों का मानना है कि इंटरनेट गूगल जीरो के दौर में पहुंच चुका है। यानी ऐसी स्थिति जब गूगल से मीडिया, बैंकों और अन्य व्यवसायों की वेबसाइटों को मिलने वाला ट्रैफिक पूरी तरह घटकर शून्य हो जाएगा। क्लाउडफ्लेयर की रिपोर्ट के मुताबिक, जून 2025 से अप्रैल 2026 के बीच वित्तीय, खुदरा व मीडिया क्षेत्रों की वेबसाइटों पर विजिट 40% तक गिरी है।

एआई मोड से बाहर नहीं गए यूजर बिकने लगे डिजिटल पब्लिशर्स रिसर्च फर्म ग्रोथ मेमो

के हालिया अध्ययन के अनुसार, लगभग 75% सर्च सत्रों में यूजर एआई मोड से बाहर अन्य वेबसाइटों पर गए ही नहीं। वे पहले से 1 से 9 मिनट अधिक समय गूगल पर ही बिता रहे हैं। इससे विकीपीडिया को भी चपत लगी है। ऑनलाइन ज्ञानकोश विकीपीडिया ने बताया कि बीते एक साल में उसकी साइट पर आने वाले ट्रैफिक में 8% की कमी आई है, जबकि एआई मॉडल को ट्रेन करने वाले बॉट्स का ट्रैफिक बढ़ गया है। टेक वेबसाइट द वर्ज के मुख्य संपादक निले पटेल कहते हैं, सर्च ट्रैफिक की गिरावट ने प्रकाशकों को व्यापार को ध्वस्त कर दिया है। इस कारण वॉक्स मीडिया जैसी बड़ी डिजिटल मीडिया कंपनी को अपनी कई संपत्तियां बेचनी पड़ीं। वॉक्स मीडिया के सीईओ जिम बैंकऑफ ने माना, उन्हें पॉडकास्ट जैसे मार्गों पर निर्भर होना पड़ा और अपनी आधी कंपनी पेन्स्के मीडिया को बेचनी पड़ी। ब्रिटेन कसेगा गूगल पर शिकंजा संकट देख ब्रिटेन के प्रतिस्पर्धा और बाजार प्राधिकरण (सीएमए) ने गूगल पर शिकंजा कसने का संकल्प लिया है।

एक साल के लिए इसे 100 फीसदी कर दिया जाएगा

अमेरिका विदेश से आयात होने वाली जेनेरिक दवाओं पर भारी टैरिफ लगाएगा

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को घोषणा की कि अमेरिका अगस्त 2028 से विदेश से आयात होने वाली जेनेरिक दवाओं पर भारी आयात शुल्क (टैरिफ) लगाएगा। उन्होंने कहा कि इस कदम का मकसद जेनेरिक दवाओं का उत्पादन अमेरिका के भीतर कराना है। इस फैसले का असर भारत पर पड़ सकता है, क्योंकि भारत अमेरिका को जेनेरिक दवाओं का सबसे बड़ा निर्यातक है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर कहा कि 1 अगस्त 2026 से अमेरिका में आने वाली सभी जेनेरिक दवाओं पर अगले दो साल तक टैरिफ शून्य फीसदी रहेगा। इसके बाद एक साल के लिए इसे 100 फीसदी कर दिया जाएगा। उसके बाद यह बढ़ाकर 200 फीसदी कर दिया जाएगा।

नई नीति में क्या बदलेगा?

राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि इस नीति का मकसद अमेरिका के लोगों के हितों की रक्षा करना है। उन्होंने यह भी कहा कि पेटेंट वाली, ब्रांडेड और नई दवाओं से जुड़ी मौजूदा नीति में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा और वह पहले की तरह जारी रहेगी।

ट्रंप ने क्या कहा?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि 1 अगस्त 2026 से अमेरिका में लाई जाने वाली सभी जेनेरिक दवाओं पर अगले दो साल तक शून्य फीसदी आयात शुल्क रहेगा। इसके बाद एक साल के लिए यह 100 फीसदी होगा और उसके बाद 200 फीसदी कर दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि यह फैसला इसलिए लिया गया है, ताकि जेनेरिक दवाओं का उत्पादन फिर से अमेरिका में शुरू हो।

उन्होंने कहा कि जो कंपनियां तय समय के भीतर अमेरिका में कारखाने और जरूरी उपकरण नहीं लगाएंगे, उन्हें इस नीति के तहत दंड का सामना करना पड़ेगा।

भारत का अमेरिका को दवाओं का कितना निर्यात है?

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) की एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2025 में भारत ने अमेरिका को 9.7 अरब अमेरिकी डॉलर की दवाओं का निर्यात किया। यह भारत के कुल वैश्विक दवा निर्यात 25.8 अरब अमेरिकी डॉलर का 36 प्रतिशत था। भारत में बनी जेनेरिक दवाएं उच्च रक्तचाप, मधुमेह, कैंसर, संक्रामक रोगों और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी बीमारियों के इलाज में बड़े पैमाने पर इस्तेमाल की जाती हैं।

रोहित ने लगाई लंबी छलांग नंबर-1 की दौड़ हुई रोमांचक

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड दौरे पर लॉर्ड्स में खेली गई शानदार 138 रन की पारी का इनाम भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को आईसीसी वनडे बल्लेबाजों की ताजा रैंकिंग में मिला है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) द्वारा जारी साप्ताहिक रैंकिंग में रोहित 14 रेटिंग अंक की बढ़त के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं और अब वह शीर्ष स्थान की दौड़ में मजबूती से शामिल हो गए हैं।

डेरिल मिचेल का दबदबा

फिलहाल न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल 802 रेटिंग अंकों के साथ नंबर-1 बल्लेबाज बने हुए हैं। भारत के शुभमन गिल 801 अंकों के साथ महज एक अंक पीछे दूसरे स्थान पर हैं, जबकि विराट कोहली 767 अंकों के साथ तीसरे नंबर पर कायम हैं। रोहित शर्मा 758 अंकों के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं।

ऐतिहासिक शतक का मिला इनाम

रोहित शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और निर्णायक वनडे में 110 गेंदों पर 138 रन की विस्फोटक पारी खेली थी। इस दौरान उन्होंने 17 चौके और पांच छक्के लगाए। खास बात यह रही कि वह लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर वनडे शतक लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने। भारत को 388 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करना था। हालांकि रोहित की शानदार पारी के बावजूद टीम इंडिया 27 रन से मुकाबला हार गई और तीन मैचों की सीरीज 1-2 से गंवा बैठी।

संन्यास की अटकलों पर रोहित का जवाब

सीरीज के निर्णायक मुकाबले से पहले रोहित शर्मा के वनडे भविष्य को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं। लेकिन उन्होंने अपने बल्ले से सभी सवालों का जवाब दिया। मैच के बाद रोहित ने कहा, 'जब से मैंने डेब्यू किया है, तब से मेरे बारे में बातें होती रही हैं और जब तक मैं खेलूंगा, होती रहेंगी। मेरे लिए सबसे अहम बात मैदान पर प्रदर्शन करना और टीम की सफलता में योगदान देना है। अगर शोर नहीं होगा तो मजा भी नहीं आएगा।'

इंग्लैंड को भी हुआ फायदा

भारत-इंग्लैंड वनडे सीरीज के बाद इंग्लैंड के कई खिलाड़ियों की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है। जो रूट 249 रन बनाने के बाद चार स्थान की छलांग लगाकर आठवें नंबर पर पहुंच गए। बेन डकेट 11 स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 19वें स्थान पर पहुंच गए। जैकब बेथेल पांच स्थान की बढ़त के साथ 64वें स्थान पर पहुंच गए। वहीं गेंदबाजों की रैंकिंग में इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उनसे ऊपर अफगानिस्तान के राशिद खान पहले और पाकिस्तान के अबरार अहमद दूसरे स्थान पर हैं।

भारत के लिए सकारात्मक संकेत

ताजा आईसीसी वनडे बल्लेबाज रैंकिंग में भारत के तीन बल्लेबाज शुभमन गिल, विराट कोहली और रोहित शर्मा टॉप-4 में शामिल हैं। इससे साफ है कि भारतीय बल्लेबाजी इस समय विश्व क्रिकेट में सबसे मजबूत इकाइयों में से एक बनी हुई है। खास तौर पर गिल और रोहित की हालिया फॉर्म ने नंबर-1 रैंकिंग की जंग को बेहद रोमांचक बना दिया है।

इंग्लैंड में नहीं चला बल्ला, जिम्बाब्वे के खिलाफ दम दिखाने के लिए तैयार वैभव, आत्मविश्वास बरकरार

हरारे। भारतीय बल्लेबाजी के उभरते युवा सितारे वैभव सूर्यवंशी ने स्वीकार किया है कि पिछले चार महीनों में उनके करियर में कई उतार-चढ़ाव आए हैं। हालांकि, जिम्बाब्वे के खिलाफ गुरुवार से शुरू हो रही टी20 सीरीज से पहले वैभव का आत्मविश्वास पूरी तरह से बरकरार है। भारत और जिम्बाब्वे के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज होनी है जिसका पहला मैच गुरुवार को हरारे में खेला जाएगा।

टीम में बनाई जगह

15 वर्षीय सूर्यवंशी ने आईपीएल में अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत के आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे की टी20 टीम में जगह बनाई थी। बेलफास्ट में आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की सीरीज में उन्हें खेलने का मौका नहीं मिला, लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में दूसरे टी20 में उन्होंने अपना अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया। इसके साथ ही वह सचिन तेंदुलकर के लंबे समय से चले आ रहे रिकॉर्ड को तोड़कर भारत के लिए डेब्यू करने वाले सबसे युवा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर बन गए।इसके बाद वैभव ने अगले तीन मैच खेले, लेकिन वह केवल मामूली स्कोर ही बना सके। पांचवें और अंतिम टी20 में संजू सैमसन की वापसी के बाद उन्हें प्लेइंग इलेवन से बाहर कर दिया गया। भारत यह सीरीज 0-4 से हार गया। महज तीन पारियों के बाद युवा सलामी बल्लेबाज को बाहर करने के टीम प्रबंधन के फैसले पर कई पूर्व क्रिकेटरों ने सवाल उठाए और आलोचना की। अंतिम मैच से बाहर किए जाने के बाद यह युवा खिलाड़ी भावुक नजर आया था। कम उम्र में ऐसी निराशाओं का सामना करने पर सूर्यवंशी ने बताया कि आसपास के लोगों से मिले समर्थन ने उन्हें आगे बढ़ने और ध्यान केंद्रित करने में मदद की।

प्रक्रिया का पालन जरूरी

सूर्यवंशी ने बीसीसीआई डॉट टीवी से कहा, हां, पिछले चार महीनों में कई उतार-चढ़ाव आए हैं। यह क्रिकेट का हिस्सा है और ऐसा होता रहेगा। लेकिन मुझे प्रक्रिया का पालन करना है और टीम के लिए अपना 100 प्रतिशत देना है। यह एक स्वाभाविक बात है कि मुझे जिस मार्गदर्शन या अभ्यास की आवश्यकता है, कोच मुझे वह उपलब्ध करा रहे हैं। बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं और आत्मविश्वास भी है।फरवरी में भारत के सफल अंडर-19 विश्व कप अभियान में सूर्यवंशी की अहम भूमिका रही थी। इसी मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल में उन्होंने महज 80 गेंदों में 175 रनों की तूफानी पारी खेलकर भारत को चैंपियन बनाया था। इस मैदान की यादों को साझा करते हुए उन्होंने कहा, यह मेरे लिए एक बहुत ही यादगार मैदान है। सिर्फ चार महीने पहले हमने यहां अंडर-19 विश्व कप का फाइनल खेला और जीता था। भारत का प्रतिनिधित्व करना हर किसी का सपना होता है और यह एक बहुत खास पल है।

लगातार तीसरा स्वर्ण जीतने पर टिकीं मीराबाई चानू की निगाहें, 48 किलो वर्ग में होगा आखिरी टूर्नामेंट

नई दिल्ली, एजेंसी। टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता और स्टार भारोत्तोलक मीराबाई चानू ग्लासगों में 26 जुलाई को इतिहास रचने उत्तरेंगी। चानू लगातार तीसरे राष्ट्रमंडल खेल में स्वर्ण जीतने उतरेंगी, जो उनका लगातार चौथा पदक होगा। फिर भी उनकी निगाहें राष्ट्रमंडल से ज्यादा एशियाई खेलों पर हैं। बर्मिंघम में तैयारी कर रहीं मीरा ने अमर उजाला को बताया कि किसी भी बड़े खेल से पहले खिलाड़ी की कोशिश उच्चस्तरीय फॉर्म पाने की रहती है, लेकिन वह ग्लासगो में ज्यादा जोर नहीं लगाएंगी। उनकी 200 किलो वजन उठाने की भी कोशिश नहीं रहेगी। वह अपनी पीक 19 सितंबर से होने वाले एशियाई खेलों में हासिल करेगी, जहां उनकी कोशिश अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ (205 किलोग्राम वजन) को पीछे छोड़ने की होगी।

एशियाड में 49 किलो में खेलेंगी चानू

चानू ग्लासगों में 48 किलो में खेलेंगी, जबकि एशियाड में उन्हें 49 किलो में खेलना है। चानू को मालूम है कि यह 48 किलो में उनका अंतिम टूर्नामेंट है। यह भार अब ओलंपिक से बाहर हो गया है। मीरा ने इस भार में साल 2014 में रजत, 2018 में गोल्डकोस्ट में स्वर्ण और 49 किलो में बर्मिंधम राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। चानू कहती हैं कि वह फुल लोड नहीं लेकर एशियाड के लिए अच्छी तरह रिकवरी करना चाहती हैं।

चाहकर भी नहीं बन पा रही थीं ध्वजवाहक

चानू पहली बार भारतीय दल की ध्वजवाहक बनने जा रही है। मीरा कहती हैं हैं कि उनका सपना था कि वह किसी खेल के उद्घाटन समारोह में तिरंगा उठाएं। हमेशा उद्घाटन के अगले दिन कंपटीशन रहने के चलते वह चाहकर भी ध्वजवाहक नहीं बन पाती थीं। इस बार कंपटीशन समारोह के बाद है, जिससे उन्हें यह मौका मिल गया। भारतीय टीम के कोच विजय शर्मा के मुताचिक, मीरा के सामने नाइजीरिया की रूथ असोडको और मलयेशिया की इरिन जेन हेनरी की चुनौती हैं। रूथ ने बीते वर्ष भारत में राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में 167 किलो से रजत और इरिन ने 161 किलो से कांस्य जीता था। ऐसे में मीरा के सामने यहां बड़ी चुनौती नहीं है।

कुलदीप ने काउंटी क्लब यॉर्कशायर से किया करार

लीड्स। भारतीय टीम के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने बुधवार को इंग्लिश काउंटी क्लब यॉर्कशायर से करार किया है। कुलदीप मौजूदा सीजन में टीम के लिए आठ मुकाबले खेलेंगे। कुलदीप पिछले कुछ समय से भारतीय प्लेइंग-11 का हिस्सा नहीं बन रहे हैं। लेकिन अब वह काउंटी क्रिकेट में खेलेंगे। कुलदीप वनडे कप के पांच मैच खेलने के साथ ही तीन लाल गेंद क्रिकेट के मुकाबले खेलेंगे।

यॉर्कशायर क्लब ने अपनी वेबसाइट पर जानकारी देते हुए कहा, यॉर्कशायर काउंटी क्रिकेट क्लब को भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव को विदेशी खिलाड़ी के तौर पर साइन करने की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। 31 साल के कुलदीप वन डे क' के पांच मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे और इसके बाद सितंबर में काउंटी चैंपियनशिप के आखिरी चार में से तीन मैचों के लिए हेडिंग्ले लौटेंगे।

यॉर्कशायर से जुड़ने पर उत्सुक कुलदीप

यॉर्कशायर से जुड़ने पर कुलदीप ने कहा, यॉर्कशायर से जुड़कर मुझे बहुत खुशी हो रही है और मैं इस मौके के लिए आभारी हूं। यॉर्कशायर के गौरवशाली इतिहास वाले क्लब का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सचमुच सम्मान की बात होगी। मुझे हमेशा से इंग्लिश कंडिशन्स में खेलने की चुनौती पसंद रही है और मैनेजमेंट से बात करने के बाद मैं टीम से जुड़ने के लिए बहुत उत्साहित हो गया हूं।

अनुष्का के साथ वृंदावन पहुंचे कोहली, प्रेमानंद महाराज के किए दर्शन, कीचड़ में नंगे पैर चले

वृंदावन। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के बाद प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए। कोहली बुधवार को पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ वृंदावन पहुंचे जहां दोनों ने प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए। कोहली इससे पहले आईपीएल 2026 खत्म होने के बाद भी प्रेमानंद महाराज का आशीर्वाद लेने पहुंचे थे। मालूम हो कि आरसीबी ने इस सीजन खिताब अपने नाम किया था। 29 जुलाई को गुरू पूर्णिमा है और इससे पहले ही कोहली ने अनुष्का संग प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए हैं।

कोहली और अनुष्का को श्री हित राधा केली कुंज आश्रम में नंगे पैर घूमते हुए देखा गया और उनके इस दौरे के वीडियो तेजी

से सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। ऑनलाइन वायरल हो रहे कई वीडियो में इन दोनों को कड़ी सुरक्षा के बीच आश्रम पहुंचते हुए देखा जा सकता है। अनुष्का और विराट दोनों ने ही फेस मास्क पहनकर अपनी पहचान छिपाने की कोशिश की। आश्रम से बाहर निकलते समय विराट और अनुष्का ने हाथ में प्रसाद लिया हुआ था और वे कीचड़ भरे रास्तों पर नंगे पैर चल रहे थे।

प्रेमानंद महाराज के दर्शन लिए अनुष्का ने सिंपल सफेद सलवार-सूट पहना, जबकि विराट टी-शर्ट और पैंट में कैजुअल लुक में नजर आए। प्रेमानंद महाराज का आशीर्वाद लेने से पहले, यह दोनों आश्रम परिसर में घूमते हुए दिखे। कोहली और अनुष्का की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं।

सीरीज शुरू होने से एक दिन पहले जिम्बाब्वे ने घोषित की टीम, त्सिगा को मौका

हरारे, एजेंसी। भारत के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए जिम्बाब्वे टीम का एलान कर दिया गया है। दिलचस्प बात यह है कि दोनों टीमों के बीच पहला मैच गुरुवार को होगा और इससे एक दिन पहले ही टीम घोषित हुई है। 15 सदस्यीय टीम में पहली बार विकेटकीपर बल्लेबाज तफादजवा त्सिगा को शामिल किया गया है। इसके साथ ही ऑलराउंडर वेस्ली मधेवेरे और पेसर न्यूमैन न्यामहुरी की जिम्बाब्वे टी20 टीम में वापसी हुई है।

ये तीनों खिलाड़ी क्लाइव मडेंडे, टिनोटेंडा मापोसा और ताशिंगा मुसेकिवा की जगह टीम में आए हैं, जो हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ खेलने वाली टीम का हिस्सा थे। टी20 सीरीज का पहला मुकाबला 23 जुलाई को खेला जाना है। वहीं, दूसरा मैच 25 जुलाई और अंतिम मैच 26 जुलाई को होगा। सीरीज के सभी मुकाबलों की मेजबानी हरारे का हरारे स्पोर्ट्स क्लब मैदान करेगा।

जिम्बाब्वे की ओर से 10 टेस्ट मैच खेल चुके त्सिगा ने अब तक सफेद गेंद की क्रिकेट में अपना डेब्यू नहीं किया है। बांग्लादेश सीरीज के दौरान टेस्ट और वनडे टीम में शामिल रहे मधेवेरे जुलाई 2025 के बाद पहली बार टी20 टीम में लौटे हैं। वह अब तक जिम्बाब्वे की ओर से कुल 79 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेल चुके हैं। वहीं, न्यामहुरी चोट से उबरने के बाद टीम में वापसी कर रहे हैं। चोट के चलते वह बांग्लादेश के खिलाफ हुई वनडे सीरीज में

टीम का हिस्सा नहीं रहे थे। न्यामहुरी की जगह बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज में हिस्सा लेने वाले तनाका चिवांगा टीम में अपनी जगह बनाए रखने में सफल रहे हैं।

सिकंदर रजा करेंगे अगुआई

टीम की कमान सिकंदर रजा के हाथों में सौंपी गई है। बांग्लादेश के खिलाफ रजा की अगुआई में जिम्बाब्वे का प्रदर्शन शानदार रहा था। टीम ने एकमात्र टेस्ट और वनडे सीरीज को दमदार प्रदर्शन करते हुए अपने नाम किया था। हालांकि, टी20 सीरीज में जरूर जिम्बाब्वे को 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था। मेजबान टीम के सामने भारत की मुश्किल चुनौती होगी। हालांकि, टीम इंडिया को हाल ही में आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ करारी हार का सामना करना पड़ा है। भारत और जिम्बाब्वे की आखिरी भिड़ंत टी20 विश्व कप 2026 के सुपर 8 स्टेज में हुई थी, जहां भारत ने जिम्बाब्वे को 72 रनों से हराया था।

भारत के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए जिम्बाब्वे टीम: सिकंदर रजा (कप्तान), ब्रायन बेनेट, रयान बर्ल, तनाका चिवांगा, बेन करन, ब्रैड इवांस, वेस्ली मधेवेरे, तदीवानाशे मारुमानी (विकेटकीपर), वेलिंगटन मसाकाद्जा, ब्लेसिंग मुजारबानी, डियोन मायर्स, रिचर्ड नगारवा, न्यूमैन न्यामहुरी, मिल्टन शुम्बा, और तफादजवा त्सिगा (विकेटकीपर)।